हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

www.ksnewsupdates.com | धनबाद, शनिवार 28 मार्च, 2026, वर्ष : 35 अंक : 04, मूल्य : 3 रूपए | धनबाद एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

YouTube Subscribe
Koylanchal sambad news

संक्षिप्त खबरें

चुनाव से पहले मुर्शिदाबाद में दो गुटों में झड़प, रामनवमी के जुलूस के दौरान पथराव

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के जंगीपुर और रघुनाथगंज में शुक्रवार को रामनवमी के जुलूस के दौरान दो पक्षों के बीच झड़प हो गई, जिससे इलाके में तनाव का माहौल बन गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दुकानों में लूटपाट की घटनाएं भी सामने आई हैं। वहीं कई लोगों के घायल होने की जानकारी भी सामने आई है।

पूरे शहर में धारा 144 लागू कर दी गई है। पुलिस के मुताबिक, जुलूस के दौरान किसी बात को लेकर कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते हिंसक रूप में बदल गई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर पथराव किया और आसपास की संपत्तियों को भी नुकसान पहुंचाया। हालात बिगड़ते देख पुलिस और सुरक्षा बलों को तुरंत मौके पर तैनात किया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि स्थिति अब नियंत्रण में है। एहतियात के तौर पर इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है और लगातार गश्त जारी है। संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च भी किया गया है। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि पूरे क्षेत्र पर नजर रखी जा रही है और हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बालेन शाह ने नेपाल के नए प्रधानमंत्री के तौर पर ली शपथ, पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के नेता बालेंद्र शाह उर्फ बालेन शाह ने शुक्रवार को नेपाल के नए प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ले ली है। मात्र 35 साल की उम्र में जेन-जी के नेता शाह ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इस मौके पर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम शाह को बधाई दी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएम मोदी ने बालेन शाह को बधाई देकर लिखा, नेपाल के प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ लेने पर बालेंद्र शाह को बहुत-बहुत बधाई। आपकी नियुक्ति नेपाल के लोगों द्वारा आपके नेतृत्व पर दिखाए गए भरोसे को दिखाती है। मैं आपके साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं ताकि भारत-नेपाल की दोस्ती और सहयोग को हमारे दोनों देशों के लोगों के आपसी फायदे के लिए और भी ऊंचाइयों पर ले जाया जा सके। बालेन शाह के नेपाल के प्रधानमंत्री बनने के साथ ही आरएसपी ने कुछ मंत्रियों के नाम पर मुहर लगाई है।

सीएम हेमंत सोरेन पहुंचे श्री राम-जानकी तपोवन मंदिर, उमड़ा भक्तों का जनसैलाब

रांची (ईएमएस)। रामनवमी व महावीर जयंती के पावन अवसर पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शुक्रवार को श्रीराम-जानकी तपोवन मंदिर पहुंचे। इस दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं और महावीर मंडल के सदस्यों ने सीएम और कल्पना सोरेन को चुनरी पहनाकर सम्मानित किया।मंदिर पहुंचते ही महावीर मंडल के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने मुख्यमंत्री का पारंपरिक ढंग से भव्य स्वागत किया।जय श्री राम के नारों के बीच पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।सीएम ने मंदिर में पूजा-अर्चना कर राज्य की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की।पूजा अर्चना के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि महावीर जयंती का पर्व हमें साहस, सेवा और समर्पण का संदेश देता है।उन्होंने लोगों से आपसी भाईचारे और सद्भाव और बनाए रखने की अपील भी की। मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे, जिससे मंदिर परिसर में मेले जैसा माहौल नजर आया।श्रीराम-जानकी तपोवन मंदिर में रामनवमी को लेकर श्रद्धालुओं का उत्साह देखा जा रहा है, श्रद्धालु अपने हाथों में महावीर झंडे लेकर तपोवन मंदिर पहुंच रहे हैं। यहां हजारों श्रद्धालु भगवान राम-जानकी का दर्शन कर रहे हैं, मंदिर के सीढ़ी को प्रणाम करते हुए श्रद्धालु मंदिर में प्रवेश कर रहे हैं।तपोवन मंदिर में स्थापित विभिन्न देवी देवताओं के दर्शन कर मां जानकी से आशीर्वाद ले रहे हैं।तपोवन मंदिर का मुख्य गेट सुबह 5.30 बजे श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोल दिए गए। सुबह से ही लोग भगवान का दर्शन करने के लिए आतुर हैं। श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का भी वितरण जारी है।राम-जानकी तपोवन मंदिर के प्रागंण में सैकड़ों दुकान सजाए गए हैं, कहीं बच्चों के खिलौने बिक रहे हैं, तो कही रंग-बिरंगे महावीरी झंडे स्टॉल में बिक रहे हैं।यहां श्रद्धालु आस्था के साथ सराबोर हो रहे हैं।तपोवन मंदिर में सीएम के प्रवेश होने से पहले ही सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किए गए।सैकड़ों महिला पुरुष पुलिस भारी मात्रा में तैनात किए गए हैं।

गढ़वा में रामनवमी विवाद, दोनों पक्षों के 19 लोग गिरफ्तार, थाना प्रभारी लाइन हाजिर

गढ़वा। गढ़वा जिले के रमकंडा रामनवमी जुलूस के दौरान हुए विवाद के बाद पुलिस प्रशासन पूरी तरह एक्शन मोड में है।गुरुवार की रात हुई हिंसक झड़प और पथराव के बाद पुलिस ने रात भर सघन छापेमारी अभियान चलाया।इस मामले में अब तक दोनों पक्षों से कुल 19 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।गढ़वा एसपी अमन कुमार ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि शांति व्यवस्था भंग करने के आरोप में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की है। कुल 19 लोग को गिरफ्तार किया गया हैं ,जिसमें मुस्लिम पक्ष से 13 और हिंदू पक्ष से 6 लोग हैं। मौके से 18 मोटरसाइकिलें और 9 मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं।रमकंडा थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह कुंटिया को कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप में तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया गया है।घटना की शुरुआत गुरुवार की रात तब हुई जब रामनवमी की अष्टमी का जुलूस कौआखोह स्थित शिव चबूतरा के पास पहुंचा।

भारत की सैन्य ताकत में होगा इजाफा 2.38 लाख करोड़ के रक्षा सौदों पर मुहर

एस-400 की अतिरिक्त खरीद को मंजूरी

नई दिल्ली : रक्षा अधिग्रहण परिषद ने लगभग 2.38 लाख करोड़ रुपये की लागत के सैन्य हार्डवेयर की खरीद को मंजूरी दी है, जिसमें सेना, वायु सेना और तटरक्षक बल के लिए आधुनिक उपकरण शामिल हैं। इस खरीद में एयर डिफेंस सिस्टम, धनुष तोप, एस-400 मिसाइल प्रणाली, मध्यम परिवहन विमान, दूर से नियंत्रित हमलावर विमान और सुखोई-30 के इंजन कलपुर्जों की ओवरहाल शामिल है। भारतीय सेना के लिए एयर डिफेंस ट्रैक्ड सिस्टम, आर्मर्ड पियर्सिंग टैंक एम्यूनिशन, उच्च क्षमता के रेडियो रिले, धनुष गन सिस्टम और रनवे इंडिपेंडेंट एरियल सर्विलांस सिस्टम की खरीद की मंजूरी दी गई है। एयर डिफेंस ट्रैक्ड सिस्टम रियल-टाइम में वायु रक्षा नियंत्रण और रिपोर्टिंग क्षमता प्रदान करेगा। जबकि, उच्च क्षमता वाला रेडियो रिले भरोसेमंद और त्रुटि-रहित संचार सुनिश्चित करेगा। 'धनुष गन सिस्टम' से तोपखाने की क्षमता बढ़ेगी और सभी क्षेत्रों में लंबी दूरी के लक्ष्यों को अधिक प्रभावी और सटीक ढंग से निशाना बनाया जा सकेगा। 'रनवे इंडिपेंडेंट एरियल सर्विलांस सिस्टम' सैन्य इकाइयों को निगरानी की क्षमता देगा और 'आर्मर्ड पियर्सिंग टैंक एम्यूनिशन' टैंक रोधी हथियारों की क्षमता को बढ़ाएगा। भारतीय वायु सेना के लिए मध्यम परिवहन विमान, लंबी दूरी की सतह-से-वायु मिसाइल प्रणाली एस-400, दूर से नियंत्रित हमलावर विमान और सुखोई-30 एयरो इंजन के कलपुर्जों की मरम्मत और ओवरहाल (इंजन के सभी हिस्सों की पूरी तरह जांच करना, खराब या घिसे हुए हिस्सों को बदलना और उसे फिर से पूरी क्षमता के साथ चलाने के योग्य बनाना) के प्रस्ताव मंजूर किए गए हैं।

मध्यम परिवहन विमान के शामिल होने से एएन-32 और आईएल-76 के पुराने परिवहन बेड़े को बदलने से वायु सेना की रणनीतिक, सामरिक हवाई परिवहन की सभी आवश्यकताओं को पूरा किया जा सकेगा। एस-400 प्रणाली दुश्मन के लंबी दूरी के हवाई हमलों को रोकने में मदद करेगी, जबकि दूर से नियंत्रित हमलावर विमान हमले और समन्वित हवाई संचालन करने के साथ-साथ गुप्त खुफिया, निगरानी और पहचान कार्यों में सक्षम होगा।

खाड़ी संकट से प्रोपेन गैस और कच्चे माल की किल्लत

जिंक, एल्युमिनियम और पेंट सब महंगे

जमशेदपुर। पश्चिम एशिया (खाड़ी) में गहराते युद्ध और भू-राजनीतिक संकट का सीधा असर अब घरेलू इस्पात बाजार और निर्माण उद्योग पर व्यापक रूप से दिखने लगा है। प्रमुख इस्पात निर्माता टाटा स्टील कलर्स (पूर्ववर्ती टाटा ब्लूस्कोप) ने कच्चे माल की भारी किल्लत और लगातार बढ़ती इनपुट लागत के कारण अपने सभी प्रमुख ग्राहकों को आपूर्ति बाधित होने और उत्पादों की कीमतों में अनिवार्य बढ़ोतरी की सूचना दे दी है। कंपनी प्रबंधन के अनुसार, खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते सैन्य तनाव और लाजिस्टिक्स संबंधी बाधाओं के चलते औद्योगिक प्रोपेन गैस की सप्लाई चेन प्रभावित हुई है और इसकी भारी कमी हो गई है।

इसके साथ ही, अंतरराष्ट्रीय कमोडिटी बाजार में जिंक, एल्युमिनियम और विशेष इंडस्ट्रियल पेंट की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि दर्ज की गई है।

इन आवश्यक कच्चे मालों की अप्रत्याशित महंगाई और अनुपलब्धता ने टाटा स्टील कलर्स के कारखानों में दैनिक परिचालन और उत्पादन क्षमता को बुरी तरह प्रभावित किया है।

सोनिया गांधी के स्वास्थ्य में हो रहा तेजी से सुधार

नई दिल्ली,(ईएमएस)। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के स्वास्थ्य को लेकर राहत भरी खबर सामने आई है। नई दिल्ली स्थित अस्पताल के डॉक्टरों के अनुसार उनकी हालत में तेजी से सुधार हो रहा है और उन्हें एक-दो दिनों में छुट्टी मिल सकती है। 79 वर्षीय सोनिया गांधी को 24 मार्च की देर रात बुखार और संक्रमण की शिकायत के चलते भर्ती कराया गया था।

पीएम मोदी की राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ ऑनलाइन बैठक, तैयारियों की हुई समीक्षा

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की। यह बैठक डिजिटल माध्यम से हुई। बैठक में पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर राज्यों की तैयारियों और योजनाओं की समीक्षा की गई। आदर्श आचार संहिता के कारण चुनावी राज्य इस बैठक में शामिल नहीं हुए। चुनावी राज्यों के मुख्य सचिवों के लिए एक अलग बैठक होगी, जो कैबिनेट सचिवालय के माध्यम से की जाएगी।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, डिजिटल माध्यम से यह बैठक 'टीम इंडिया' की भावना के तहत राज्यों और केंद्र के बीच तालमेल सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। यह पहली बार है, जब प्रधानमंत्री ने 28 फरवरी को अमेरिका-इस्राइल के ईरान पर हमले से शुरू हुए पश्चिम एशिया संघर्ष को लेकर मुख्यमंत्रियों के साथ इस तरह की बैठक की। ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए अपने खाड़ी पड़ोसी देशों और इजराइल पर हमले किए।

बैठक में कौन-कौन मुख्यमंत्री शामिल हुए?

बैठक में आंध्र प्रदेश के एन चंद्रबाबू नायडू, उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ, तेलंगाना के रेवंत रेड्डी, पंजाब के भगवंत मान, गुजरात के भूपेंद्र पटेल, जम्मू-कश्मीर के उमर अब्दुल्ला, हिमाचल प्रदेश के सुखविंदर सिंह सुक्खू और अरुणाचल प्रदेश के पेमा खांडू सहित कई मुख्यमंत्री शामिल हुए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह भी इस बैठक में मौजूद थे। एक सूत्र ने बताया, प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये मुख्यमंत्रियों से बातचीत की और राज्यों की तैयारियों व योजनाओं की समीक्षा की। बैठक का फोकस 'टीम इंडिया' की भावना के तहत तालमेल सुनिश्चित करना था। आचार संहिता लागू होने के कारण चुनाव वाले राज्यों के मुख्यमंत्री इस बैठक में शामिल नहीं हुए। कैबिनेट सचिवालय चुनाव वाले राज्यों तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के मुख्य सचिवों के साथ अलग बैठक करेगा।

संकट पर पहले हुई थी सर्वदलीय बैठक

सरकार ने 25 मार्च को पश्चिम एशिया की स्थिति पर राजनीतिक दलों के नेताओं को जानकारी देने के लिए सर्वदलीय बैठक भी की थी, जिसमें स्थिति से निपटने के लिए उठाए गए कदमों की विस्तृत जानकारी दी गई। 23 मार्च को लोकसभा में बयान देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा था कि पश्चिम एशिया संघर्ष से पैदा हुई वैश्विक परिस्थितियां लंबे समय तक बनी रह सकती हैं और उन्होंने देश से एकजुट और तैयार रहने का आह्वान किया था, जैसे कोविड-19 महामारी के दौरान रहा था।

भारत के पास 60 दिन का ईंधन: सरकार

इससे पहले सरकार ने नागरिकों को आश्वस्त किया था कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बावजूद कोई तात्कालिक खतरा नहीं है। सरकार ने बताया कि देश के पास 60 दिनों का ईंधन उपलब्ध है। लोगों से ईंधन की कमी से जुड़ी अटकलों पर ध्यान न देने की अपील की गई। सरकार ने पुष्टि की कि देश की ऊर्जा आपूर्ति स्थिर और अच्छी तरह प्रबंधित है और मौजूदा मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त भंडार मौजूद है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, कच्चे तेल की आपूर्ति अगले लगभग दो महीने के लिए पहले ही सुनिश्चित कर ली गई है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल बाजार कंपनियों ने पहले से ही आयात की व्यवस्था कर ली है।

संतोष कुमार गंगवार
राज्यपाल, झारखण्ड

PR No. 376196 (IPRD) 25-26

संदेश

प्रतिवर्ष मार्च माह के अंतिम शनिवार को 'अर्थ ऑवर' मनाया जाता है। यह वाइल्डलाइफ फंड फॉर नेचर (WWF) की एक प्रभावी वैश्विक पहल है, जिसका शुभारंभ वर्ष 2007 में किया गया था। इसका उद्देश्य प्रकृति संरक्षण, जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा मानव जीवन के उज्ज्वल भविष्य के लिए सामूहिक प्रयासों को वैश्विक स्तर पर प्रोत्साहित करना है।

WWF-India प्राकृतिक पर्यावरण के संरक्षण हेतु निरंतर कार्यरत है। 'अर्थ ऑवर' के अवसर पर प्रत्येक वर्ष लोग स्वेच्छा से एक घंटे के लिए गैर-आवश्यक रोशनी बंद कर इस अभियान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हैं। यह एक प्रतीकात्मक, किंतु अत्यंत प्रभावशाली पहल है, जो हमें ऊर्जा संरक्षण तथा पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी का बोध कराती है। इस वर्ष 'अर्थ ऑवर' 28 मार्च, 2026 (शनिवार) को रात्रि 08:30 बजे से 09:30 बजे तक मनाया जा रहा है।

अतः सभी राज्यवासियों से आह्वान है कि वे इस निर्धारित अवधि में अपने-अपने घरों में अनावश्यक प्रकाश बंद रखकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दें। साथ ही, सभी कार्यालयों एवं प्रतिष्ठानों में भी अनावश्यक प्रकाश बंद करने हेतु आवश्यक कदम उठाए जाएँ तथा प्रकृति की रक्षा और सतत विकास के संकल्प को सुदृढ़ किया जाए।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड

संक्षिप्त खबरें

महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

चतरा(ईएमएस)।गिद्धौर थाना क्षेत्र जमुआ गांव में एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।मौत की खबर से पूरे गांव में मातम पर गया।घटना बीते गुरुवार की है।मृत महिला जमुआ गांव निवासी 25 वर्षीय नेहा कुमारी पति(लखन भुइंया) है।बताया गया कि मृतका के पति बैंगलोर में मजदूरी का काम करता है।घर में सास तथा ससुर थे।गुरुवार के सुबह सास तथा ससुर महुआ चुनने गए थे।वापस 11 बजे आए तो देखा कि नेहा फंखे में फांसी के फंदे से झूल रही है।इसकी जानकारी पुलिस को दिया।जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी शिवा यादव दल बल के साथ पहुंच शव को फांसी के फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के चतरा सदर अस्पताल भेज दिया।साथ ही पुलिस मामले की तहकीकात करने में जुट गयी। वहीं शुक्रवार को स्थानीय शमशान घाट कारी माटी में अंतिम संस्कार किया गया।

सरायकेला के मोहितपुर श्रद्धा व उल्लास के साथ निकला रामनवमी जुलूस

सरायकेला(ईएमएस)। सरायकेला के मोहितपुर और सीनी में रामनवमी पर जुलूस निकाली गयी। रामनवमी का जुलूस श्रद्धा व उल्लास के साथ शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। जुलूस विभिन्न मुहल्लों से होते हुए गुजरी।जुलूस में कई तरह के हैरतअंगेज करतब दिखाये गये। डंके की थाप पर लाठी भांजते युवा जय बजरंग, जय श्री राम के नारे लगा रहे थे।युवाओं की टोली द्वारा प्रस्तुत किये गये करतब को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे हुए थे।दूसरी ओर जुलूस में सुरक्षा का भी पुख्ता इंतजाम किया गया था।रामनवमी जुलूस में मुख्य रूप से पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा भी शामिल हुआ। अर्जुन मुंडा ने करतब दिखाते हुए लाठियां भांजी।साथ श्रद्धालुओं के साथ जय श्रीराम व जय बजरंगबली के जयकारे भी लगाए। इधर हनुमान मंदिरों में सुबह बजरंगबली की पूजा- अर्चना की गयी। बड़े पैमाने पर घरों में झंडा गाड़ कर बजरंगबली की पूजा की गयी।

हाथियों ने पाँच जानवरो को कुचल कर मार डाला

कोडरमा(ईएमएस)।कोडरमा थाना क्षेत्र के मरियमपुर और बोनाकाली के बाद अब झरीटांड और ढेबुआडीह में जंगली हाथीयों का आतंक देखने को मिला है, हाथियों ने इन जगहों पर पांच मवेशियों को कुचलकर मार डाला। इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। बता दें की एक दिन पूर्व हाथियों ने मरियमपुर में एक बिरहोऱ महिला व बोनाकाली में एक मजदूर को कुचल कर मार डाला था।हाथियों को भगाने के लिए वन विभाग प्रयास कर रहा है।

पहाड़ी क्षेत्रों का विधायक ने किया दौरा, ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं, समाधान का आश्वासन

सरायकेला(ईएमएस)।खरसावां विधानसभा क्षेत्र के विधायक दशरथ गागराई ने कुचाई प्रखंड के सुदूरवर्ती पहाड़ी इलाके में स्थित गिलूवा गांव का बाइक से दौरा कर क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गांव और टोला स्तर पर पहुंचकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और उनकी मूलभूत समस्याओं की जानकारी ली।भ्रमण के क्रम में ग्रामीणों ने विभिन्न समस्याएं विधायक के समक्ष रखीं। गिलूवा गांव में नदी पर पुल एवं स्कूल भवन निर्माण की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई। वहीं सिकराम्बा टोला (सोड़ा, रुगड़ी), डेंगिल तथा जोम्बरो टोला (गंडीकादा, नाडकाबुर) में सड़क के साथ पुल निर्माण की आवश्यकता पर ग्रामीणों ने जोर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क और पुल के अभाव में आवागमन में भारी कठिनाई होती है, खासकर बरसात के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। बच्चों की शिक्षा तथा बीमार लोगों को अस्पताल ले जाने में भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। विधायक दशरथ गागराई ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि संबंधित विभागों से समन्वय कर जल्द से जल्द समाधान की दिशा में पहल की जाएगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए वे प्रतिबद्ध हैं और ग्रामीणों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाएगा।इस मौके पर कई स्थानीय ग्रामीण और जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

रामनवमी पर मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, विधि-विधान से हुई पूजा-अर्चना

भक्ति और उल्लास के माहौल में गूंजे जय श्रीराम के जयकारे

बोकारो(ईएमएस)।बोकारो के सेक्टर वन स्थित श्री राम मंदिर में रामनवमी के पावन अवसर पर शहर के विभिन्न मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।सुबह से ही भक्तजन भगवान श्रीराम के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए कतारों में खड़े नजर आए।मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो उठा।पूजा-अर्चना का कार्यक्रम विधि-विधान के साथ संपन्न कराया गया।पुजारियों द्वारा विशेष मंत्रोच्चार और आरती की गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।भक्तों ने भगवान श्रीराम से सुख-शांति और समृद्धि की कामना की।इस अवसर पर मंदिरों में भजन-कीर्तन का भी आयोजन किया गया। श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते नजर आए और पूरा माहौल "जय श्रीराम" के जयघोष से गूंज उठा। कई स्थानों पर प्रसाद वितरण का भी आयोजन किया गया, जिसमें लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मंदिरों के आसपास पुलिस बल तैनात रहा ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। कुल मिलाकर रामनवमी का पर्व श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया।शहर में चारों ओर धार्मिक माहौल देखने को मिला और लोगों ने इस पावन अवसर को हर्षोल्लास के साथ मनाया।

युवक युवती का शव पेड़ से लटका मिला, मामला प्रेम प्रसंग का

देवघर(ईएमएस)।देवघर में प्रेम प्रसंग से जुड़ा मामला सामने आया है। बूढ़ेई थाना क्षेत्र के सरपट्टा गांव में एक युवक और युवती का शव एक ही पेड़ से लटका हुआ मिला है। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में लोगों की भीड़ जुट गई।सूचना मिलने पर बूढ़ेई थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।परिजनों के अनुसार दोनों युवक-युवती बीते रविवार से लापता थे और उनकी लगातार तलाश की जा रही थी। शुक्रवार की सुबह ग्रामीणों ने दोनों का शव पेड़ से लटका हुआ देखा, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।प्रारंभिक जांच में मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।फिलहाल दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल लाया गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।
पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

खजूर पर्व की तैयारी तेज, 29 मार्च को धूमधाम से मनाया जाएगा

रांची(ईएमएस)।ईसाई समुदाय का खजूर पर्व 29 मार्च,रविवार को पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।इस अवसर पर शहर के प्रमुख चर्च संत मारिया महागिरजाघर, सीएनआई चर्च बहुबाजार और जीईएल चर्च के बाहर खजूर की डालिए बाजार में बेची जा रही है।रेडिएम रोड के दुकानदारों ने बताया कि वे खजूर की डालियां पैसे के लिए नहीं बेचते हैं।शहर में खजूर के पेड़ नहीं होने के कारण वे लोगों की सेवा के लिए इन्हें उपलब्ध कराते हैं, इसके साथ ही लोग पैसे देते हैं।विश्वासियों की पसंद के अनुसार, दुकानदार खजूर की पत्तियों से विभिन्न प्रकार के फूल और क्रूस बनाकर बाजार में उतारी गई है।इसमें छोटी खजूर की डाली 10 से 30 रुपये में ग्राहकों को उपलब्ध करा रहे हैं।यीशु मसीह के नाम से खजूर की डाली बेच रहे हैं। इसको घरों में ले जाकर दरवाजा और घर के पूजा ग्रहों में रखते हैं। ताकि घरों में नकारात्मक शक्तियों से परिवार को बचाए जा सके।पूरे चर्च को खजूर पता से सजाया जाएगा। खजूर की डाली से ही यीशु मसीह का स्वागत किया जाएगा।इसे आने वाले वर्ष 2027 में इसी को जलाये जाएगा और राख बुधवार की शुरुआत की जाएगी।यीशु मसीह के यरूशलेम आगमन की स्मृति में मनाया जाता है।इस दिन श्रद्धालु खजूर की डालियां घर लाकर दरवाजों और पूजा स्थलों में रखते हैं। मान्यता है कि इससे घर और परिवार को नकारात्मक शक्तियों से सुरक्षा मिलती है।

बॉम्बे हाई कोर्ट से अडानी और अंबानी को बड़ी राहत

गैस चोरी और सौर ऊर्जा भ्रष्टाचार केस में सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका खारिज

मुंबई, (ईएमएस)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने बड़े उधोगपति मुकेश अंबानी और गौतम अडानी को बड़ी राहत दी है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) द्वारा ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी) के कुओं से 1.55 बिलियन यानी करीब 13,700 करोड़ रुपये की नेचुरल गैस चोरी के आरोपों की सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। बॉम्बे हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायाधीश सुमन श्याम की बेंच ने अपना फैसला सुनाया। इस केस में याचिकाकर्ता का इरादा साबित नहीं हुआ है। जनहित याचिका दाखिल करते समय याचिकाकर्ता का इरादा नेक होना चाहिए। लेकिन, इस केस में ऐसा नहीं देखा गया। इसी बात को हाईलाइट करते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट ने याचिकर्ता को कोई राहत देने से मना करते हुए याचिका खारिज कर दी।

क्या थी याचिका ?

सिलवासा के रहने वाले जितेंद्र पी. मारू (61) ने बॉम्बे हाई कोर्ट में एक याचिका दाखिल की थी, जिसमें रिलायंस के चेयरमैन मुकेश धीरूभाई अंबानी और कंपनी के डायरेक्टर्स पर चोरी, गलत काम और भरोसा तोड़ने का आरोप लगाया गया था। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया था कि 2004 से 2013-14 के बीच आंध्र प्रदेश के तट पर कृष्णा-गोदावरी बेसिन से गैस चोरी हुई थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि रिलायंस ने बिना किसी परमिशन के पड़ोसी ओएनजीसी के कुओं में ड्रिलिंग करके अपने गहरे समुद्र के कुओं से गैस चुराई थी। यह एक संगठित धोखाधड़ी था और एक बड़ी पहले से प्लान की गई साज़िश का हिस्सा था। इसमें कई वरिष्ठ अधिकारी भी रिश्वत देकर शामिल थे। आरोप लगाया गया था कि आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और तमिलनाडु के अधिकारियों को 2000 करोड़ रुपये बांटे गए थे। पूरी साज़िश मुंबई में रची गई थी, इसलिए बॉम्बे हाई कोर्ट में प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट के तहत कार्रवाई की मांग करते हुए एक याचिका दाखिल की गई थी। ओएनजीसी के अधिकारियों को 2013 में चोरी का पता चला और उन्होंने तुरंत केंद्र सरकार को इसकी जानकारी दी। लेकिन मुआवजा मांगने के अलावा अभी तक कोई क्रिमिनल एक्शन नहीं लिया गया है। अपना दावा साबित करने के लिए याचिकाकर्ता ने न्यूयॉर्क की एक कोर्ट से मिले कुछ कागजात बॉम्बे हाई कोर्ट में जमा किए थे।

सीबीआई की भूमिका

बॉम्बे हाई कोर्ट में सीबीआई के वकील अमित मुंढे ने कहा, इस मामले में दिल्ली हाई कोर्ट बेंच का दिया गया ऑर्डर साफ है। उस ऑर्डर में एफआईआर दर्ज करने का कोई निर्देश नहीं है। इसलिए, कंप्लेंट बंद कर दी गई और एप्लीकेंट को 30 सितंबर 2025 के इस फैसले के बारे में बताया गया। भारत सरकार ने इस मामले में केस दर्ज करने की कोई मांग नहीं की है। साथ ही, ओएनजीसी ने भी ऐसी कोई मांग नहीं की है। अगर उन्हें सही लगता है, तो उनके पास इस मामले में एफआईआर दर्ज करने के लिए सीबीआई से संपर्क करने का विकल्प है। इसलिए, यह याचिका न तो कानून के हिसाब से स्वीकार्य है और न ही फैक्ट्स पर आधारित है।

क्या है रिलायंस का दावा ?

रिलायंस ने इस याचिका का विरोध किया था और बॉम्बे हाई कोर्ट में इन सभी आरोपों को खारिज कर दिया था। उनका दावा था कि यह गैस माइग्रेटेड थी, यानी यह अपने आप उनके कुओं में आई थी। इसलिए, रिलायंस को इसे निकालने का पूरा अधिकार था। हालांकि, फर्म डी एंड एम (डी-गोलायर और मॅक-नॉटन) की जांच में रिलायंस ने माना था कि उसने बिना अनुमति के गैस निकाली थी। इसके बाद, केंद्र सरकार की अपील में बॉम्बे हाई कोर्ट ने फैसला सुनाया कि रिलायंस का माइग्रेटेड गैस का दावा झूठा था।

क्या है मामला?

यह मामला 2000 के दशक की शुरुआत में शुरू हुआ था। इस दौरान, रिलायंस और ओएनजीसी को केजी बेसिन में ब्लॉक दिए गए थे। ओएनजीसी के पास मौजूद बड़े ब्लॉक के आस-पास रिलायंस के 12 ब्लॉक थे। साल 2013 में, ओएनजीसी ने देखा कि उसके गैस रिज़र्व धीरे-धीरे कम हो रहे हैं। बाद में, जब उन्होंने डीप इंस्पेक्शन किया, तो उन्हें यह बात पता चली। मामले की जांच करने वाली एपी शाह कमेटी ने तय किया है कि गैस चोरी की रकम 1.55 बिलियन या भारतीय करेंसी में लगभग 13,700 करोड़ रुपया है, और इस पर ब्याज 174.9 मिलियन या लगभग 1,458 करोड़ रुपया है। दिल्ली हाई कोर्ट ने फरवरी 2025 में रिलायंस को राहत देते हुए कहा था कि यह दावा पब्लिक पॉलिसी के खिलाफ है। इस मामले में हाई कोर्ट में राहत मांगते हुए याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि यह सिर्फ एक सिविल विवाद नहीं बल्कि एक अपराध है। चोरी, बेईमानी और विश्वासघात से जुड़े कानून की धाराएं लगाई जानी चाहिए। इस याचिका पर संज्ञान लेते हुए हाई कोर्ट ने सीबीआई और केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर सभी संबंधित दस्तावेज कोर्ट में जमा करने का निर्देश दिया था। इसके अनुसार, बॉम्बे हाई कोर्ट में इस याचिका पर विस्तृत सुनवाई हुई। जिसमें दोनों पक्षों की दलीलें सुनी गईं और रिलायंस के पक्ष में फैसला सुनाया गया।

क्या था अडानी मामला ?

याचिका में दावा किया गया है कि सोलर पावर कॉन्ट्रैक्ट में 2,000 करोड़ रुपये की रिश्वत के बदले, संबंधित अधिकारियों का इरादा बढ़ी हुई दरों पर बिजली खरीदने और सप्लाई करने का था। इस रिश्वत से जुड़े पेमेंट इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस में रिकॉर्ड किए गए थे। इन डिवाइस को अडानी ग्रीन के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सागर अडानी ने अपने पास रखा था।
पिटीशन में यह भी दावा किया गया है कि यूएस फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) ने भी इन डिवाइस को सबूत के तौर पर जब्त करके यूएस कोर्ट में जमा किया था। आरोपी भारतीय कंपनियों के हेड हैं। इसलिए, याचिकाकर्ता ने दावा किया कि चूंकि रिश्वत भारतीय सरकारी एजेंसियों और बिजली डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों के साथ कॉन्ट्रैक्ट से जुड़ी थी, इसलिए सीबीआई से इस मामले में कानूनी कार्रवाई करने की उम्मीद थी। दोनों पक्षों की दलीलें सुनी गईं और अडानी के पक्ष में फैसला सुनाया गया।

आईएएस के फार्महाउस पर जुआ पकड़ने वाले टीआई सस्पेंड, मामला पहुँचा हाईकोर्ट

कोर्ट में टीआई का खुलासा : सच लिखने की सजा मिली, एफआईआर में नाम बदलने का था भारी दबाव

इंदौर (ईएमएस)। इंदौर के मानपुर में आईएएस वंदना वैद्य के फार्महाउस पर हुई जुआकांड की कार्रवाई अब कानूनी और प्रशासनिक गलियारों में चर्चा का केंद्र बन गई है। इस मामले में सस्पेंड किए गए थाना प्रभारी (टीआई) लोकेंद्र सिंह हिहोरे ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की शरण ली है। टीआई ने अपनी याचिका में सनसनीखेज आरोप लगाया है कि उन्हें नियम सम्मत कार्रवाई करने की सजा दी गई है। हिहोरे का दावा है कि उन पर एफआईआर में घटनास्थल का नाम बदलने और वास्तविक तथ्यों को छिपाने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भारी दबाव बनाया गया था, जिसे मानने से इनकार करने पर उन्हें निलंबित कर दिया गया।

हाईकोर्ट ने शासन से मांगा जवाब

गुरुवार को हुई सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रमुख सचिव (गृह), डीजीपी, आईजी और एसपी ग्रामीण सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को पक्षकार बनाया है। न्यायालय ने इन सभी से पूरे घटनाक्रम पर विस्तृत जवाब तलब किया है। याचिकाकर्ता के अनुसार, उनके विरुद्ध की गई निलंबन की कार्रवाई पूरी तरह से वरिष्ठों के प्रभाव में आकर की गई है, जो प्रशासनिक शक्तियों के दुरुपयोग का सीधा उदाहरण है। मामले की अगली सुनवाई अब 1 अप्रैल को निर्धारित की गई है।

अनजान थे आईएएस की संपत्ति से, दबिश के बाद शुरू हुआ दबाव

लोकेंद्र सिंह हिहोरे ने याचिका में स्पष्ट किया कि 10 और 11 मार्च की दरमियानी रात जब उन्होंने मानपुर स्थित फार्महाउस पर दबिश दी थी, तब उन्हें यह जानकारी नहीं थी कि यह संपत्ति आईएएस वंदना वैद्य की है। जैसे ही यह तथ्य उजागर हुआ, उनके पास फोन कॉल्स और संदेशों के जरिए दबाव बनाने का सिलसिला शुरू हो गया। टीआई ने एएसआई रेशम गिरवाल के निलंबन पर भी सवाल उठाए हैं, जो उस समय बीमारी की छुट्टी पर थीं। एसपी यांगचेन डोलकर भूटिया द्वारा की गई इस कार्रवाई के खिलाफ अब पहली बार किसी पुलिस अधिकारी ने विभाग के भीतर के सिस्टम को चुनौती दी है।

एक अप्रैल को होगी निर्णायक सुनवाई

टीआई हिहोरे की वकील मिनी रवीन्द्रन ने बताया कि प्रकरण वर्तमान में माननीय न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मामला कोर्ट में होने के कारण सुनवाई से पहले विस्तृत टिप्पणी करना उचित नहीं होगा, लेकिन 1 अप्रैल की सुनवाई इस पूरे जुआकांड और पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली के लिए बेहद निर्णायक साबित हो सकती है।

हमले का बदला लेने पत्नि के साथ पहुचें बदमाश ने घर पर चलाई गोलियां

भोपाल(ईएमएस)। राजधानी के ऐशबाग थाना इलाके में शुक्रवार सुबह बदमाश पति ने पुरानी रजिंश के चलते अपनी पत्नी के साथ पहुचंकर एक घर पर फायरिंग कर दी। गोलीकांड की घटना के बाद आरोपी पति-पत्नी फरार हो गए। पुलिस ने केस दर्ज कर उनकी तलाश कर रही है। थाना पुलिस के मुताबिक ऐशबाद इलाके में स्थित कम्मू का बाग में रहने वाली रेहाना बेगम (50) ने अपनी शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि उनका बड़ा बेटा तारिक अपने परिवार के साथ करोंद में रहने वाले एक रिश्तेदार के घर गया हुआ था। उसी समय दानिश अली और उसकी पत्नी रिमशा उनके घर के बाहर पहुंचे और दोनों पति-पत्नी उसके छोटे बेटे गुराज को गालियां देते हुए मारने की धमकी देने लगे। इस दौरान आरोपी दानिश हाथ में पिस्टल लिए हुए था, हंगामे की आवाजे सुनकर जब आसपास के लोग वहॉ जमा हुए तब रेहाना ने जाली वाले दरवाजे से बाहर झांका। उन्हें देखते ही आरोपी ने उन पर फायर कर दी। हालांकि गनीमत रही की गोली उन्हें नहीं लगी और लोहे के गेट से टकरा गई। आरोपी ने दो और राउंड फायर किए इसके बाद दोनो धमकाते हुए फरार हो गये। बताया गया है की बीते साल के आखिर महीने में ठेकेदारी का काम करने वाला स्टेशन बजरिया निवासी दानिश अली (28) अपने परिवार के साथ शादी से लौट रहा था। इसी दौरान ईंटखेड़ी चौराहे के पास बदमाशों ने उनकी कार का पीछा किया और रास्ता रोककर हमला कर दिया।
बदमाशों ने दानिश के हाथ और पैर में चार गोलियां मारीं, वहीं बीच-बचाव करने पर उसकी पत्नी रिमशा और बहन पर चाकू से हमला किया गया। उस पर चार राउंड फायरिंग की गई हमले में उसके साथ ही उसकी पत्नी और बहन भी घायल हुई थी। उस मामले के मुख्य आरोपी फिलहाल जेल में हैं, लेकिन गुराज नामक आरोपी अभी भी फरार है।

जन्म-मृत्यु पंजीयन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने हेतु राज्य स्तरीय बैठक संपन्न

रायपुर (ईएमएस)। मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर में योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी तथा बीस सूत्रीय कार्यक्रम कार्यान्वयन विभाग द्वारा जन्म-मृत्यु पंजीयन कार्य की समीक्षा हेतु राज्य स्तरीय अंतर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विभागीय सचिव भुवनेश यादव ने की। बैठक में भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण की उप महानिदेशक श्रीमती पी. संगीता, संयुक्त महारजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु) एवं जनगणना निदेशक, छत्तीसगढ़ कार्तिकेय गोयल सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। सचिव भुवनेश यादव ने निर्देशित किया कि राज्य में प्रत्येक जन्म एवं मृत्यु का शत-प्रतिशत एवं समयबद्ध पंजीयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सटीक एवं अद्यतन आंकड़े उपलब्ध हो सकें। आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय की संचालक श्रीमती रोक्तिमा यादव ने जन्म एवं मृत्यु पंजीयन की वर्तमान स्थिति एवं प्रगति पर विस्तृत प्रस्तुति दी। बैठक में पंजीयन व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। समीक्षा के दौरान वर्ष 2025 में जन्म पंजीयन का सकल पंजीयन दर 108.4 प्रतिशत एवं शुद्ध दर 71.7 प्रतिशत तथा मृत्यु पंजीयन का सकल दर 102.6 प्रतिशत एवं शुद्ध दर 92.5 प्रतिशत दर्ज किया गया। कम प्रगति वाले जिलों में विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए।

बदमाशों ने बाप के साथ ही 6 साल की मासूम बेटी पर किया तलवार से हमला

भोपाल(ईएमएस)। पुराने शहर के शाहजहानाबाद थाना इलाके में धारदार हथियारो से लैस बदमाशों ने बाप-बेटी पर तलवार से हमला कर दिया। आरोपियो के हमले में पिता के साथ मौजूद 6 साल की मासूम बेटी के सिर में गहरा घाव हो गया। उसे इलाज के लिये अस्पताल पहुंचाया गया जहॉ उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। बदमाशो की करतूत सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। इसके सीसीटीवी फुटेज गुरुवार देर रात सामने आए हैं। सोशल मीडिया में वायरल वीडियो और सीसीटीवी फुटेज में हथियारों से लैस बदमाश उत्पात मचाते नजर आ रहे हैं। घटना में मिली जानकारी के अनुसार इंद्र विहार कॉलोनी एयरपोर्ट रोड की रहने वाले फैजान अहमद पोस्ट ऑफिस में कार्यरत हैं। उनकी छह साल की बेटी मिरल अहमद निजी स्कूल में किंडरगार्टन की छात्रा है। पिता फैजान के अनुसार, उनकी पत्नी बच्चों के साथ शाहजहानाबाद स्थित नूर महल अपने मायके आई थीं। बुधवार देर रात वे पत्नी और दोनों बच्चों को लेकर बाइक से घर लौट रहे थे। इस दौरान शब्द प्रिंटिंग प्रेस के पास पहले से करीब 70-80 लोग आपस में विवाद कर रहे थे। गली काफी तंग होने के कारण फैजान ने वाहन मोड़ने की कोशिश की, इसी बीच झगड़ा बढ़ गया और मारपीट शुरू हो गई।
आपसी मारपीट के बीच ही धारदार हथियार से किया गया वार उनकी बेटी मिरल के सिर में लगा, जिससे उसे गहरी चोट आई। फैजान किसी तरह घायल बेटी को लेकर मारपीट के बीच से निकल कर मेन रोड पर पहुंचे और पास के एक निजी अस्पताल में उसका इलाज कराया।

गुजरात में यूसीसी-2026 से महिलाओं को मिला सशक्त कानूनी कवच

विवाह, तलाक और विरासत में समान अधिकार-हर धर्म की महिलाओं के लिए एक समान कानून

गांधीनगर (ईएमएस)| वित्तीय वर्ष के अंतिम महीने (मार्च) में जब लोग पूरे वर्ष का लेखा-जोखा करने में व्यस्त थे, तब मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात समान नागरिक संहिता विधेयक-2026 विधानसभा में प्रस्तुत कर महिलाओं का पुराना ऋण चुकाया, महिलाओं के जीवन से असमानता को दूर किया और समानता का हिसाब पूरा कर दिया। यह विधेयक पारित कर सरकार ने नारियों के सम्मान को झंकृत करने वाले एक संस्कृत श्लोक का स्मरण कराया।

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः।
यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफलाः क्रियाः॥

अर्थात् जहाँ नारियों का सम्मान होता है, वहाँ देवता वास करते हैं और जहाँ नारियों का सम्मान नहीं होता है, वहाँ सभी कार्य विफल जाते हैं।
गुजरात समान नागरिक संहिता विधेयक-2026 पारित कर गुजरात सरकार ने इस श्लोक को चरितार्थ किया और कानूनी संरक्षण देकर नारियों का अभूतपूर्व सम्मान किया है। गुजरात विधानसभा में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात समान नागरिक संहिता विधेयक-2026 पारित कर राज्य की महिलाओं को अभेद्य सुरक्षा कवच प्रदान किया है और इस बात की प्रतीति कराई है कि महिलाओं के जीवन के सभी चरणों में यह सरकार उनके अधिकारों एवं गरिमा की रक्षा करती है तथा यह सरकार किसी भी जाति या धर्म के भेदभाव के बिना सभी महिलाओं को कानूनी संरक्षण देने को कटिबद्ध है।
यह विधेयक प्रस्तुत करते समय मुख्यमंत्री ने गुजरात विधानसभा में

गर्व से कहा, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सरदार साहब के एक एवं अखंड भारत के सपने को साकार करने के लिए 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का विचार दिया है, वह विचार ही समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का मूल है। यदि देश में समान कानून, विकास के समान अवसर न हों, तो यह 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' बन ही नहीं सकता। अब विकसित भारत-2047 तक के इस अमृतकाल में देश को समानता का अमृत यूसीसी से देने का प्रधानमंत्री ने संकल्प किया है।"
इस विधेयक में विवाह, तलाक तथा विरासती (पैतृक) संपत्ति जैसे मुद्दों पर सभी धर्मों एवं समुदायों के लिए, किसी के साथ कोई भी अन्याय न हो; इसे ध्यान में रखकर एक समान कानूनी ढाँचा सुझाया गया है। मुख्यमंत्री ने बलपूर्वक कहा था, "यह केवल एक कानूनी प्रक्रिया नहीं है; बल्कि समानता, न्याय एवं एकता के राष्ट्रीय संकल्प को प्रधानमंत्री के नेतृत्व में अधिक मजबूत बनाने का हमारा संकल्प है।"
इस विधेयक के जरिये विवाह का अनिवार्य पंजीकरण, लिव-इन रिलेशनशिप का पंजीकरण, तलाक के लिए समान नियम, पुत्र या पुत्री; सभी को समान विरासती अधिकार के प्रावधान और इन प्रावधानों के पालन के लिए दंड के प्रावधान के साथ इसके कड़े क्रियान्वयन आदि इस विधेयक के महत्वपूर्ण प्रावधान हैं। हर धर्म तथा परंपरा के अनुसार हुए विवाह का पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा और पंजीकरण न कराने पर दंड का प्रावधान रहेगा।
महत्वपूर्ण बात यह है कि विश्व के अन्य लोकतांत्रिक देशों में इस प्रकार के कानून लागू हैं। उनका अध्ययन करके इस विधेयक के लिए व्यापक दृष्टिकोण अपनाया गया है। इस कानून से किसी धार्मिक विधि तथा परंपरा में हस्तक्षेप नहीं किया जाएगा, बल्कि समान नागरिक संहिता केवल कानूनी पहलुओं को नियमित करती
गुजरात समान नागरिक संहिता-2026 की महत्वपूर्ण बातें
संविधान की धारा 44 के अनुसार राज्य के लिए सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लाने का प्रयास करने का जो प्रावधान है, उसके अनुसंधान में गुजरात समान नागरिक संहिता विधेयक-2026 लाया गया।

‘लीन मैन्युफैक्चरिंग एवं 5एस क्यूसी’ पर विशेष जागरूकता सत्र का आयोजन

बोकारो । बोकारो इस्पात संयंत्र के बिजनेस एक्सीलेंस विभाग द्वारा मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के कॉन्फ्रेंस हॉल संख्या-4 में ‘लीन मैन्युफैक्चरिंग एवं नई टीमों के गठन हेतु प्रेरणा तथा 5एस/क्यूसी एवं संबद्ध अवधारणाओं पर जागरूकता’ विषय पर एक विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में संकार्य, नगर सेवाएँ, ज्ञानार्जन एवं विकास तथा बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) के लगभग 30 सदस्यों ने भाग लिया।कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन मुख्य महाप्रबंधक (बिजनेस एक्सीलेंस) श्री मनीष जलोटा एवं महाप्रबंधक (बिजनेस एक्सीलेंस) श्रीमती अनुपमा तिवारी द्वारा किया गया। अपने संबोधन में मुख्य महाप्रबंधक (बिजनेस एक्सीलेंस) श्री मनीष जलोटा ने ‘5एस’ (5S) को लीन मैन्युफैक्चरिंग की आधारशिला बताते हुए प्रकाश डाला कि इसके प्रभावी क्रियान्वयन से न केवल परिचालन लागत में कमी आती है, बल्कि यह ‘लीड टाइम’ को कम करने में भी अत्यंत सहायक सिद्ध होता है। उन्होंने आगे कहा कि दैनिक जीवन में गुणवत्ता नियंत्रण (क्यूसी) के सिद्धांतों को अपनाने से कार्यक्षमता और समस्या-समाधान की क्षमता में सुधार होता है, जिससे प्रक्रियाओं की समग्र गुणवत्ता में निखार आता है। महाप्रबंधक (बिजनेस एक्सीलेंस) श्रीमती अनुपमा तिवारी ने भी प्रतिभागियों को नवाचार और टीम-गठन की दिशा में प्रोत्साहित किया। इस संपूर्ण प्रशिक्षण सत्र का संचालन वरीय प्रबंधक (बिजनेस एक्सीलेंस) सुश्री सागरिका साहू द्वारा किया गया।उल्लेखनीय है कि बिजनेस एक्सीलेंस विभाग द्वारा इस वर्ष आयोजित यह इस श्रृंखला का चौथा प्रशिक्षण सत्र है। इससे पूर्व आयोजित सत्रों में क्वालिटी सर्कल की अवधारणा, सांख्यिकीय पद्धतियों, व्यवस्थित प्रक्रिया विश्लेषण और कार्यक्षेत्र में समस्याओं की पहचान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई थी। इस वर्ष अब तक 150 से अधिक प्रतिभागी इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से लाभान्वित हो चुके हैं।बिजनेस एक्सीलेंस विभाग की यह पहल बोकारो इस्पात संयंत्र में परिचालन उत्कृष्टता और निरंतर सुधार की संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों से न केवल कार्मिकों की कार्यकुशलता विकसित होती है, बल्कि यह संयंत्र की उत्पादकता बढ़ाने, परिचालन लागत को कम करने और गुणवत्ता मानकों को सुदृढ़ करने के व्यापक लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी सहायक सिद्ध होते हैं। यह आयोजन भविष्य की औद्योगिक चुनौतियों के प्रति कार्मिकों को सजग बनाने और संगठन के समग्र विकास के प्रति बीएसएल की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

जिला योजना कार्यकारिणी समिति की तृतीय बैठक संपन्न

पाकुड़ः जिला योजना कार्यकारिणी समिति की तृतीय बैठक शुक्रवार को डीसी मनीष कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जिला योजना अनाबद्ध निधि योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में उपलब्ध आवंटन से लगभग 282.594 लाख की योजनाओं पर घटनोत्तर स्वीकृति प्रदान की गई। साथ ही विभिन्न नई योजनाओं को भी अनुमोदन दिया गया। बैठक के दौरान डीसी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि पूर्व से संचालित सभी लंबित योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर यथाशीघ्र पूर्ण किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जो योजनाएँ भौतिक रूप से पूर्ण हो चुकी हैं, उनके भुगतान के लिए आवश्यक राशि की अधियाचना समय पर सुनिश्चित की जाए। डीसी ने अधिकारियों को नियमित रूप से क्षेत्र भ्रमण कर योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करने तथा कार्यों को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण कराने के निर्देश दिए।उन्होंने गुणवत्तापूर्ण कार्य एवं पारदर्शिता बनाए रखने पर भी विशेष जोर दिया। बैठक में परियोजना निदेशक, आईटीडीए, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

पुराना बाजार चैंबर ऑफ कॉमर्स के मंच पर दिखा कौमी एकता व आपसी भाईचारे का मिशाल

धनबाद, राम नवमी के पावन अवसर पर पुराना बाज़ार में दर्जन भर अखाड़ा दलों ने अपने करतब खेल कौशल का प्रदर्शन किया। चैंबर ऑफ कॉमर्स पुराना बाज़ार द्वारा पुराना बाज़ार रेलवे फाटक के पास भव्य सेवा मंच का निर्माण किया गया था। चैंबर के पदाधिकारियों ने अखाड़ा दलों का स्वागत करते नजर आए और चैंबर की ओर से लाइट की पूरी व्यवस्था की गई थी । साथ ही श्रद्धालुओं के लिए पेय जल और शरबत की व्यवस्था चैंबर के द्वारा की गई थी। पाटलिपुत्र सुपर स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल जोड़ाफाटक की ओर से फर्स्ट एड और एबुलेंस की व्यवस्था की गई थी। चारो ओर जय श्री राम के जयकारों से पुराना बाज़ार गूंज उठा। चैंबर ऑफ कॉमर्स पुराना बाज़ार के प्रवक्ता विजय सैनी ने बताया के बिना आग,पटाका और ट्यूब लाइट के खेल को प्रोत्साहन देने के लिए अनुशासित खेल करतब दिखाने वाले अखाड़ा दलों को चैंबर द्वारा पुरुस्कृत किया गया है। जिसमेप्रथम पुरस्कार, शंभू दल, कुम्हारपटी, द्वितीय पुरस्कार, श्री प्रताप दल,पुराना स्टेशन, तृतीय पुरस्कार, श्री एकलव्य दल,पुराना स्टेशन को प्रदान किया।अनुशासन सम्मान श्री वीर बर्बरीक शक्ति दल,रतनजी रोड, अखाड़ों को बैंक मोड़ थाना प्रभारी असित सिंह और धनसार थाना के द्वारा दिया गया । चैंबर ऑफ कॉमर्स पुराना बाज़ार के मंच पर धनबाद उपायुक्त आदित्य रंजन,धनबाद वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार,धनबाद महापौर संजीव सिंह,धनबाद विधायक राज सिन्हा,जिला चैंबर के पूर्व अध्यक्ष राजेश गुप्ता,पाटलिपुत्र सुपर का स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल के एमडी डॉ० निर्मल ड्रोलिया, डॉ, निखिल ड्रोलिया,डॉक्टर सतीश चन्द्र,डॉक्टर राकेश कुमार,विनोद कुमार गुप्ता,समाजसेवी दिलीप सिंह,सरदार सोनी सिंह,वंशराज सिंह कुशवाहा,सरदार अमरजीत सिंह,वार्ड नंबर 32 पार्षद रश्मि राज,वार्ड 31 से समाजसेवी सपन कश्यप,राजेश रिटोलिया,ललित काटेसरिया, प्रभात सिरोलिया,भिखुराम अग्रवाल,प्रदीप नारनौली,रामभगत अग्रवाल,प्रदीप अग्रवाल,राज कुमार गुप्ता,श्यामा कांत गुप्ता,इबरार मल्लिक सहित शहर के दर्जनों गण्यमान्य लोग मौजूद थे ।चैंबर ऑफ कॉमर्स पुराना बाज़ार के अध्यक्ष सोहराब खान और महासचिव पवन सोनी ने कहा की हिंदुस्तान अलग अलग धर्म और मजहब के मानने वालों का खूबसूरत देश है । हमारा धनबाद पूरे देश में आपसी भाईचारा प्रेम शांति को मजबूती देना वाला शहर है । सोहराब एवं पवन ने कहा की हमारा संगठन चैंबर ऑफ कॉमर्स पुराना बाज़ार अपनी सामाजिक दायित्वों का निर्वाह करने के लिए जाना जाता है । शांति पूर्ण ढंग से राम नवमी के अखाड़ों को संपन्न करवाने के लिए बैंक मोड़ पुलिस,बैंक मोड़ थाना प्रभारी असित सिंह एवं धनसार थाना प्रभारी को उत्कृष्ट सेवा सम्मान से चैंबर ऑफ कॉमर्स पुराना बाज़ार द्वारा नवाजा गया। मंच पर मौजूद अतिथियों में धनबाद उपायुक्त, आदित्य रंजन,वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ,डीएसपी विधि व्यवस्था, नौशाद आलम और बैंक मोड़ थाना प्रभारी, असित सिंह ने चैंबर ऑफ कॉमर्स पुराना के सदस्यों की जम कर तारीफ की और चैंबर के कार्यों को आपसी भाईचारा को मजबूत करने वाला बताया। मौके पर चैंबर ऑफ कॉमर्स पुराना बाज़ार के सोहराब खान,पवन सोनी,विजय सैनी,संजय पाण्डेय,नितिन अग्रवाल,गोपाल प्रसाद,इमरान अली,सलाउद्दीन महाजन,परवेज खान, सुरेन्द्र साव,प्रदीप नारनोली,अमरजीत सिंह,सुमित मोदी,दिनेश कुमार,रफीक आलम,गोपाल प्रसाद,दीपक सिंह,सरदार नारायण सिंह,दीपक सिंह सहित चैंबर के अनेक पदाधिकारी मौजूद थे ।

डीसी और एसपी ने जिला क्रिकेट संघ कार्यालय का किया उद्घाटन

पाकुड़ः पाकुड़ जिले में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत शुक्रवार को पाकुड़ जिला क्रिकेट संघ कार्यालय का उद्घाटन डीसी मनीष कुमार एवं एसपी निधि द्विवेदी के कर-कमलों द्वारा किया गया। यह पहल जिले की खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने तथा क्रिकेट के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी।

इस अवसर पर डीसी ने कहा कि जिला क्रिकेट एसोसिएशन को एक स्थायी कार्यालय मिलने से खिलाड़ियों, कोचों एवं पदाधिकारियों को एक सशक्त एवं संगठित मंच प्राप्त हुआ है, जहां वे अपने विचार, सुझाव एवं योजनाओं को प्रभावी ढंग से साझा कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी खेल के विकास के लिए मजबूत संगठनात्मक संरचना अत्यंत आवश्यक होती है और यह कार्यालय उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। डीसी ने कहा कि जिला प्रशासन खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी, प्रबुद्ध नागरिकों एवं समाज के विभिन्न वर्गों के सहयोग से खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, संसाधन एवं अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वे बच्चों को सही दिशा दें तथा उन्हें खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें, ताकि वे भविष्य में जिले एवं राज्य का नाम रोशन कर सकें।

वही इस मौके पर एसपी निधि द्विवेदी ने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं के समग्र विकास में खेल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। खेल न केवल शारीरिक क्षमता को बढ़ाता है, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास एवं सकारात्मक सोच को भी विकसित करता है। उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों पर अनावश्यक दबाव न डालें, बल्कि उन्हें खुलकर खेलने का अवसर प्रदान करें और उनकी प्रतिभा को निखारने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि आज के समय में खेल एक सशक्त करियर विकल्प के रूप में उभर चुका है, जिससे युवाओं को नाम, सम्मान एवं उज्ज्वल भविष्य प्राप्त हो सकता है। एसपी ने कहा कि नवनिर्मित कार्यालय से क्रिकेट संघ को नई मजबूती मिलेगी तथा इसके माध्यम से जिले के खिलाड़ियों को बेहतर अवसर प्राप्त होंगे। इससे निश्चित रूप से पाकुड़ के खिलाड़ी राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकेंगे। पाकुड़ जिला क्रिकेट एसोसिएशन को बधाई देते हुए खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर जिला क्रीड़ा पदाधिकारी राहुल कुमार, जिला क्रिकेट संघ के सचिव प्रणय तिवारी, कोच रानु सिंह, खिलाड़ी, खेल प्रेमी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

पूर्वी टुंडी हिंदू मुस्लिम एकता मंच द्वारा रामपुर मोड़ के रामनवमी कार्यक्रम में शामिल हुई डिंपल चौबे

धनबाद : पूर्वी टुंडी हिंदू मुस्लिम एकता मंच द्वारा आयोजित श्री श्री रामनवमी सम्मान समिति के धार्मिक कार्यक्रम में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के धनबाद महिला अध्यक्ष डिंपल चौबे, टुंडी सीओ सुरेश प्रसाद बरनवाल, थाना प्रभारी नितिन कुमार विधि विभाग डीएसपी, बजरंगी अखाड़ा अध्यक्ष मनीष राय सचिव दिनेश राय, श्री जय अखाड़ा अध्यक्ष सुरेंद्र राय सुनील राय पिंटू राय सुनील भंडारी, सीबीआई प्रदेश प्रभारी जाहिद हुसैन, गुड्डू अंसारी की मुख्य रूप में शामिल आगमन पर समिति के सदस्यों और क्षेत्रवासियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं के साथ प्रभु श्रीराम का जयकारा लगाया और सभी को रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएँ दी साथ ही प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किया डिंपल चौबे ने भगवान श्रीराम से क्षेत्रवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की। कार्यक्रम के दौरान पूरे क्षेत्र में भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालु कार्यक्रम में शामिल हुए और प्रभु श्रीराम के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो गया। आयोजन समिति के सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई डिंपल चौबे ने क्षेत्र वासियों को आभार व्यक्त करते हुए कहा आज हिंदू मुस्लिम एकता द्वारा जो एकता और एकजुट का परिचय क्षेत्र वासियों ने दिखाया है इसकी जितनी तारीफ की जाए कम है देश को समाज को यहां के क्षेत्र वासियों ने एक मिसाल देने का कार्य किया है ।

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान करवाता है ईश्वर का साक्षात् दर्शन : डॉ० सर्वेश्वर

जो ईश्वर-दर्शन तत्क्षण घट में करवाए, वहीं है सच्चा गुरु : डॉ० सर्वेश्वर

आर एन चौरसिया

रांची, धनबाद। शिव महापुराण कथा के षष्ठम दिवस तारकासुर वध गाथा का किया व्याख्यान, हरमू मैदान, राँची में चल रहे सात दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा के षष्ठम दिवस दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के संस्थापक व संचालक दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज के शिष्य कथाव्यास डॉ० सर्वेश्वर जी ने तारकासुर वध की गाथा को भक्तों के समक्ष प्रस्तुत किया। उन्होंने कथा के दौरान बताया कि तारकासुर ने घोर तपस्या कर ये वरदान प्राप्त किया कि उसकी मृत्यु केवल शिवपुत्र के हाथों ही हो। तारकासुर ने सोचा कि शिव तो वैरागी हैं, सो वह तो विवाह नहीं करवाएंगे और न ही उनका कोई पुत्र होगा। यह सोच उसने खुद को अमर मान कर सब प्राणियों पर अत्याचार आरम्भ कर दिया । लेकिन शिव-पार्वती विवाह के उपरांत उनके यहाँ कुमार कार्तिकेय का जन्म हुआ। देवताओं ने कुमार को देवसेना का सेनापति घोषित कर तारकासुर पर चढ़ाई कर दी। कुमार कार्तिकेय ने बड़ी वीरता से तारकासुर का अंत कर उसके भय व आतंक के साम्राज्य को धराशायी कर दिया। कथा का मर्म समझाते हुए स्वामी जी ने बताया कि तारकासुर का शाब्दिक अर्थ है तारने वाला असुर। ये तारकासुर प्रतिनिधित्व करता है उन तथाकथित धर्मगुरुओं का, जो समाज को तारने के उपदेश तो देता हैं, और लेकिन न तो उन्होंने स्वयं ईश्वर का दर्शन किया है और न ही अपनी शरण में आए जिज्ञासुओं को ईश्वर दर्शन करवाने का सामर्थ्य रखते हैं। उल्टा लोगों को अपने शब्दजाल में फँसा कर और भी भ्रमित कर देते हैं। ऐसे में, आज ज़रूरत है हमें भी पूर्ण गुरु की पहचान को प्राप्त करने की। पूर्ण गुरु वहीं होते हैं जो दीक्षा देते समय मस्तक पर हाथ रख तत्क्षण ही ईश्वर का दर्शन घट में करवा देते हैं। वो कोई मन्त्र, माला, नाम आदि नहीं देते अपितु ईश्वर के प्रकाश रूप को अंदर प्रकट कर देते हैं। ईश्वर दर्शन की इसी सनातन विद्या को शास्त्रों में ब्रह्मज्ञान कह कर संबोधित किया गया है। इसलिए हम भी ऐसे सद्गुरु की खोज करें जो हमें ब्रह्मज्ञान प्रदान करने का सामर्थ्य रखते हों, अगर कहीं न मिलें तो दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान में ईश्वर का तत्क्षण प्रत्यक्ष दर्शन करवाया जाता है। ईश्वर दर्शन के सच्चे जिज्ञासुओं का संस्थान स्वागत करता है। मौके पर दीप प्रकाश, सांसद राज्य सभा सह पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सचेतक एवं डॉ० आदर्श कुमार, चार्टड इंजीनियर, रांची,आदि मौजूद थे ।

पत्नी को बचाने कुएं में कूदा पति, दोनों की मौत

दो मासूम बच्चों के सिर से उठा मां-बाप का साया

गिरिडीह : गांडेय थाना क्षेत्र के गोविन्दपुरा गांव से एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां एक ही परिवार की खुशियां पलभर में उजड़ गईं। जानकारी के अनुसार, पार्वती देवी कुएं से पानी निकालने के दौरान अचानक फिसलकर कुएं में गिर गईं। पत्नी को बचाने के लिए उनके पति राजेंद्र मुर्मू बिना देर किए कुएं में कूद पड़े। लेकिन दुर्भाग्यवश दोनों ही गहरे पानी में डूब गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। इस हादसे के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। दंपति के दो मासूम बच्चे 6 वर्षीय रसीका मुर्मू और 4 वर्षीय अंशु मुर्मू के सिर से मां-बाप का साया उठ गया। अब बच्चों का पालन-पोषण उनके दादा मखनलाला मुर्मू और दादी करेंगी। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। परिजनों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से आर्थिक सहायता की गुहार लगाई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

भक्ति और शक्ति का संगमः केतार के मां चतुर्भुजी धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब

गढ़वा(ईएमएस)। गढ़वा जिला अंतर्गत केतार प्रखंड स्थित अति प्राचीन मां चतुर्भुजी मंदिर रामनवमी के पावन अवसर पर भक्ति के रंग में सराबोर रहा। सुबह की पहली किरण के साथ ही मंदिर के कपाट खुलते ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गयी।जय माता दी और जय श्री राम के उद्घोष से पूरा केतार क्षेत्र गुंजायमान हो उठा।रामनवमी के विशेष पूजनोत्सव में क्षेत्रीय विधायक अनंत प्रताप देव ने भी मां के दरबार में हाजिरी लगाई और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।उनके साथ भारी संख्या में स्थानीय गणमान्य और दूर-दराज से आए श्रद्धालु उपस्थित थे।मां चतुर्भुजी मंदिर केवल स्थानीय लोगों की श्रद्धा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के भक्तों के लिए एक प्रमुख शक्तिपीठ बन चुका है। चैत्र नवरात्र के दौरान यहां का माहौल किसी कुंभ से कम नहीं होता।इस धार्मिक स्थल का चमत्कारी इतिहास रहा हैं।स्थानीय जनश्रुतियों के अनुसार, इस मंदिर का इतिहास लगभग 300 वर्ष पुराना है। कहा जाता है कि सोनपुरवा स्टेट के राजा और जगजीवन बैगा को स्वप्न आने के बाद भैंसहट घाटी में खुदाई कराई गई, जहाँ से मां की दिव्य मूर्ति प्राप्त हुई।मूर्ति को हाथी पर चढ़ाकर ले जाया जा रहा था, लेकिन वर्तमान मंदिर स्थल के पास एक केंदु वृक्ष के नीचे हाथी रुक गया।इसे ईश्वरीय संकेत मानकर वहीं मूर्ति स्थापित कर दी गई, जो आज एक भव्य धाम का रूप ले चुका है।मंदिर की भव्यता देखते ही बनती है।मुख्य गर्भगृह में मां काली के साथ-साथ मां लक्ष्मी, सरस्वती, दुर्गा और गणेश जी की प्रतिमाएं विराजमान हैं. मां की मुख्य प्रतिमा को 61 किलोग्राम चांदी से निर्मित श्रीयंत्र के आसन पर विराजमान किया गया है और ऊपर चांदी का भव्य छत्र सुशोभित है।रामनवमी के अवसर पर मंदिर परिसर में विशाल मेले का दृश्य है।बच्चों के लिए झूले, श्रृंगार सामग्री और प्रसाद की दुकानों से रौनक बढ़ गई है।भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं।हवन, विशेष आरती और विशाल भंडारे का आयोजन।बताया जाता हैं इस स्थान से श्रद्धालुओं का अटूट विश्वास है कि मां चतुर्भुजी के दरबार से कोई खाली हाथ नहीं की लौटता। रामनवमी पर भक्तों का यह हुजूम इसी अटूट आस्था की तस्दीक कर रहा है।

बीएसएल इंटर-डिपार्टमेंटल क्रिकेट चैंपियनशिप में आयरन जोन-1 की टीम ने जीता खिताब

बोकारो । बोकारो इस्पात संयंत्र इंटर-डिपार्टमेंटल क्रिकेट चैम्पियनशिप-2026 का फाइनल मैच दिनांक 27 मार्च 2026 को बीएसएल क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। फाइनल मुकाबला बीएसएल आयरन जोन-1 और मिल-1 के बीच खेला गया। इस रोमांचक मैच में आयरन जोन-1 की टीम ने मिल-1 की टीम को पराजित कर खिताब अपने नाम किया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी उपस्थित रहीं। उनके साथ मुख्य महाप्रबंधक (नगर प्रशासन) श्री कुंदन कुमार, महाप्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) श्री सी.आर.के. सुधांशु, महाप्रबंधक (सीईडी) श्री ए.के. अविनाश सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।मुख्य अतिथि सुश्री बनर्जी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया तथा अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताएँ कर्मचारियों के बीच टीम भावना, आपसी सहयोग और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करती हैं। उन्होंने बताया कि जिस प्रकार खेल के मैदान में सामूहिक प्रयास सफलता की कुंजी है, उसी प्रकार इस्पात उत्पादन में विभिन्न विभागों के बीच समन्वित कार्य अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी से सुरक्षित कार्य-संस्कृति को अपनाने तथा पारस्परिक सहयोग को और सुदृढ़ करने का आह्वान किया। अंत में उन्होंने प्रतिभागियों को बधाई देते हुए पुरस्कृत किया।उल्लेखनीय है कि इस प्रतियोगिता में कुल 16 टीमों ने भाग लिया तथा पूरे टूर्नामेंट के दौरान 59 मैच खेले गए। खेले गए फाइनल मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए मिल-1 की टीम ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 121 रन बनाए। चंद्र भान झा ने सर्वाधिक 35 रन बनाए, जबकि दीपक कुमार ने 23 रन और नितेश कुमार सिंह ने 19 रन का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए आयरन जोन-1 ने 18.3 ओवर में 6 विकेट खोकर 122 रन बनाते हुए मैच अपने नाम कर लिया। मार्शल सोरेन ने 38 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली, जबकि रवि शंकर ने 22 रन और कुंदन कुमार ने 21 रन बनाकर टीम की जीत में अहम योगदान दिया। फाइनल मैच में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए आयरन जोन-1 के रवि शंकर को “मैन ऑफ द मैच” घोषित किया गया। वहीं मिल-2 के पवन कुमार को पूरे टूर्नामेंट में 190 रन बनाने और 15 विकेट लेने के लिए “मैन ऑफ द सीरीज” चुना गया।यह चैम्पियनशिप कर्मचारियों के बीच टीम भावना, आपसी सहयोग और शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देने के साथ-साथ संगठन में सकारात्मक एवं ऊर्जावान कार्य वातावरण स्थापित करने में सहायक है।

संक्षिप्त खबरें

दरभंगा एम्स के लिए अतिरिक्त 700 करोड़ की राशि स्वीकृत करने पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने केंद्र सरकार का जताया आभार

पटना, (ईएमएस)। केंद्र सरकार के दरभंगा एम्स के लिए पूर्व में स्वीकृत 1264 करोड़ रुपये के अतिरिक्त 700 करोड़ रुपये की राशि को स्वीकृति प्रदान करने पर बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने प्रसन्नता जताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सरावगी ने बताया कि 25 मार्च 2026 को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में दरभंगा एम्स के लिए पूर्व में स्वीकृत 1264 करोड़ रुपये के अतिरिक्त 700 करोड़ रुपये की राशि को स्वीकृति प्रदान की गई है। उन्होंने इसे ऐतिहासिक एवं जनहितकारी निर्णय बताते हुए इसके लिए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा को भी धन्यवाद देते हुए आभार जताया। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से महत्वपूर्ण स्वास्थ्य परियोजना को नई गति और मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि आज लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि सरकार दरभंगा एम्स के निर्माण को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। संजय सरावगी ने कहा कि यह निर्णय बिहार, विशेषकर मिथिला क्षेत्र के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। लंबे समय से प्रतीक्षित दरभंगा एम्स के निर्माण में जो भी बाधाएँ आ रही थीं, अब वे पूरी तरह समाप्त होंगी। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त वित्तीय स्वीकृति मिलने से निर्माण कार्य में तेजी आएगी और यह प्रतिष्ठित संस्थान शीघ्र ही बनकर तैयार होगा। उन्होंने कहा कि इस राशि से दरभंगा एम्स के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा और लोगों का एक बड़ा सपना साकार होगा। श्री सरावगी ने आगे कहा कि दरभंगा एम्स के निर्माण से न केवल बिहार बल्कि पड़ोसी राज्यों के लाखों लोगों को उच्च स्तरीय एवं सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएँ प्राप्त होंगी। यह संस्थान आधुनिक चिकित्सा, शोध एवं प्रशिक्षण का एक प्रमुख केंद्र बनेगा, जिससे क्षेत्रीय स्वास्थ्य व्यवस्था में व्यापक सुधार होगा। भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा बिहार में स्वास्थ्य अवसंरचना को सुदृढ़ करने के लिए लगातार ठोस एवं प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। दरभंगा एम्स के लिए अतिरिक्त राशि की स्वीकृति इसी संकल्प का प्रमाण है कि सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मंत्र पर चलते हुए देश के हर क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। यह निर्णय न केवल विकास की नई दिशा तय करेगा, बल्कि बिहार के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव भी रखेगा। उन्होंने दरभंगा एम्स को मिली अतिरिक्त राशि के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा तथा स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय को भी धन्यवाद देते हुए आभार जताया।

अंतरराष्ट्रीय हवाई कनेक्टिविटी से बिहार रचेगा नया इतिहासः जद(यू)

पटना, (ईएमएस)। जद (यू) के प्रदेश प्रवक्ता परिमल कुमार, प्रदेश प्रवक्ता हिमराज राम एवं मीडिया पैनलिस्ट डॉ.मधुरेंदु पांडेय ने जारी बयान में कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुवाई में बिहार अब विकास के एक नए अध्याय की ओर तेजी से बढ़ रहा है। राज्य के लिए यह अत्यंत हर्ष और गर्व का विषय है कि बिहार जल्द ही अंतरराष्ट्रीय एयर कनेक्टिविटी के मानचित्र पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराने जा रहा है। बहुत जल्द पटना और गया जी से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का संचालन शुरू होने जा रहा है, जो बिहार की प्रगति, बढ़ती संभावनाओं और बदलती पहचान का स्पष्ट प्रमाण है। पटना से काठमांडू के लिए अंतरराष्ट्रीय उड़ान सेवा शुरू होने जा रही है, वहीं गया जी से सिंगापुर, बैंकॉक, कोलंबो, काठमांडू और शारजाह के लिए उड़ानों की उपलब्धता बिहार को वैश्विक संपर्क से जोड़ने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। यह केवल हवाई सेवा का विस्तार नहीं, बल्कि बिहार के आर्थिक, धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन विकास को नई ऊंचाई देने वाला महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने आधारभूत संरचना, कनेक्टिविटी और जनसुविधाओं के क्षेत्र में लगातार उल्लेखनीय प्रगति की है। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की शुरुआत राज्य के युवाओं, व्यापारियों, छात्रों, पर्यटकों तथा प्रवासी बिहारियों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगी। विशेष रूप से गया जी से बौद्ध सर्किट से जुड़े देशों के लिए सीधी हवाई सेवा शुरू होना धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देगा और बिहार को वैश्विक बौद्ध पर्यटन केंद्र के रूप में और मजबूत करेगा। यह पहल बिहार की बदलती तस्वीर और सशक्त होते बुनियादी ढांचे का प्रतीक है। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की शुरुआत से न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी, बल्कि निवेश, रोजगार और पर्यटन के क्षेत्र में भी सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा। बिहार अब केवल संभावनाओं की भूमि नहीं, बल्कि उपलब्धियों की धरती बनकर उभर रहा है।

तिरहुत प्रमंडल के जिलाध्यक्षों-प्रखंड अध्यक्षों संग निशांत कुमार की अहम बैठक, संगठन मजबूती पर जोर

पटना, (ईएमएस)। जनता दल (यूनाइटेड) के बिहार प्रदेश संगठन को और अधिक मजबूत, धारदार एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से निशांत कुमार ने तिरहुत प्रमंडल के अंतर्गत आने वाले आठ जिलों-बगहा, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर, मुजफ्फरपुर महानगर एवं वैशाली के जिलाध्यक्षों एवं प्रखंड अध्यक्षों के साथ गहन विचार-विमर्श किया। इस महत्वपूर्ण बैठक में जद (यू) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद संजय झा, प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, विधान परिषद मे पार्टी के उपनेता ललन सर्राफ, विधान परिषद में पार्टी के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ 'गांधीजी', अनिल कुमार सहित बगहा के जिलाध्यक्ष प्रभात रंजन, पश्चिम चंपारण के जिलाध्यक्ष कन्हैया कुशवाहा, पूर्वी चंपारण के जिलाध्यक्ष भरत पटेल, शिवहर के जिलाध्यक्ष कमलेश पांडेय, सीतामढ़ी के जिलाध्यक्ष सत्येंद्र कुशवाहा, मुजफ्फरपुर के जिलाध्यक्ष अनुपम सिंह, मुजफ्फरपुर महानगर के जिलाध्यक्ष प्रो. अरुण कुमार सिन्हा तथा वैशाली के जिलाध्यक्ष सुभाष चंद्र सिंह उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत से पहले पार्टी के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद संजय झा ने निशांत कुमार को पार्टी की सक्रिय सदस्यता दिलाई। बैठक को संबोधित करते हुए निशांत कुमार ने जिलाध्यक्षों एवं प्रखंड अध्यक्षों से आह्वान किया कि वे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के पिछले 20 वर्षों के विकास कार्यों, सुशासन और जनकल्याणकारी उपलब्धियों को घर-घर तक पहुँचाने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार राज्य की जनता ने वर्षों तक उनके पिताजी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी को प्रेम, स्नेह और आशीर्वाद दिया है, वही स्नेह और विश्वास आगे भी बना रहे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी ने हमेशा पार्टी में सभी को साथ लेकर चलने की परंपरा स्थापित की है और वे भी उन्हीं के पदचिह्नों पर चलते हुए पार्टी के समर्पित, वरिष्ठ एवं जमीनी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर संगठन को आगे बढ़ाने का काम करेंगे।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे स्वयं भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के मार्गदर्शन में ही कार्य करेंगे। जिलाध्यक्षों एवं प्रखंड अध्यक्षों को संबोधित करते हुए निशांत कुमार ने कहा कि आगामी दिनों में वे जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से 'जनसुनवाई कार्यक्रम' की शुरुआत करेंगे, जिसके माध्यम से राज्य की जनता अपनी शिकायतों और समस्याओं को लेकर सीधे उनसे संपर्क कर सकेगी। साथ ही उन्होंने जिलाध्यक्षों एवं प्रखंड अध्यक्षों से भी अपने-अपने जिलों और प्रखंडों में जनसुनवाई कार्यक्रम प्रारंभ करने का आग्रह किया, ताकि आम लोगों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जा सके। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने नव-निर्वाचित जिलाध्यक्षों एवं प्रखंड अध्यक्षों को नए कार्यकाल के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से संगठन को और अधिक मजबूत, सक्रिय एवं प्रभावशाली बनाने की अपील की। साथ ही उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हम सभी को एकजुट होकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के विकास कार्यों और जनहितकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाना है तथा उनके कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित भाव से कार्य करना है। बैठक के दौरान उपस्थित जिलाध्यक्षों एवं प्रखंड अध्यक्षों ने भी अपने-अपने जिलों की संगठनात्मक स्थिति से श्री निशांत कुमार को अवगत कराया। सभी पदाधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए जिला संगठन में कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने, संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने तथा पार्टी को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत, सुदृढ़ एवं प्रभावशाली बनाने का संकल्प दोहराया।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पटना में श्री श्री राम नवमी शोभा यात्रा का किया पूजन एवं अभिनंदन

पटना, (ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शुक्रवार को श्री रामनवमी के पावन अवसर पर बिहार के पटना स्थित डाकबंगला चौराहे पर आयोजित श्री श्री रामनवमी शोभा यात्रा अभिनंदन समिति के भव्य कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ मंत्री तथा एनडीए के नेता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और श्रद्धालु उत्साह और श्रद्धा के साथ उपस्थित रहे, जिससे पूरे क्षेत्र में भक्तिमय और उत्सवपूर्ण वातावरण देखने को मिला।

कार्यक्रम के दौरान कंकड़बाग और कदमकुआं जैसे विभिन्न क्षेत्रों से आई आकर्षक झांकियों का भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा विधिवत आरती उतारकर स्वागत किया गया। प्रभु श्रीराम की भक्ति के भाव में सराबोर होकर स्वयं नितिन नवीन ने स्वयं मंच का संचालन किया। मंच से 'जय श्री राम' के जयघोष के बीच कलाकारों ने भगवान श्रीराम, माता सीता और हनुमान जी के स्वरूपों पर आधारित मनोहारी झांकियों की प्रस्तुति दी, जिसने उपस्थित जनसमूह को गहरे आध्यात्मिक भाव से जोड़ दिया। साथ ही प्रसिद्ध कलाकारों ने अपने सुरों से भक्ति भाव की ऐसी छटा बनाई कि सब मंत्रमुग्ध हो गए। कार्यक्रम के दौरान सभी श्रद्धालुओं ने 'जय श्री राम' के उद्घोष के साथ पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर नितिन नवीन ने कहा कि प्रभु श्रीराम केवल आस्था के प्रतीक नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, मर्यादा और आदर्शों के सर्वोच्च प्रतीक हैं। रामनवमी का यह पावन अवसर समाज को एकजुटता, सेवा और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण का संदेश देता है। सभी को प्रभु श्रीराम के आदर्शों पर चलने का संकल्प लेना चाहिए और देश को आगे बढ़ाने में अपना योगदान देना चाहिए।

कोर्ट परिसर में हुए बम धमाके के मामले में मौत की सज़ा पाए आरोपी को हाई कोर्ट ने बरी किया

पटना, (ईएमएस)। पटना हाईकोर्ट ने लम्बू शर्मा को बरी कर दिया। लम्बू शर्मा को 23 जनवरी, 2015 को आरा सिविल कोर्ट परिसर में हुए बम धमाके के मामले में मौत की सज़ा सुनाई गई थी। इस धमाके में ड्यूटी पर तैनात एक कांस्टेबल की मौत हो गई थी और पुलिसकर्मियों तथा वकीलों सहित एक दर्जन से ज़्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। मुख्य न्यायाधीश संगम कुमार साहू और न्यायाधीश राजीव रंजन प्रसाद की खंडपीठ ने छह अन्य दोषियों- श्याम विनय शर्मा, रिंकू यादव, मो. नईम मियां, मो. चांद मियां, अंशुल कुमार और अखिलेश उपाध्याय उर्फ मूसा को भी बरी कर दिया। इन सभी को इसी बम धमाके के मामले में आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई गई थी। 17 अगस्त, 2019 को भोजपुर के तीसरे अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की ट्रायल कोर्ट ने लम्बू और सात अन्य लोगों को इस बम धमाके के मामले में दोषी ठहराया था। 20 अगस्त, 2019 के अपने आदेश में, कोर्ट ने लम्बू को मौत की सज़ा सुनाई, जबकि बाकी सात लोगों को आजीवन कारावास की सज़ा दी गई। दोषियों में से एक, प्रमोद सिंह की कोविड महामारी के दौरान जेल में ही मौत हो गई थी। अपने 174 पन्नों के फैसले में, दोनों न्यायाधीशों ने वकील प्रतीक मिश्रा के प्रयासों की सराहना की। प्रतीक मिश्रा ने हाई कोर्ट में एमिकस क्यूरी (कोर्ट के मित्र) के तौर पर सहायता की और दोषियों की तरफ से बचाव पक्ष की दलीलें पेश कीं। कोर्ट ने इस मामले को एमिकस क्यूरी की भूमिका तय करने के संदर्भ में एक मिसाल के तौर पर भी चिह्नित किया। एमिकस क्यूरी दोषियों से सीधे बातचीत करके उनके मामले को बेहतर ढंग से समझ सकता है।

श्रीराम जन्मोत्सव पर केंद्र सरकार ने देशवासियों को पेट्रोल और डीजल में स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी में कटौती कर दिया बड़ा तोहफाः संजय सरावगी

पटना, (ईएमएस)। केंद्र सरकार के पश्चिम एशिया में संकट के बीच पेट्रोल पर स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी को 13 रुपये से घटाकर 3 रुपये प्रति लीटर कर देने और डीजल पर 10 रुपये से घटाकर शून्य कर देने के फैसले को बिहार भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी ने जनहित में बताया है। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम जन्मोत्सव के पावन पर्व के मौके पर केंद्र सरकार ने देशवासियों को बड़ा तोहफा दिया है। केंद्र सरकार ने पेट्रोल पर स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी को 13 रुपये से घटाकर 3 रुपये प्रति लीटर कर दिया है और डीजल पर 10 रुपये को घटाकर शून्य कर दिया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि रामजन्मोत्सव पर केंद्र सरकार के इस फैसले से आम जनता को सीधी राहत मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा लिया गया यह निर्णय जनहित के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में केंद्र सरकार का यह दृढ़ और निर्णायक नेतृत्व हर संकट में देश को मजबूती प्रदान करता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि इस एक्साइज ड्यूटी में कमी को ग्राहकों को पास नहीं किया जाएगा, जिससे ग्राहकों को इसका बोझ नहीं पड़ेगा। बल्कि, इससे तेल कंपनियों को हो रहे नुकसान की भरपाई की जाएगी। उन्होंने कहा, यह ऐतिहासिक फैसला है। निसंदेह पश्चिम एशिया और खाड़ी देशों के संकट की चपेट में भारत समेत विश्वभर के देश हैं। ऐसे में यह जनहित में लिया गया फैसला है।

भाजपा सांसद अरुण गोविल पटना पहुंचे, एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत

पटना, (ईएमएस)। रामायण धारावाहिक में भगवान राम की भूमिका निभाने वाले एवं मेरठ के भाजपा सांसद और अरुण गोविल शुक्रवार को पटना पहुंचे। हवाई अड्डे पर उनका भव्य स्वागत हुआ और जय श्री राम के नारों से पूरा परिसर गूंज उठा। इस दरम्यान हजारों की संख्या में लोग उन्हें देखने वहां पहुंचे थे और पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। इस दौरान बिहार की सियासत पर बात करते हुए अरुण गोविल ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के संभावित इस्तीफे और राज्यसभा जाने की चर्चाओं पर सीधी टिप्पणी करने से परहेज करते हुए कहा कि यह उनकी पार्टी का आंतरिक मामला है और नीतीश कुमार एक वरिष्ठ नेता हैं, ऐसे में उनके फैसले पर टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। वहीं, देश में पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क घटाए जाने के फैसले का पुरजोर स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष और कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा यह भ्रामक खबरें फैलाई जा रही थीं कि देश में ईंधन और एलपीजी की कमी हो गई है। ऐसे समय में कीमतों में कटौती एक बेहतरीन संदेश है। जब पूरी दुनिया में दाम बढ़ रहे हैं, भारत में कमी होना जनता के लिए बड़ी राहत है। उन्होंने राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ पीएम की बैठक को भी सकारात्मक बताया। अरुण गोविल ने कहा कि भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन के विशेष निमंत्रण पर वे पटना आए हैं। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि यूं तो मैं कई बार बिहार आया हूं, लेकिन रामनवमी के पावन अवसर पर यहां होना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

* बिहार ज्ञान और तपस्या की भूमि है

बिहार ज्ञान और तपस्या की भूमि है और मां सीता का जन्मस्थान होने के नाते यहां से मेरा गहरा आध्यात्मिक नाता है। उन्होंने जल्द ही सीतामढ़ी जाकर दर्शन करने की भी इच्छा जताई। उन्होंने कहा कि मैं आज पटना आया हूं ताकि मां सीता की भूमि का आशीर्वाद ले सकूं। उनका आशीर्वाद मुझे मेरे निर्वाचन क्षेत्र मेरठ की सेवा करने की शक्ति देगा।

सीएम नीतीश से मिला बेटा निशांत तो कौन सी बड़ी खबर हो गई? कहीं कमाने गए थे क्या?

पटना,(ईएमएस)। सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को लेकर बिहार कांग्रेस ने बीजेपी पर हमला बोला। बिहार कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने शुक्रवार को कहा कि नीतीश कुमार निपट गए और अब उनके बेटे को बीजेपी निपटाना चाहती है। राठौड़ ने अखबारों का हवाला देते हुए कहा कि एक विचित्र खबर छपी है कि बिहार के सीएम नीतीश कुमार का 50 साल बेरोजगार पुत्र जो उन्हीं के घर में रहते हैं, उन्ही की रोटी पर पलते हैं, लेकिन कल अपने पिता से मिले। कहां से आकर मिले? कहीं कमाने गए थे कि चिड़ियाखाना से आकर मिले? मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राठौड़ ने कहा कि मुझे लगता है कि बीजेपी की एक बड़ी साजिश है। पहले तो नीतीश कुमार को निपटा दिया या फिर नीतीश कुमार निपट गए, अब उनके बेटे को जगह मिलने से पहले निपटाना चाहती है। नीतीश कुमार का बेटा निशांत जो 50 साल का बेरोजगार है, वह 20 साल से नीतीश कुमार के घर में रहा है।

समृद्धि यात्रा में सीएम नीतीश ने रखी 'विकसित बिहार' की मजबूत नींवः उमेश सिंह कुशवाहा

पटना, (ईएमएस)। बिहार जद (यू0) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ऐतिहासिक समृद्धि यात्रा के माध्यम से विकसित बिहार के निर्माण की मजबूत आधारशिला रखी है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा आने वाले दिनों में बिहार को नई ऊँचाइयों तक ले जाने में एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगी और राज्य में विकास की गति को नई रफ्तार देने का काम करेगी। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 15 जनवरी से प्रारंभ हुई समृद्धि यात्रा के तहत नीतीश कुमार ने बिहार के सभी जिलों का व्यापक दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पहले से संचालित विकास योजनाओं की प्रगति का बारीकी से निरीक्षण किया और साथ ही कई नई विकास परियोजनाओं की भी सौगात दी, जिसका उद्देश्य राज्य के सभी जिलों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, उद्योग और स्वरोजगार के क्षेत्र में बुनियादी ढाँचे को और अधिक सुदृढ़ एवं आधुनिक बनाना है, ताकि विकास की गति गाँव-गाँव और समाज के हर वर्ग तक पहुँचे तथा 'न्याय के साथ विकास' का संकल्प और अधिक मजबूती के साथ धरातल पर साकार हो सके। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की नीतियाँ हमेशा से जनकेंद्रित रही हैं। उन्होंने जनता की आकांक्षाओं और आवश्यकताओं को समझते हुए योजनाओं को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारने का कार्य किया है। यही कारण है कि आज बिहार विकास और प्रगति की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और राज्य की छवि भी निरंतर सुदृढ़ हो रही है। श्री कुशवाहा ने आगे कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुँच रहा है। जो लोग कभी विकास की मुख्यधारा से दूर थे, आज वे भी विकास की इस यात्रा के सहभागी बन रहे हैं। विकास की रोशनी अब उन घरों और बस्तियों तक पहुँच रही है, जहाँ वर्षों तक उपेक्षा, अभाव और पिछड़ेपन का अंधेरा छाया रहा। नीतीश सरकार की जनहितकारी नीतियों ने न केवल लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाया है, बल्कि उनके भीतर नई आशा, विश्वास और आत्मसम्मान का भी संचार किया है। उन्होंने कहा कि समृद्धि यात्रा विकसित बिहार के संकल्पों को मूर्त रूप देगी और आने वाले वर्षों में बिहार निश्चित रूप से देश के टॉप 10 विकसित राज्यों में शामिल होगा।

सैकड़ों लोगों के साथ धोखाधड़ी करने वाला पुलिस के हत्थे चढ़ा

भागलपुर, (ईएमएस)। बिहार के भागलपुर जिले में साइबर धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों के बीच, पुलिस ने कहलगांव अनुमंडल के पीरपैंती थाना क्षेत्र के खुशालपुर गांव से राजकिशोर यादव नाम के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई को भागलपुर पुलिस और साइबर सेल की टीम ने मिलकर अंजाम दिया। एक पुलिस ने कहा कि यादव, जो एक कस्टमर सर्विस पॉइंट (सीएसपी) ऑपरेटर है, पर आरोप है कि उसने सिलिकॉन बायोमेट्रिक मोल्ड और कागज़ की प्रतियों का इस्तेमाल करके महिलाओं सहित 400 से ज़्यादा लोगों के फिंगरप्रिंट (अंगूठे के निशान) की क्लोनिंग की। उस पर आधार नंबर, एटीएम कार्ड, बैंक पासबुक और अन्य दस्तावेज़ इकट्ठा करने का भी आरोप है। इन दस्तावेज़ों का इस्तेमाल करके वह लोगों के बैंक खातों तक पहुंच बनाता था, वित्तीय लेनदेन करता था और सरकारी योजनाओं से मिलने वाले लाभों को अवैध तरीके से अपने खाते में डाल लेता था। डीएसपी (साइबर सेल) कनिष्क श्रीवास्तव ने कहा कि यादव ने उन ग्रामीणों की अशिक्षा और जागरूकता की कमी का फायदा उठाया, जो आधार अपडेट, ई-केवायसी, बैंकिंग और अन्य सेवाओं के लिए उसके पास आते थे। उन्होंने कहा, इन घोटालों से मिली धोखाधड़ी की रकम कई करोड़ से ज़्यादा हो सकती है। डीएसपी श्रीवास्तव ने कहा कि पुलिस ने 320 लोगों के फिंगरप्रिंट की कॉपियां बरामद की हैं, जिनमें कटिहार ज़िले की कुछ महिलाएं भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, पूछताछ के दौरान, यादव ने अपने एक साथी का नाम भी बताया है, फ़िलहाल पुलिस द्वारा पूरे गिरोह का पर्दाफाश करने की कोशिशें जारी हैं। सिटी एसपी शैलेंद्र सिंह ने कहा कि साइबर पुलिस को 23 मार्च को पीरपैंती पुलिस स्टेशन के तहत परशुरामपुर के एक निवासी से लिखित शिकायत मिली थी। इसके बाद जांच के लिए एक संयुक्त टीम बनाई गई। जब इस बात की पुष्टि हो गई कि सीएसपी ऑपरेटर अन्य धोखेबाजों के साथ मिलकर ऑनलाइन घोटाला कर रहा था, तो पुलिस टीमों ने मुख्य सीएसपी ऑपरेटर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने चार कैश ट्रांज़ैक्शन रजिस्टर, एक लैपटॉप, एक खाता खोलने का रजिस्टर, एक फिंगरप्रिंट कैप्चर मशीन, 120 एटीएम कार्ड, 70 बैंक पासबुक, आधार कार्ड की जानकारी और अन्य आपत्तिजनक सामग्री ज़ब्त की। पूछताछ के दौरान, यादव ने सलेमपुर के सोनू मंडल का नाम अपने साथी के तौर पर लिया, जिसने फिंगरप्रिंट का इंतज़ाम किया था। पुलिस का अनुमान है कि हर पीड़ित को औसतन 25,000 से 30,000 रुपये का नुकसान हुआ।

पटना पुलिस के हत्थे चढ़े 5 साइबर अपराधी, दुबई-नेपाल तक फैला था नेटवर्क

पटना, (ईएमएस)। बिहार की पटना पुलिस ने साइबर ठगों के एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पांच शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है, जो ऑनलाइन गेमिंग ऐप और सट्टेबाजी के जरिए देश ही नहीं बल्कि दुबई, नेपाल और श्रीलंका तक लोगों को निशाना बना रहे थे। इस कार्रवाई के बाद साइबर अपराध के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपित फर्जी गेमिंग प्लेटफॉर्म तैयार कर लोगों को निवेश और भारी मुनाफे का लालच देते थे। शुरुआत में वे लोगों को छोटे-छोटे फायदे दिखाकर उनका भरोसा जीतते थे, फिर धीरे-धीरे उन्हें जुए की लत लगा देते थे। जब लोग पूरी तरह इनके जाल में फंस जाते थे, तब उनसे बड़ी रकम ऐंठ ली जाती थी। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी सोशल मीडिया, मैसेज और कॉल के जरिए लोगों से संपर्क करते थे। इसके बाद उन्हें ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म से जोड़ते थे। शुरुआत में कुछ जीत दिलाकर भरोसा बनाया जाता था, लेकिन बाद में लगातार हार के जरिए यूजर्स को ज्यादा पैसे लगाने के लिए उकसाया जाता था। इस तरह धीरे-धीरे लाखों-करोड़ों रुपये की ठगी की जाती थी। पुलिस ने कहा कि यह पूरा गिरोह पटना के शास्त्रीनगर थाना क्षेत्र स्थित शिवपुरी के एक फ्लैट से संचालित हो रहा था। गुप्त सूचना के आधार पर सेंट्रल एसपी के निर्देश पर एसआईटी का गठन किया गया। इसके बाद छापेमारी कर फ्लैट से पांचों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपितों के नाम रिशु कुमार, सचिन कुमार, शशांक शेखर, सूर्यदीप राज तथा मनीष कुमार उर्फ भुल्लन है। सभी की उम्र 20 से 25 वर्ष के बीच बताई जा रही है और चौंकाने वाली बात यह है कि सभी विज्ञान स्नातक हैं। पुलिस ने आरोपितों के पास से 21 मोबाइल फोन, 8 सिम कार्ड, एक लैपटॉप, क्रेडिट और डेबिट कार्ड समेत कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए हैं। जब्त किए गए मोबाइल फोन में कई फर्जी गेमिंग ऐप इंस्टॉल मिले हैं, जिनके जरिए यह गिरोह ठगी का खेल चला रहा था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि इस गिरोह का नेटवर्क भारत के अलावा दुबई, नेपाल और श्रीलंका तक फैला हुआ था। आरोपित पिछले करीब एक साल से पटना में रहकर इस अवैध धंधे को अंजाम दे रहे थे। ग्राहकों की पहचान छुपाने के लिए उन्हें अलग-अलग कोड नेम दिए जाते थे, जिससे पुलिस की नजर से बचा जा सके। पुलिस का कहना है कि इस गिरोह से जुड़े कई अन्य लोगों की पहचान हो चुकी है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस नेटवर्क से अब तक कितने लोगों को ठगा गया और कुल कितनी रकम का घोटाला हुआ है।

संक्षिप्त खबरें

टैक्स बढ़ाने के बाद भी बढ़ने की जगह घट गई निगम की आय

पिछले साल की तुलना में आई गिरावट

भोपाल(ईएमएस)। नगर निगम की आय का मुख्य स्रोत माने जाने वाले प्रॉपर्टी टैक्स समेत सभी तरह की कमाई में वित्तीय वर्ष 2025-26 में बढ़ोत्तरी की जगह गिरावट दर्ज की गई है। आंकड़ो के अनुसार बीते वित्तीय वर्ष 2024-25 में इसी अवधि तक 548 करोड़ रुपए आए थे, जबकि इस साल अब तक 517 करोड़ रुपए ही मिले हैं। यानी कमाई में 31 करोड़ की कमी के साथ करीब 6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। निगम की कमाई का घटना इसलिए भी निराशाजनक है क्योंकि इस साल प्रापर्टी टैक्स 10 प्रतिशत और जल कर में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई थी। निगम ने इस साल वसूली का लक्ष्य 700 करोड़ रखा था, जो उसके काफी दूर है। वसूली के लिये निगम ने कार्यालयीन दिनो के साथ ही अवकाश में भी कर जमा करने के लिए दफ्तर खुले रखने की व्यवस्था की, लेकिन मार्च के अंतिम दिनों में वसूली नहीं हो पा रही है। हालांकि शॉप लीज रेंट में बढ़ोतरी हुई है। आंकड़ों पर नजर डाले तो टैक्स के दायरे में आने वाली 8 श्रेणी में से 6 में कमी आई है, जबकि शॉप लीज रेंट समेत 2 मदों में ही पैसा ज्यादा आया है। हालांकि यह ऐसी मद हैं, जो ज्यादा मायने नहीं रखते हैं। शॉप लीज रेंट से 8 करोड़ और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट से इस साल एक करोड़ ज्यादा यानी 35 करोड़ रुपए मिले हैं। टैक्स के अलावा निगम 11 तरह के चार्ज भी वसूल करता है, लेकिन इस बार इनमें भारी गिरावट आई है।

बुजुर्ग की ट्रेन की चपेट में आने से मौत

भोपाल(ईएमएस)। शहर के ऐशबाग थाना इलाके में रहने वाले एक वृद्व की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। बताया गया है कि रेलवे ट्रैक को पार करते समय वह हादसे का शिकार हो गए। सूचना मिलने पर पहुचीं पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार ओल्ड सुभाष नगर के रहने वाले इशरत अली (65) पूर्व में टेलरिंग वर्क करते थे, हालांकि इन दिनों में घर में ही रहते थे। बीती सुबह करीब 8:30 बजे वह बाग फरहत अफजा में रहने वाले अपने भाई से मिलने जा रहे थे। इस दौरान थाने के नजदीक ही रेल्वे क्रॉसिंग पार करते समय वह ट्रेन ने चपेट में आ गये, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

पराली जलाने पर लगा प्रतिबंध, नहीं माने तो होगी एफआईआर

भोपाल(ईएमएस)। भोपाल में पराली जलाने पर रोक लगा दी गई है। इस संबध में एडीएम सुमित कुमार पांडेय ने आदेश जारी करते हुए अगले 3 महीने तक पराली यानी, नरवाई जलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। वहीं उल्लंघन करने पर थाने में एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। एनजीटी (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) के आदेश का पालन करते हुए पूरे भोपाल जिले में यह रोक लगाई गई है। आदेश में कहा गया है कि वर्तमान में कई किसान गेहूं की कटाई में लगे हैं। इस कारण खेतों में पराली जलाने की घटनाएं बढ़ रही हैं। कई किसान फसल काटने के बाद खेतों में आग लगा देते हैं। इससे भूमि की उर्वरा शक्ति भी खत्म हो रही है। खेत की आग के अनियंत्रित होने पर जनसंपत्ति एवं प्राकृतिक वनस्पति, जीव-जन्तु नष्ट हो जाते हैं। जिससे नुकसान होता है। वहीं खेत की मिट्टी की उर्वरा शक्ति खत्म हो जाती है। जिससे उत्पादन प्रभावित होता है। खेत में पड़ा कचरा, भूसा, डंठल सड़ने के बाद भूमि को प्राकृतिक रूप से उपजाऊ बनाते हैं। इन्हें जलाकर नष्ट करना ऊर्जा को नष्ट करना है। एडीएम ने यह आदेश अगले 3 महीने यानी, जून तक लगाया है। तब भोपाल में मानसून एक्टिव हो जाता है। इससे पराली जलाने की घटनाएं नहीं होती है। एडीएम ने आदेश में लिखा कि यह एक पक्षीय पारित किया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से प्रभावशील होगा। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी।

दहेज हत्या के आरोपी पति को 7 साल की सजा

भोपाल(ईएमएस)। नवविवाहिता द्वारा दहेज की मांग से परेशान होकर फांसी लगाने के मामले में विशेष न्यायाधीश नीलू संजीव श्रृंगी ऋषि ने मृतका विवाहिता के पति अनिल राय को दोषी करार देते हुए 7 साल के कारावास की सजा सुनाई है। वहीं मामले में सह आरोपी मृतका की सास मुन्नी बाई और जेठ कैलाश राय को साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त कर दिया। जानकारी के अनुसार मृतका सरोज का विवाह 14 मई 2021 को हुआ था। बाद में प्रताड़ना से परेशान होकर सरोज ने 11 अप्रैल 2023 की रात को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मृतका के परिजनो ने पति सहित अन्य ससुराल वालो पर दहेज को लेकर उसे प्रताड़ित करने के आरोप लगाये थे।

बिजली बिल को लेकर गुस्साये लोगो ने की कर्मचारियो से मारपीट

भोपाल(ईएमएस)। ऐशबाग थाना इलाके में बकाया बिजली बिल वसूली के लिये कनेक्शन काटने को लेकर हंगामा हो गया। बताया गया है कि एमपीईबी की टीम जब बकाया बिल वाले आवासो के कनेक्शन काटने पहुंची, तब स्थानीय रहवासियो ने इसका जमकर विरोध किया। इसे लेकर गुस्साये लोग अधिकारियों और कर्मचारियों से भिड़ गये और मारपीट कर दी। उधर परवलिया क्षेत्र में बकाया बिजली बिल की वसूली करने गए कर्मचारियों के साथ भी मारपीट का मामला सामने आया है। दोनों मामलों में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ऐशबाग थाना पुलिस के अनुसार एमपीईबी की टीम बाग फरहत अफजा क्षेत्र में कार्रवाई के लिए पहुंचे थे। यहां कुछ घरों पर लंबे समय से बिजली बिल बकाया था। जैसे ही टीम ने कनेक्शन काटने की प्रक्रिया शुरू की, वहां मौजूद वसीम, अब्दुल हलीम, मोहम्मद अनस, रईसा बी, मंसूर और अमन ने गाली-गलौज करते हुए विरोध किया। बाद में कर्मचारी थाने पहुचें और शिकायत दर्ज कराई।

एक नहीं दो बदमाशो ने की थी चुनरी यात्रा में फायरिंग

पुलिस जॉच में हुआ खुलासा

भोपाल(ईएमएस)। राजधानी के कोलार इलाके के दो दिन पहले बुधवार देर रात चुनरी यात्रा के दौरान हरिओम यादव पर चाकू से हमला करने के बाद फायर करने वाले बदमाश अक्षय राज ठकुरिया अब भी फरार है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी में जुटी है। वहीं, पुलिस छानबीन में एक और खुलासा हुआ है, कि विवाद के दौरान एक नहीं दो राउंड फायरिंग हुई थी। बताया गया है कि टीटी नगर थाना क्षेत्र के पंचशील नगर के हिस्ट्रीशीटर अभय सोनी द्वारा भी बुधवार देर रात चुनरी यात्रा में फायरिंग की गई है। बयानों और पूछताछ के बाद पुलिस टीम सोनी की भी तलाश कर रही है। सूत्रों के अनुसार दोनों बदमाशों ने अपना प्रभाव दिखाने के लिए भरे बाजार फायरिंग की थी। कोलार थाना पुलिस के मुताबिक बुधवार को संदीप ठाकुर द्वारा ललिता नगर से पहाड़ी मंदिर के लिए चुनरी यात्रा निकाली गई। इस दौरान सुरक्षा के लिहाज से पुलिसकर्मी भी मौजूद थे। यात्रा में थाने का निगरानीशुदा गुंडा दामखेड़ा निवासी अक्षय राज ठकुरिया भी पहुंच गया। चुनरी यात्रा में अक्षय ने हरिओम यादव से गाली-गलौच करने लगा। विवाद बढ़ा, तो उसने हरिओम की गर्दन पर चाकू से हमला किया, जिसमें वह बाल-बाल बचा। चाकू उसके कान पर लगा। भीड़ अक्षय को पकड़ने के लिए आगे बढ़ी, तो उसने अपने पास रखी देसी पिस्तौल से हवा में फायर कर दिया था।

इंदौर के स्टार्टअप 'एसी डॉक्टर' को वैश्विक ब्रांड डाइकिन का 'बेस्ट सर्विस पार्टनर' अवॉर्ड

इंदौर (ईएमएस)। इंदौर के युवाओं द्वारा स्थापित स्टार्टअप 'एसी डॉक्टर' ने एयर कंडीशनिंग सर्विस सेक्टर में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वैश्विक एसी ब्रांड डाइकिन ने कंपनी को अपने पहले ही वर्ष के सहयोग में 'बेस्ट सर्विस पार्टनर' अवॉर्ड से सम्मानित किया है। यह सम्मान स्टार्टअप की कार्यक्षमता, सर्विस क्वालिटी और बेहतर ग्राहक संतुष्टि का प्रमाण है। एसी डॉक्टर की विशिष्टता उनकी पेटेंटेड और इनोवेटिव एसी क्लीनिंग प्रक्रिया है, जिसे कंपनी ने बाकायदा रजिस्टर करवाया है। इन-हाउस प्रशिक्षित प्रोफेशनल्स की टीम के साथ यह स्टार्टअप इंदौर में तेज और टेक्निकली एडवांस्ड सॉल्यूशंस के लिए अपनी मजबूत पहचान बना चुका है।

क्या होती हैं एलपीजी, पीएनजी सीएनजी और एलएनजी गैसें

कहां होती हैं इस्तेमाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के कारण देश में अब एलपीजी, पीएनजी, सीएनजी और एलएनजी पर खूब चर्चा हो रही है। देश में एलपीजी की किल्लत दिन-ब-दिन बढ़ती ही जा रही है, जिसका सीधा असर अब हमारे घर के किचन से लेकर बाहर जाने के लिए गाड़ी की रफ्तार और रोजगार पर भी हो रहा है। हालांकि समस्या को दूर करने के लिए मोदी सरकार कदम उठा ही रही है। लेकिन यह सवाल आया कि आखिर एक जैसे नाम से सुनाई देने वाली एलपीजी, पीएनजी, सीएनजी और एलएनजी का क्या मतलब होता है? हम बताएंगे कि एलपीजी, पीएनजी, सीएनजी और एलएनजी का उपयोग हम अपने रोजमर्रा के जीवन में कहां करते हैं और इन चारों गैसों के बीच में क्या अंतर होता है। एलपीजी एक लाल सिलेंडर, जो अब हमारे घरों में इस्तेमाल होता है। एलपीजी का पूरा नाम (लिक्विफाइड पेट्रोलियम

गैस) है। एलपीजी गैस का उपयोग खाना बनाने होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एलपीजी गैस प्रोपेन और ब्यूटेन गैस से मिलकर बनती है। यह गैस पेट्रोल और डीजल की तुलना में बेहद ही सस्ती एवं किफायती होती है।

कैसे बनती हैं एलपीजी गैस

घरों, होटल और रेस्तरों में इस्तेमाल होने वाली एनपीजी गैस बनाने की प्रक्रिया जटिल होती है। दरअसल जब कच्चे तेल यानी क्रूड ऑयल को साफ किया जाता है। तब यह गैस निकलती है, जिसे भारी दबाव डालकर लिक्विड गैस में बदला जाता है। इसके बाद यह गैस एक जगह से दूसरी जगह ले जाने लायक हो जाती है और अंत में सिलेंडर में भरा जाता है। भारत में जनवरी, 2026 तक लगभग 332.1 मिलियन घरेलू एलपीजी कनेक्शन हैं। बड़े शहरों में रहने वाले लोग इस शब्द वाकिफ हैं। यह गैस भी घरों में खाना बनाने के काम आती है, लेकिन सिलेंडर के द्वारा नहीं, बल्कि पाइप लाइन के रूप में घरों के चूल्हें तक पहुंचती है। पीएनजी गैस सिलेंडर के मुकाबले सुरक्षित रहती है। इसका पूरा नाम (पाइप्ड नेचुरल गैस) है। पीएनजी गैस में मीथेन गैस (सीएच4) और हाइड्रोकार्बन मौजूद होते हैं। भारत में नवंबर 2025 तक लगभग 1.58 करोड़ पीएनजी कनेक्शन हैं। पीएनजी गैस की आपूर्ती पॉलीइथाइलीन, कार्बन स्टील और गैल्वेनाइज्ड आयरन पाइप के जरिये की जाती है।

यह एक ऐसी गैस है, जो अन्य गैसों के मुकाबले प्रदूषण कम फैलाती है और पॉकेट फ्रेंडली यानी सस्ती भी होती है। इस गैस का पूरा नाम (कंप्रेस्ड नेचुरल गैस) है। सीएनजी में लगभग 93 प्रतिशत तक मीथेन पाया जाता है। इसके अलावा, इसमें थोड़ी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन, प्रोपेन और एथेन भी होता है। सीएनजी का इस्तेमाल कार और भारी ट्रकों में आसानी से किया जा सकता है। गाड़ियों के लिए सीएनजी सबसे सुरक्षित है, जबकि एलएनजी अधिकतर भारी वाहनों में उपयोग होती है

यह किफायती होने के साथ-साथ गाड़ी के पुर्जो को लंबे समय तक जीवित रखता है। साथ ही इसके रखरखाव में लागत भी कम आती है। एलएनजी गैस को (लिक्विफाइड नेचुरल गैस) कहा जाता है। इस गैस को जहाज के द्वारा लाया जाता है। इस गैस को सात समंदर पार से सुरक्षित लाने के लिए -162 डिग्री सेल्सियस तक ठंडा किया जाता है और जब यह गैस लिक्विड में बदल जाती है, तब इसका आयतन बेहद ही कम हो जाता है। जिसके बाद इसे जहाजों में स्टोर करके एक देश से दूसरे देश में लाया जाता है। एलएनजी का इस्तेमाल खाना पकाना, औद्योगिक प्रक्रियाओं, बिजली के उत्पादन के साथ-साथ रेलवे और जहाजों में किया जाता है।

चुनावी टिकट के बदले पैसे मांगने के आरोपों में फंसे कांग्रेस के नेता और पार्टी से जुड़े कुछ व्यक्ति

पीड़ित का आरोप, 7 करोड़ रुपये भी लिए, लेकिन टिकट नहीं मिला

नई दिल्ली,(ईएमएस)। राजधानी दिल्ली में चुनावी टिकट के बदले पैसे मांगने के आरोपों ने राजनैतिक गर्मी बढ़ दी है। दिल्ली पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोप है कि कांग्रेस पार्टी से जुड़े कुछ लोगों ने चुनाव टिकट दिलाने के नाम पर मोटी रकम की मांग की थी। शिकायतकर्ता ने गंभीर आरोप लगाकर कई सबूत भी दिल्ली पुलिस को सौंपे हैं, जिसके बाद यह मामला जांच के दायरे में आ गया है।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, टिकट बेचने के कथित मामले में नॉर्थ एवेन्यू थाने में केस दर्ज हुआ है। एफआईआर कांग्रेस पार्टी से जुड़े कुछ व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज हुई है, शिकायत में कहा गया है कि एक व्यक्ति से उसकी पत्नी को चुनाव टिकट दिलाने के बदले बड़ी रकम मांगी थी। यह रकम करोड़ों में है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शिकायत मिलने के बाद प्रारंभिक जांच की गई और अब औपचारिक तौर पर मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखकर पुलिस हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि उसने भरोसे में आकर पैसे दिए, लेकिन न टिकट मिला और न ही पैसे वापस दिए। इस पूरे घटनाक्रम को पीड़ित ने धोखाधड़ी और विश्वासघात बताया है।

इस मामले का बैकग्राउंड हरियाणा से जुड़ा है, जहां पूर्व महिला कांग्रेस महासचिव सुचित्रा देवी के पति गौरव कुमार ने बड़े नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए थे। कुमार का दावा है कि उन्होंने अपनी पत्नी को हरियाणा की बावल विधानसभा सीट से टिकट दिलाने के लिए करीब 7 करोड़ रुपये दिए थे। उनका कहना है कि यह रकम कांग्रेस के कुछ वरिष्ठ नेताओं और उनके सहयोगियों को मिली थी। लेकिन इसके बावजूद भी पत्नी को टिकट नहीं मिला, जिससे उन्हें आर्थिक और मानसिक नुकसान हुआ।

गौरव कुमार ने आरोप लगाया कि अब न उन्हें टिकट मिला और न ही उनकी दी गई रकम वापस आई है। उन्होंने कई बड़े नेताओं के नाम भी पूरे मामले में जोड़े हैं, जिसमें के.सी. वेणुगोपाल और कोडीकुन्निल सुरेश जैसे नाम शामिल बताए गए हैं। हालांकि कुमार के आरोपों पर संबंधित नेताओं की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

पुलिस अब इन आरोपों की सत्यता की जांच कर रही है।

शिकायतकर्ता ने अपने आरोपों के समर्थन में कई अहम सबूत दिए है। इसमें व्हाट्सएप चैट, बैंक स्टेटमेंट और ऑडियो रिकॉर्डिंग शामिल हैं। इन सभी दस्तावेजों को दिल्ली पुलिस कमिश्नर को सौंपा गया है। उनका दावा है कि इन सबूतों से साबित होता है कि पैसों का लेनदेन हुआ था और टिकट दिलाने का भरोसा दिया गया था। पुलिस अब इन सभी सबूतों की फॉरेंसिक जांच कर सच्चाई को सामने लाने में जुट गई है।

एचडीएफसी बैंक के पूर्व पार्ट चेयरमैन चक्रवर्ती के इस्तीफे को लेकर सवाल

क्या आपसी टकराव थी वजह?

नई दिल्ली, (ईएमएस)। एचडीएफसी बैंक के पूर्व पार्ट चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती के इस्तीफे को लेकर एक नई बात सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार एचडीएफसी बैंक के चेयरमैन चक्रवर्ती और चीफ एग्जीक्यूटिव शशिधर जगदीशन के बीच सत्ता की खींचतान की वजह से चेयरमैन ने अचानक इस्तीफा दिया। हालांकि, रिपोर्ट में सीईओ से टकराव वाली बात की पुष्टि नहीं कर रहा। एचडीएफसी बैंक के पूर्व पार्ट चेयरमैन चक्रवर्ती अपने इस्तीफा पत्र में कहा था कि बैंक के भीतर होने वाली कुछ गतिविधियां और प्रथाएं उनके व्यक्तिगत मूल्यों और नैतिकता के अनुरूप नहीं थीं। रिपोर्ट के अनुसार, यह विवाद सिर्फ नियमों के पालन से जुड़े मामलों तक ही सीमित नहीं था, बल्कि अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि यह विवाद लीडरशिप के तरीके, रणनीति और नियंत्रण को लेकर गहरी तकरार का नतीजा था। ऐसा लगता है कि यह टकराव जगदीश के कार्यकाल को बढ़ाने के प्रस्ताव को लेकर अपने चरम पर पहुंच गया था, जिसके लिए अभी रेगुलेटरी मंजूरी मिलना बाकी है।

अतानु के अचानक चलने से निवेशकों और उद्योग पर नजर रखने वालों के बीच बैंक की स्थिरता को लेकर चिंता पैदा हो गई। हालांकि, स्थिति से परिचित लोगों ने बताया कि यह मामला केवल नियमों के पालन से जुड़े मतभेदों से कहीं ज्यादा गहरा था। रिपोर्ट के अनुसार, चक्रवर्ती, शशिधर जगदीशन के कार्यकाल को बढ़ाने के पक्ष में नहीं थे, जबकि बोर्ड के बहुमत ने सीईओ के पद पर बने रहने का समर्थन किया।

चक्रवर्ती 2021 से एचडीएफसी में गैर-कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर कार्यरत थे। एचडीएफसी बैंक की गवर्नेंस, नॉमिनेशन और रेमुनरेशन कमिटी के चेयरमैन को लिखे अपने पत्र में, चक्रवर्ती ने कहा कि पिछले दो सालों में उन्होंने कुछ ऐसे घटनाक्रम और आंतरिक तौर-तरीके देखे, जो उनके निजी मूल्यों और नैतिक मानकों के अनुरूप नहीं थे; और अंततः इसी वजह से उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इस इस्तीफे के बाद एचडीएफसी बैंक के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली। चक्रवर्ती के इस्तीफे की जांच के लिए बैंक को लॉ फर्म्स को नियुक्त करना पड़ा।

जालंधर और लुधियाना में पेट्रोल-डीजल को लेकर अचानक अफरा-तफरी

लग गई लंबी-लंबी लाइनें

चड़ीगढ़,(ईएमएस)। पंजाब के जालंधर और लुधियाना में पेट्रोल-डीजल को लेकर अचानक अफरा-तफरी का माहौल बन गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव की खबरों के बीच लोगों में संभावित संकट की आशंका पैदा हुई है। इसी डर के चलते बड़ी संख्या में लोग पेट्रोल पंपों पर ईंधन भरवाने पहुंच रहे हैं, जिससे कई जगहों पर लंबी-लंबी कतारें लग गई हैं। स्थिति उस समय और गंभीर हो गई जब जालंधर और लुधियाना में एक-एक पेट्रोल पंप अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। जालंधर के बीएमसी चौक के पास स्थित एक पेट्रोल पंप पर अचानक पेट्रोल खत्म हो गया। पंप के कर्मचारी सुदर्शन सिंह के अनुसार, सप्लाई में देरी के कारण समय पर ईंधन नहीं पहुंच पाया, जिससे स्टॉक पूरी तरह समाप्त हो गया और पंप को बंद करना पड़ा। हालांकि, प्रशासन ने अभी तक किसी आधिकारिक कमी की पुष्टि नहीं की है। लुधियाना में भी भारत नगर चौक के पास एक पेट्रोल पंप बंद कर दिया गया है, जहां पेट्रोल खत्म होने की वजह से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यहां प्रशासन ने एहतियात के तौर पर यह भी निर्देश जारी किए हैं कि पेट्रोल-डीजल केवल वाहनों में ही दिया जाएगा।

कैन या बोतलों में ईंधन देने पर रोक लगा दी गई है, ताकि अनावश्यक जमाखोरी को रोका जा सके। वही अमृतसर में भी हालात चिंताजनक नजर आ रहे हैं। यहां पेट्रोल की मांग सामान्य से तीन गुना तक बढ़ गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, शाम तक कई सरकारी पेट्रोल पंपों पर ईंधन खत्म हो गया। सुबह से ही लोग अपनी गाड़ियों की टंकियां फुल करवाने के लिए पंपों पर पहुंच रहे हैं, जिससे लंबी कतारें लग गई हैं। इस बीच प्रशासन लगातार लोगों से अपील कर रहा है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें। अधिकारियों का कहना है कि राज्य में पेट्रोल और डीजल की सप्लाई पूरी तरह सामान्य है और पर्याप्त भंडार मौजूद हैं। अमृतसर के डिप्टी कमिश्नर ने भी स्पष्ट किया है कि पेट्रोल पंपों और घरेलू गैस की सप्लाई में कोई बाधा नहीं है। फिर भी, सोशल मीडिया और स्थानीय स्तर पर फैल रही अफवाहों के कारण लोगों में डर का माहौल बना हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह स्थिति वास्तविक कमी से ज्यादा 'पैनिक बाइंग' का परिणाम है, जिसे समय रहते नियंत्रित करना जरूरी है, ताकि आम जनता को अनावश्यक परेशानियों से बचाया जा सके।

चुनावी टिकट के बदले पैसे मांगने के आरोपों में फंसे कांग्रेस के नेता और पार्टी से जुड़े कुछ व्यक्ति

पीड़ित का आरोप, 7 करोड़ रुपये भी लिए, लेकिन टिकट नहीं मिला

नई दिल्ली,(ईएमएस)। राजधानी दिल्ली में चुनावी टिकट के बदले पैसे मांगने के आरोपों ने राजनैतिक गर्मी बढ़ दी है। दिल्ली पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोप है कि कांग्रेस पार्टी से जुड़े कुछ लोगों ने चुनाव टिकट दिलाने के नाम पर मोटी रकम की मांग की थी। शिकायतकर्ता ने गंभीर आरोप लगाकर कई सबूत भी दिल्ली पुलिस को सौंपे हैं, जिसके बाद यह मामला जांच के दायरे में आ गया है।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, टिकट बेचने के कथित मामले में नॉर्थ एवेन्यू थाने में केस दर्ज हुआ है। एफआईआर कांग्रेस पार्टी से जुड़े कुछ व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज हुई है, शिकायत में कहा गया है कि एक व्यक्ति से उसकी पत्नी को चुनाव टिकट दिलाने के बदले बड़ी रकम मांगी थी। यह रकम करोड़ों में है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शिकायत मिलने के बाद प्रारंभिक जांच की गई और अब औपचारिक तौर पर मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखकर पुलिस हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि उसने भरोसे में आकर पैसे दिए, लेकिन न टिकट मिला और न ही पैसे वापस दिए। इस पूरे घटनाक्रम को पीड़ित ने धोखाधड़ी और विश्वासघात बताया है।

इस मामले का बैकग्राउंड हरियाणा से जुड़ा है, जहां पूर्व महिला कांग्रेस महासचिव सुचित्रा देवी के पति गौरव कुमार ने बड़े नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए थे। कुमार का दावा है कि उन्होंने अपनी पत्नी को हरियाणा की बावल विधानसभा सीट से टिकट दिलाने के लिए करीब 7 करोड़ रुपये दिए थे। उनका कहना है कि यह रकम कांग्रेस के कुछ वरिष्ठ नेताओं और उनके सहयोगियों को मिली थी। लेकिन इसके बावजूद भी पत्नी को टिकट नहीं मिला, जिससे उन्हें आर्थिक और मानसिक नुकसान हुआ।

गौरव कुमार ने आरोप लगाया कि अब न उन्हें टिकट मिला और न ही उनकी दी गई रकम वापस आई है। उन्होंने कई बड़े नेताओं के नाम भी पूरे मामले में जोड़े हैं, जिसमें के.सी. वेणुगोपाल और कोडीकुन्निल सुरेश जैसे नाम शामिल बताए गए हैं। हालांकि कुमार के आरोपों पर संबंधित नेताओं की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। पुलिस अब इन आरोपों की सत्यता की जांच कर रही है।

शिकायतकर्ता ने अपने आरोपों के समर्थन में कई अहम सबूत दिए है।

रामनवमी पर रामलला का सूर्य तिलक, फूलों से सजे मंदिर, गूंजी बधाइयां

अयोध्या (ईएमएस)। रामनवमी के अवसर पर राम की नगरी अयोध्या में रामलला का जन्मोत्सव पूरे आस्था और श्रद्धा के साथ मनाया गया है। प्रभु श्रीराम के बाल स्वरूप रामलला का दर्शन करने के लिए अयोध्या में लगभग दस लाख भक्तों पहुंचे। राममंदिर सहित अयोध्या के सभी मंदिरों में प्रभु श्रीराम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दोपहर ठीक 12 बजे भगवान सूर्य की किरणों से प्रभु श्रीराम का तिलक हुआ।

शुक्रवार को मौसम खराब था। कभी धूप कभी बारिश। बादलों की चाल को देखते हुए श्रद्धालुओं में थोड़ी निराशा दिखी लेकिन निराशा पर भक्ति और आस्था भारी पड़ती रही। अंततः जब दोपहर 12 बजने को थे तभी सूर्य देव ने दर्शन दिए और भव्य राम मंदिर में स्थापित राम की प्रतिमा पर ठीक 12 पर उनके मस्तक पर सूर्य तिलक हुआ। प्रभु श्रीराम के ललाट पर जब सूर्य की किरणें सीधे पड़ी तो दृश्य मनोहारी एवं अद्भुत हो गया। गर्भगृह तक बधाइयां गूंजने लगीं। शुक्रवार को रामनवमी पर सुबह से ही राम मंदिर समेत अन्य स्थानों में भगवान के अभिषेक, श्रृंगार, आरती के आयोजन शुरू हुआ। दोपहर 12 बजे शंख नाद व भजन से पूरी नगरी आह्लादित हो गयी। श्रीराम जन्मोत्सव को लेकर राम मंदिर में विशेष आयोजन 19 मार्च से चल

रहे हैं। मंदिर के गर्भगृह में पुजारी की मौजूदगी में भगवान श्री राम के प्रतीकात्मक जन्मोत्सव का आयोजन संपन्न किया गया। राम मंदिर के ट्रस्ट विशेष आमंत्रित सदस्य, राम मंदिर दर्शन व्यवस्था के प्रभारी गोपाल जी राव ने बताया कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में सुबह 5 बजे से दर्शन शुरू हुआ। जबकि सुबह 10 बजे से अभिषेक शुरू हुआ। दोपहर 12 बजे आरती होगी 56 भोग लगेगा और उसके साथ भगवान के माथे पर सूर्य का तिलक होगा। शाम को बधाई गीत शुरू रहेगा। रामलला के मुख्य पुजारी बताते हैं कि भगवान श्री राम के साथ भरत, लक्षमण,शत्रुहन के नए वस्त्र बनाये गए हैं। जो हल्के पीले रंग के हैं। इन वस्त्र को गोटों से सजाया गया है। जिन्हें सुबह पंचामृत से अभिषेक स्नान के बाद पहनाया गया। उसके बाद भव्य आरती-पूजन कर चार प्रकार की पंजीरी, पंचामृत, पेड़ा और फल का भगवान को भोग लगाया जाएगा। और प्रसाद भक्तों में वितरित किया गया।

उधर, अयोध्या के मंदिरों को विशेष पुष्पों से सजाया गया था और रोशनी का व्यापक प्रबंध किया गया था। वहीं राम नवमी के अवसर पर मंदिरों में जन्मोत्सव पर आस्था भाव में श्रद्धालु झूम रहे है। प्राचीन कनक भवन, जानकी महल, राम वल्लभा कुंज, मणिराम दास छावनी, बड़ा भक्त महल, राम हर्षण कुंज, विभूति भवन, सद्गुरु सेवा सदन, लक्ष्मण किला, दशरथ भवन सहित दर्जनों मठ मंदिरों में श्री राम जन्मोत्सव को लेकर श्रीराम कथा, रामलीला व सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन भी किए गए हैं। दशरथ महल के महंत विंदुगद्दाचार्य देवेंद्र प्रसादाचार्य बताते हैं कि भगवान का जन्म उत्सव बहुत ही आनंदमय वातावरण में मनाया जा रहा है।

संपादकीय

रिजर्व बैंक के लिए एक तरफ कुआं दूसरी तरफ खाई

भारतीय रिजर्व बैंक इन दिनों गहरे संकट में फंस गया है। रिजर्व बैंक यदि रुपए को बचाने की कोशिश करता है तो ऐसी स्थिति में वह खाई में गिरने की स्थिति में आता है, विदेशी मुद्रा के भंडार को यदि वह रुपए के बचाने में उपयोग करता है तो गहरे कुएं में गिरना तय है। रिजर्व बैंक को समझ नहीं आ रहा है कि वह किस तरह से स्थिति को संभाले। इजरायल-अमेरिका और ईरान के युद्ध ने भारतीय रिजर्व बैंक को बड़ी मुसीबत में डाल दिया है। डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत 94 रुपए के स्तर पर पहुंच गई है। कारोबारी उद्योग जगत तथा कच्चे तेल, गैस इत्यादि के आयात के लिए विदेशी मुद्रा की सबसे बड़ी आवश्यक्ता देश को है। रुपए को गिरने से रोकने के लिए पहले भी रिजर्व बैंक ने बहुत सारी विदेशी मुद्रा खर्च कर दी है। वर्तमान अर्थव्यवस्था के लिए विदेशी मुद्रा भंडार भरा होना जरूरी है, लेकिन रिजर्व बैंक में इसकी स्थिति दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है। डॉलर की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। कच्चे तेल और गैस आयात को लेकर भी अतिरिक्त डॉलर की मांग बनी है। पहले रूस से जो कच्चा तेल और गैस आती थी उसका भुगतान डॉलर में नहीं होता था, लेकिन अब डॉलर के ऊपर सभी ओर से दबाव बढ़ता चला जा रहा है। जिसके कारण रिजर्व बैंक के विदेशी मुद्रा भंडार के लिए चुनौतियां बढ़ती चली जा रही हैं। सरकार का दबाव डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत को गिरने से रोकना है। पिछले कई महीने से रिजर्व बैंक डॉलर और विदेशी मुद्रा भंडार के जरिए रुपए की गिरावट को रोक रहा था, लेकिन अब विदेशी मुद्रा भंडार इस स्थिति में आकर खड़ा हो गया है कि अब रिजर्व बैंक ने पर्याप्त मात्रा में विदेशी भंडार और डॉलर को नहीं रखा तो स्थिति और भी खराब हो जाएगी। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि अगले कुछ महीने में डॉलर के मुकाबले रुपया 100 रुपये तक पहुंच सकता है। ऐसी स्थिति में देश की अर्थव्यवस्था को काफी बड़ा नुकसान होगा। कच्चे तेल और गैस का 60 फ़ीसदी से अधिक आयात इन दिनों डॉलर मुद्रा में हो रहा है। ईरान और रूस ने भी भारत को कच्चा तेल और गैस देना स्वीकार कर लिया है, लेकिन इसका भुगतान विदेशी मुद्रा में प्राप्त करने की शर्त लगा दी है। ऐसी स्थिति में रिजर्व बैंक को डॉलर और युआन का पर्याप्त भंडार बनाकर रखना होगा। यदि ऐसा नहीं हो पाया तो 1990 में जिस तरह से चंद्रशेखर सरकार को सोना गिरवी रखकर कच्चे तेल का आयात करना पड़ा था, वही स्थिति भविष्य में निर्मित हो सकती है। रिजर्व बैंक के आंकड़े बता रहे हैं की 13 मार्च तक उसके पास 710 अरब डॉलर का भंडार था, मार्च माह में विदेशी निवेशकों ने 12.01 अरब डॉलर जो भारतीय मुद्रा में लगभग 1.10 लाख करोड रुपए होता है वह निकाल लिया है। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा सोना, एसडीआर और आईएमएफ के जरिए प्राप्त होती है। विदेशी मुद्रा का भंडार अमेरिकी डॉलर यूरो, युआन और पाउंड पर निर्भर करता है। भारतीय रिजर्व बैंक के पास विदेशी मुद्रा भंडार में 556 अरब डॉलर और 131 अरब डॉलर का सोना है। आरबीआई सोने को बेचता नहीं है, इस स्थिति में रिजर्व बैंक के पास डॉलर के मुकाबले रुपए में आ रही गिरावट को रोकने के लिए मात्र दो तरीके बचते हैं, पहला वह अपने विदेशी मुद्रा भंडार की मुद्राओं को बाजार में बेचे लेकिन इसका असर भारत की आर्थिक स्थिति पर पड़ेगा। दूसरा ब्याज दरों को बढ़ाना पड़ेगा। इससे रुपए की गिरावट कुछ समय के लिए थम सकती है। लेकिन जिस तरह की स्थिति बनी हुई है विदेशी मुद्रा के रूप में विदेश से जो राशि रिजर्व बैंक में आती थी उसमें बड़ी गिरावट आई है। युद्ध के कारण जिस तरह की स्थिति है उसके बाद उसको थाम पाना रिजर्व बैंक के लिए आसान नहीं रहा। डोनाल्ड ट्रंप जब अमेरिका के राष्ट्रपति बने थे तब भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले 84 रुपए का था जो अब 94 रुपए के स्तर पर पहुंच गया है। पिछले 1 वर्ष में जिस तरह से अमेरिका ने भारत के ऊपर रुस से तेल और कच्चा तेल और गैस लेने पर प्रतिबंध लगाया था उसके बाद से भारत को सारा कच्चा तेल और गैस एवं अन्य सामग्री डॉलर में खरीदनी पड़ रही है, जिसके कारण विदेशी मुद्रा भंडार की स्थिति इन दिनों सबसे ज्यादा खराब है। रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय में आर्थिक विशेषज्ञों की कमी इस समस्या को और भी बढ़ा रही है। रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी तथा अन्य लोग जिस तरह के निर्णय ले रहे हैं, इसका असर अब भारतीय अर्थव्यवस्था में पढ़ता हुआ दिख रहा है। रिजर्व बैंक में जो आर्थिक विशेषज्ञ हैं उनका मानना है कि यदि यही प्रवाह बना रहा तो 4 से 6 महीने के अंदर 1991 वाली स्थिति विदेशी मुद्रा को लेकर फिर आ सकती है, जिसके कारण भारत का अर्थ संकट बड़ी तेजी के साथ बढ़ेगा।

समाज के लिए खतरा हैं धर्म के चोले में पनपते कालनेमी

मनोज कुमार अग्रवाल

यह कैसी बिडम्बना है कि इक्कीसवीं सदी में पहुंच कर भी भारतीय समाज का एक बड़ा हिस्सा आज भी टोना टोटका डायन भूत प्रेत और बाबाओं के चमत्कार पर भरोसा रखता है इतना ही नहीं ये संत के चोले में छिपे शैतान न सिर्फ अरबों करोड़ों की संपत्ति इकठ्ठा कर रहे हैं वरन हर तरह की पोपलीला भी टकर रहे हैं धर्म की आड़ में आर्थिक दैहिक शोषण बलात्कार, हत्या, ब्लैकमेलिंग करने जैसे गंभीर अपराधों को अंजाम देने वाले ढोंगी बाबाओं की सूची में अब एक नया नाम नासिक के अशोक खरात का जुड़ गया है। अशोक खरात की कहानी भी राम रहीम और आसाराम जैसे लोगों से अलग नहीं है। धर्म के नाम पर अपनी निजी जीवन की परेशानियों के निराकरण के लिए बाबा पर भरोसा कर आए लोगों को वाकजाल में फंसाना, उनसे धन ऐंठना और महिलाओं का यौन शोषण करना धंधा बन गया है । अब सामने आया है कि लम्बे समय से ये अपराध होते रहें और ढोंगी व्यक्ति खुद को भगवान बताकर चमत्कार दिखाता रहे तो यह न स्वस्थ समाज की पहचान है, न स्वस्थ राजनीति और प्रशासन की। क्योंकि ताकतवर लोगों के प्रोत्साहन के बिना ठगी और अपराध की ऐसी दुकानें चल ही नहीं सकतीं। हो सकता है कि अभी पुलिस हिरासत में आए इस अपराधी को कुछ वक्त तक सलाखों के पीछे ही रहना पड़े, लेकिन इस समय ज्यादा चिंता की बात यह है कि समाज जिस तरह चमत्कारों, अंधविश्वासों और अतार्किक प्रथाओं की सलाखों में कैद है, उससे वह कब आजाद हो पाएगा। कितनी बड़ी विडंबना है कि जिस महाराष्ट्र में संत तुकाराम संत नामदेव महात्मा ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले, जैसे महापुरुषों की कतार दी, वहां अशोक खरात लोगों को अंधविश्वास की आग फैलाने का मौका मिला। नरेन्द्र दाभोलकर जैसे लोग अंधश्रद्धा के खिलाफ आवाज उठाएं तो उनकी हत्या कर दी जाए और अशोक खरात जैसे लोग अंधश्रद्धा के बूते खुद को गॉडमैन कहलवाएं। यह बेहद हैरत की बात है क्योंकि सरकारें भी ऐसी बातों पर तभी एक्शन लेती है जब बात बहुत आगे बढ़ जाती है। यूं तो देश का राजनीतिक दल इस किस्म के बाबाओं से खुद को दूर रखा है, हर दल में ऐसे नेता मिल जाएंगे, जो ढोंगी चोगों को बढ़ावा देते रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ सालों में समस्या कुछ ज्यादा बढ़ चुकी है, यह मानने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए। आज जब राष्ट्रपति के गरिमामयी पद पर आसीन माननीय किसी संत के स्थान पर आकर कथित एकांतिक वार्तालाप के लिए समय दे रहीं हैं ऐसे समय में समाज संत और कालनेमी संत की पहचान कैसे करे? विचारणीय बात यह है कि भगवदभक्ति में लगे लोगों को भौतिक चकाचौंध की दरकार क्यों होनी चाहिए। लेकिन इस सवाल की परतें खोलें तो समझ आता है कि ऐसे लोगों को न भगवदभक्ति से मतलब है, न धर्म की रक्षा से, इन्हें तो अपने उन राजनैतिक और व्यापारी आकाओं की सेवा करनी है, जिनके काले धन को धर्म के धंधे से ये सफेद करते हैं। अशोक खरात का मामला भी कुछ ऐसा ही लगता है। ताज़ा जानकारी के अनुसार नासिक में कथित 'फर्जी बाबा' अशोक खरात के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नरबलि और अंधश्रद्धा से जुड़े गंभीर आरोपों में मामला दर्ज किया है. नासिक पुलिस ने खरात के खिलाफ अब तक कुल 8 एफआईआर दर्ज की हैं, जिससे इस मामले की गंभीरता और बढ़ गई है. पुलिस ने आरोपी की लाइसेंसी रिवॉल्वर भी जब्त कर ली है और उसका लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. पुलिस के मुताबिक, ताजा एफआईआर उस व्यक्ति की शिकायत पर दर्ज की गई है, जिसके खिलाफ पहले अशोक खरात ने खुद मामला दर्ज कराया था. अब उसी व्यक्ति ने खरात पर संगीन आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है.

अफवाहों की आग में ईंधन संकट का भ्रम सच से दूर भीड़ व्यवस्था पर बढ़ता दबाव और जिम्मेदारी की कसौटी

कांतिलाल मांडोत

उत्तर प्रदेश के कई जिलों में इन दिनों पेट्रोल-डीजल को लेकर जो दृश्य सामने आए हैं, वे केवल आपूर्ति का मामला नहीं बल्कि मनोविज्ञान, सूचना और सामाजिक व्यवहार का भी प्रतिबिंब हैं। एक ओर सरकार और प्रशासन लगातार यह स्पष्ट कर रहे हैं कि ईंधन की कोई कमी नहीं है, वहीं दूसरी ओर अफवाहों के कारण पेट्रोल पंपों पर असामान्य भीड़, लंबी कतारें और कई जगहों पर अव्यवस्था की स्थिति बनती दिखाई दे रही है। यह पूरा घटनाक्रम हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि आखिर सूचना के इस युग में भी अफवाहें इतनी प्रभावी कैसे हो जाती हैं। राजधानी लखनऊ से लेकर गोंडा, झांसी, कौशांबी और चित्रकूट जैसे जिलों में पेट्रोल पंपों पर अचानक भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने न केवल अपने वाहनों में ईंधन भरवाया बल्कि बड़े-बड़े डिब्बों और ड्रमों में भी पेट्रोल-डीजल जमा करना शुरू कर दिया। लखनऊ के कठौता चौराहे पर सैकड़ों मीटर लंबी कतारें लगीं, जबकि गोंडा में तो स्थिति इतनी बिगड़ गई कि लाइन में लगे लोगों के बीच धक्का-मुक्की और झड़प तक हो गई। यह दृश्य किसी वास्तविक संकट का परिणाम नहीं था, बल्कि एक अफवाह का असर था। जैसे ही यह खबर फैली कि पेट्रोल-डीजल खत्म हो सकता है, लोगों में एक प्रकार का भय पैदा हो गया। यह भय ही भीड़ का सबसे बड़ा कारण बना। जब लोग देखते हैं कि दूसरे लोग बड़ी मात्रा में ईंधन ले रहे हैं, तो वे भी उसी दिशा में कदम बढ़ा देते हैं। इसे सामूहिक व्यवहार की मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रिया कहा जा सकता है, जिसमें व्यक्ति अपनी स्वतंत्र सोच के बजाय भीड़ के व्यवहार का अनुसरण करता है। हालांकि, दूसरी ओर कई जिलों में स्थिति पूरी तरह सामान्य भी रही। गाजियाबाद, मेरठ और वाराणसी जैसे शहरों से रिपोर्ट मिली कि वहां पेट्रोल पंपों पर किसी प्रकार की किल्लत नहीं है और लोग सामान्य रूप से ईंधन ले रहे हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि समस्या वास्तविक आपूर्ति की नहीं, बल्कि धारणा और सूचना की है। प्रदेश सरकार ने भी समय रहते स्थिति को स्पष्ट करने का प्रयास किया। अधिकारियों ने साफ कहा कि सभी जिलों में पेट्रोल-डीजल की पर्याप्त आपूर्ति हो रही है और कहीं भी संकट जैसी स्थिति नहीं है। इसके साथ ही यह चेतावनी भी दी गई कि जो लोग अफवाह फैलाने का काम कर रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह कदम आवश्यक भी है, क्योंकि झूठी जानकारी न केवल भ्रम फैलाती है, बल्कि व्यवस्था को भी बाधित करती है। इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू किसानों से जुड़ा हुआ है। गेहूं की कटाई का समय होने के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में डीजल की मांग स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है। कन्नौज जैसे इलाकों में किसान ट्रैक्टर-ट्रॉली में ड्रम लेकर डीजल भरवाने पहुंच रहे हैं। यह उनकी आवश्यकता है, लेकिन जब इसमें अफवाह का तत्व जुड़ जाता है, तो मांग असामान्य रूप से बढ़ जाती है और व्यवस्था पर दबाव पड़ता है। कुछ जिलों में प्रशासन को स्थिति संभालने के लिए विशेष कदम उठाने पड़े। कहीं-कहीं पेट्रोल की मात्रा पर सीमा तय की गई, तो कहीं पुलिस की तैनाती कर दी गई। अंबेडकरनगर और बहराइच में पेट्रोल पंपों पर व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन सक्रिय रहा। वहीं श्रावस्ती में डिब्बों में ईंधन देने पर रोक के विरोध में किसानों ने सड़क जाम तक कर दिया। यह दर्शाता है कि जब सूचना स्पष्ट नहीं होती, तो असंतोष और टकराव की स्थिति पैदा हो सकती है। कुछ स्थानों पर वास्तविक समस्या भी सामने आई, जैसे हाथरस और चित्रकूट में कुछ पेट्रोल पंपों पर ईंधन खत्म हो गया। लेकिन यह कमी व्यापक नहीं थी, बल्कि स्थानीय स्तर पर असंतुलित मांग के कारण हुई। जब एक ही समय में बहुत अधिक लोग ईंधन लेने पहुंचते हैं, तो अस्थायी कमी होना स्वाभाविक है। इसे वास्तविक संकट नहीं कहा जा सकता। इस पूरे मामले में मीडिया और सोशल मीडिया की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। जहां जिम्मेदार पत्रकारिता लोगों को सही जानकारी देती है, वहीं सोशल मीडिया पर बिना सत्यापन के फैलने वाली खबरें स्थिति को बिगाड़ सकती हैं। आज के डिजिटल युग में हर व्यक्ति सूचना का उपभोक्ता ही नहीं, बल्कि प्रसारक भी बन गया है। ऐसे में जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। यह स्थिति हमें एक महत्वपूर्ण सबक भी देती है। किसी भी संकट या संभावित संकट की स्थिति में संयम और विवेक सबसे जरूरी होते हैं। यदि लोग अफवाहों के आधार पर अनावश्यक खरीदारी करने लगें, तो वे खुद ही उस संकट को जन्म दे देते हैं, जिससे वे बचना चाहते हैं। यही कारण है कि सरकार ने लोगों से अपील की है कि वे केवल जरूरत के अनुसार ही पेट्रोल-डीजल खरीदें और किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें। अंततः यह कहा जा सकता है कि उत्तर प्रदेश में पेट्रोल-डीजल को लेकर जो स्थिति बनी, वह वास्तविक संकट से अधिक मनोवैज्ञानिक और सूचनात्मक संकट थी। प्रशासन की तत्परता और स्पष्टता के कारण स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है। लेकिन यह घटना हमें यह जरूर सिखाती है कि अफवाहें कितनी खतरनाक हो सकती हैं और उनसे बचने के लिए समाज को कितना सजग रहना आवश्यक है। सही जानकारी, संयमित व्यवहार और प्रशासन पर विश्वास—यही वे तीन आधार हैं, जिनके सहारे किसी भी ऐसी स्थिति से आसानी से निपटा जा सकता है।

दो टूक- वैश्विक संकट के बीच मानवता की अंतिम सुरक्षा-रेखा है ऊर्जा संरक्षण

योगेश कुमार गोयल

आज जब विश्व एक बार फिर भू-राजनीतिक तनावों के दौर से गुजर रहा है और ईरान, अमेरिका तथा इजरायल के बीच टकराव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को अस्थिर कर दिया है, तब ऊर्जा केवल विकास का साधन नहीं बल्कि अस्तित्व का प्रश्न बन चुकी है। तेल और गैस के दामों में उतार-चढ़ाव, आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और ऊर्जा स्रोतों पर बढ़ती निर्भरता ने पूरी दुनिया को यह सोचने पर विवश कर दिया है कि क्या आधुनिक सभ्यता ने अपनी बुनियाद अत्यधिक अस्थिर संसाधनों पर खड़ी कर दी है। इस परिप्रेक्ष्य में ऊर्जा संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं बल्कि मानवता की सुरक्षा का सबसे सरल, सस्ता और प्रभावी उपाय बनकर उभर रहा है। ऊर्जा आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग है, चाहे वह उद्योगों की मशीनें हों, परिवहन के साधन हों, डिजिटल अर्थव्यवस्था हो या घरेलू जीवन की सुविधाएं किंतु विडंबना यह है कि जिस ऊर्जा पर हमारी प्रगति आधारित है, वही अब संकट का कारण बनती जा रही है।

संयुक्त राष्ट्र की 'एनर्जी प्रोग्रेस रिपोर्ट 2024' के अनुसार आने वाले दशक में वैश्विक ऊर्जा मांग में लगभग 25 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है जबकि जीवाश्म ईंधनों के भंडार तेजी से सीमित होते जा रहे हैं। ऐसे में यदि ऊर्जा संरक्षण और दक्षता को प्राथमिकता नहीं दी गई तो भविष्य में ऊर्जा संकट केवल आर्थिक चुनौती नहीं रहेगा बल्कि सामाजिक अस्थिरता और वैश्विक संघर्षों का कारण भी बन सकता है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य इस खतरे को और स्पष्ट करता है। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव ने तेल आपूर्ति पर अनिश्चितता बढ़ा दी है, जिससे अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें अस्थिर हो रही हैं। भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। दरअसल भारत अपनी कुल तेल आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है। ऐसे में वैश्विक संकट का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था, महंगाई और आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है। पैट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि केवल परिवहन लागत को नहीं बढ़ाती बल्कि खाद्य पदार्थों से लेकर निर्माण सामग्री तक हर क्षेत्र में महंगाई को जन्म देती है। इस परिप्रेक्ष्य में ऊर्जा संरक्षण राष्ट्रीय आर्थिक सुरक्षा का भी एक महत्वपूर्ण आधार बन जाता है। भारत तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था है और यहां ऊर्जा की मांग निरंतर बढ़ रही है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी की 'इंडिया एनर्जी आउटलुक 2024' रिपोर्ट के अनुसार, 2030 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी ऊर्जा उपभोक्ता अर्थव्यवस्था बन जाएगा। ऐसे में यदि ऊर्जा खपत को संतुलित नहीं किया गया तो विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना कठिन हो जाएगा। यही कारण है कि भारत ने ऊर्जा दक्षता और संरक्षण को अपनी नीति का केंद्रीय तत्व बनाया है। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा लागू ऊर्जा संरक्षण अधिनियम और 'उजाला' जैसे कार्यक्रमों ने यह साबित किया है कि छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े परिणाम दे सकते हैं। 36 करोड़ से अधिक एलईडी बल्बों का वितरण और उससे हुई 48 बिलियन यूनिट बिजली की बचत इस बात का प्रमाण है कि यदि नीति और जनभागीदारी साथ आएं तो ऊर्जा संरक्षण एक जनांदोलन बन सकता है।

ऊर्जा संरक्षण का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह किसी नई तकनीक या बड़े निवेश पर निर्भर नहीं है बल्कि यह हमारे दैनिक व्यवहार में छोटे-छोटे बदलावों से ही संभव है। उदाहरण के लिए, अनावश्यक रूप से जलती लाइटों को बंद करना, ऊर्जा-कुशल उपकरणों का उपयोग करना, एयर कंडीशनर का सीमित प्रयोग, सार्वजनिक परिवहन को अपनाना और सौर ऊर्जा जैसे विकल्पों को बढ़ावा देना, ये सभी कदम न केवल ऊर्जा बचाते हैं बल्कि पर्यावरण को भी सुरक्षित रखते हैं। यदि भारत का प्रत्येक परिवार प्रतिदिन केवल एक यूनिट बिजली की बचत करे तो यह देश के लिए ऊर्जा क्रांति के समान होगा। ऊर्जा संरक्षण का संबंध केवल बिजली तक सीमित नहीं है बल्कि यह जल, पर्यावरण और स्वास्थ्य से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। ऊर्जा उत्पादन में जल का व्यापक उपयोग होता है और जल की बर्बादी सीधे ऊर्जा की बर्बादी में बदल जाती है। इसी प्रकार, ऊर्जा के अत्यधिक उपयोग से कार्बन उत्सर्जन बढ़ता है, जो जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापमान वृद्धि का मुख्य कारण है। आज जब दुनिया 1.5 डिग्री सेल्सियस के लक्ष्य को बचाने के लिए संघर्ष कर रही है, तब ऊर्जा संरक्षण इस दिशा में सबसे प्रभावी हथियार साबित हो सकता है।

अक्षय ऊर्जा इस संकट का दीर्घकालिक समाधान प्रस्तुत करती है लेकिन इसकी सफलता भी ऊर्जा संरक्षण पर ही निर्भर करती है। सौर, पवन और जैव ऊर्जा जैसे स्रोतों का विस्तार तभी प्रभावी होगा, जब ऊर्जा की कुल मांग को नियंत्रित किया जाए। भारत ने 2030 तक 500 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य निर्धारित किया है, जो न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है बल्कि वैश्विक जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और स्मार्ट ग्रिड जैसी तकनीकें इस दिशा में नई संभावनाएं खोल रही हैं लेकिन इन सबका मूल आधार ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग ही है। शहरीकरण के बढ़ते दबाव ने भी ऊर्जा खपत को तेजी से बढ़ाया है। महानगरों में ऊंची इमारतें, एयर कंडीशनिंग सिस्टम और बढ़ती वाहन संख्या ऊर्जा की मांग को कई गुना बढ़ा देती है। ऐसे में हरित भवन निर्माण, सौर पैनलों का उपयोग और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना आवश्यक हो जाता है। यदि भवन निर्माण में ऊर्जा दक्षता को प्राथमिकता दी जाए तो बिजली की खपत में 30 से 40 प्रतिशत तक कमी लाई जा सकती है।

यह न केवल पर्यावरण के लिए लाभकारी होगा बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। ऊर्जा संरक्षण का एक महत्वपूर्ण आयाम औद्योगिक क्षेत्र भी है। उद्योगों में ऊर्जा दक्षता बढ़ाने से उत्पादन लागत में कमी आती है और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि ऊर्जा संरक्षण को केवल सरकारी नीति या अभियान के रूप में न देखा जाए बल्कि इसे एक सामाजिक संस्कृति के रूप में विकसित किया जाए। विद्यालयों में ऊर्जा शिक्षा को अनिवार्य बनाया जाए, मीडिया के माध्यम से जनजागरूकता बढ़ाई जाए और प्रत्येक नागरिक को यह समझाया जाए कि ऊर्जा की बचत केवल व्यक्तिगत लाभ नहीं बल्कि राष्ट्रीय कर्तव्य है। जब तक ऊर्जा संरक्षण हमारी आदत नहीं बनेगा, तब तक किसी भी नीति या तकनीक का पूर्ण लाभ नहीं मिल सकेगा। वैश्विक ऊर्जा संकट के इस दौर में भारत के पास एक अवसर भी है, एक ऐसे मॉडल के रूप में उभरने का, जो विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित कर सके। यदि भारत ऊर्जा संरक्षण, अक्षय ऊर्जा और तकनीकी नवाचार के समन्वय से आगे बढ़ता है तो वह न केवल अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है बल्कि विश्व के लिए एक प्रेरणा भी बन सकता है। यह समझना आवश्यक है कि ऊर्जा का संकट केवल संसाधनों का संकट नहीं है बल्कि यह हमारी सोच और व्यवहार का संकट भी है। यदि हम ऊर्जा को अनमोल संसाधन मानकर उसका विवेकपूर्ण उपयोग करना सीख लें तो न केवल वर्तमान संकट से उबर सकते हैं बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और समृद्ध दुनिया भी सुनिश्चित कर सकते हैं। ऊर्जा संरक्षण कोई जटिल विज्ञान नहीं बल्कि एक सरल जीवनशैली है और यही जीवनशैली आज धरती को बचाने की सबसे प्रभावी चाबी बन चुकी है।

जेलों में मौतें, आत्महत्याएं, अव्यवस्थाएं -सलाखों के पीछे भी असुरक्षित जीवन?

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

- सुप्रीम कोर्ट का नोटिस,राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का स्वतः संज्ञान- जेल व्यवस्था, मानवाधिकार और न्याय प्रणाली पर वैश्विक प्रश्नचिन्ह

ज़ेलों में विचाराधीन कैदी-न्याय से पहले सजा?क्या हम वास्तव में न्याय कर रहे हैं या एक और अन्याय को जन्म दे रहे हैं?

सजा का उद्देश्य प्रतिशोध नहीं, बल्कि सुधार और पुनर्वास होना चाहिए।सलाखों के पीछे भी सेफ नहीं?यह प्रश्न हमें आत्ममंथन करने के लिए मजबूर करता है

वैश्विक स्तरपर आधुनिक लोकतांत्रिक समाज में जेल का उद्देश्य केवल अपराधी को दंडित करना नहीं, बल्कि उसे सुधारना और पुनर्वास के लिए तैयार करना भी होता है। परंतु जब जेलें स्वयं ही भय,बीमारी और उपेक्षा का केंद्र बन जाएं,तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हम वास्तव में न्याय कर रहे हैं या एक और अन्याय को जन्म दे रहे हैं? सलाखों के पीछे भी सेफ नहीं?, यह केवल एक भावनात्मक प्रश्न नहीं,बल्कि कठोर वास्तविकता का दर्पण है।अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों के अनुसार,कैदियों से उनका स्वतंत्रता का अधिकार तो छीना जा सकता है,लेकिन उनका जीवन, स्वास्थ्य और गरिमा का अधिकार नहीं।इसके बावजूद भारत सहित दुनियाँ के कई देशों में जेलों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहता हूं कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित नेल्सन मंडेला नियम (यू एन स्टैंडर्ड मिनिमम् रूल्स फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ़ प्रिजनर्स) स्पष्ट रूप से कहते हैं कि कैदियों के साथ मानवीय व्यवहार किया जाना चाहिए।उन्हें पर्याप्त भोजन,स्वच्छ पानी,स्वास्थ्य सुविधाएं और मानसिक स्वास्थ्य सहायता मिलनी चाहिए। लेकिन व्यवहारिक धरातल पर इन सिद्धांतों और वास्तविकता के बीच गहरी खाई दिखाई देती है। जेलें, जो सुधार गृह मानी जाती हैं,अक्सर प्रताड़ना, हिंसा और उपेक्षा के केंद्र बन जाती हैं। यह स्थिति केवल विकासशील देशों तक सीमित नहीं है, बल्कि विकसित देशों में भी कई बार ऐसी घटनाएं सामने आती रही हैं।

साथियों बात अगर हम भारत में जेलों की भीड़ःएक गंभीर संरचनात्मक संकट को समझने की करें तो,भारत की जेल व्यवस्था की सबसे बड़ी समस्या है,क्षमता से अधिक भीड़। कई राज्यों में जेलों की ऑक्यूपेंसी दर 150 प्रतिशत से लेकर 200 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। उदाहरण के तौर पर, दिल्ली की जेलों में 200 प्रतिशत तक कैदी भरे हुए हैं, जबकि उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में यह आंकड़ा 150 प्रतिशत से अधिक है। इस भीड़ का सबसे बड़ा कारण है विचाराधीन कैदियों की अत्यधिक संख्या। आंकड़ों के अनुसार, भारत के लगभग 73.5 प्रतिशत कैदी ऐसे हैं जिनका अभी दोष सिद्ध नहीं हुआ है और वे केवल ट्रायल का इंतजार कर रहे हैं। यह स्थिति न्यायिक प्रणाली की धीमी गति और मामलों के लंबित रहने का सीधा परिणाम है।

साथियों बात अगर हम विचाराधीन कैदीः न्याय से पहले सजा? इसको समझने की करें तो,विचाराधीन कैदी वह होते हैं जिन्हें अभी अदालत ने दोषी नहीं ठहराया है, फिर भी वे वर्षों तक जेल में बंद रहते हैं। यह स्थिति निर्दोषता की धारणा (प्रेसम्प्शन ऑफ़ इनोसेंस) के सिद्धांत के विपरीत है। न्यायिक देरी के कारण कई कैदी अपने संभावित सजा से अधिक समय जेल में बिता देते हैं। यह न केवल उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़ा करता है।जेलों में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति अत्यंत दयनीय है। डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मचारियों के लगभग 30-40 प्रतिशत पद खाली हैं।दिल्ली जैसी जगहों पर प्रति 200 कैदियों पर केवल एक डॉक्टर उपलब्ध है।इसका परिणाम यह होता है कि गंभीर बीमारियों का समय पर इलाज नहीं हो पाता। अस्वच्छता और भीड़भाड़ के कारण टीबी, एचआईवी और हेपेटाइटिस जैसी संक्रामक बीमारियां तेजी से फैलती हैं। वर्ष 2024 के पहले नौ महीनों में भारत में न्यायिक हिरासत में 1,558 मौतें दर्ज की गईं,यह आंकड़ा केवल संख्या नहीं, बल्कि एक गंभीर मानवीय संकट का संकेत है।इन मौतों के पीछे मुख्य कारण हैं,बीमारियां, आत्महत्याएं और चिकित्सा सुविधाओं की बहुत हद तक कमी। साथियों बात अगर हम छत्तीसगढ़ का मामलाः एक राज्य, कई सवाल इसको समझने की करें तो छत्तीसगढ़ की जेलों में पिछले चार वर्षों में 285 कैदियों की मौत का मामला पूरे देश को झकझोर देने वाला है। इनमें से 90 मौतें केवल 2022 में हुईं और 66 मौतें जनवरी 2025 से जनवरी 2026 के बीच दर्ज की गईं। राज्य सरकार ने इन मौतों के पीछे आत्महत्या और गंभीर बीमारियों को कारण बताया है।इस मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने जेलों में भीड़भाड़, डॉक्टरों की कमी और प्रशासनिक लापरवाही को संभावित कारण बताया है। यदि ये आरोप सही पाए जाते हैं,तो यह मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन माना जाएगा।

साथियों बात अगर हम न्यायपालिका की सक्रियताः सुधार की दिशा में कदम को समझने की करें तो हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को जेलों की स्थिति पर ताजा आंकड़े प्रस्तुत करने का निर्देश 26 मई 2026 तक सबमिट करने को दिया है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने जेलों कीक्षमता भीड़भाड़ और महिला कैदियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का विस्तृत विवरण मांगा है।यह कदम दर्शाता है कि न्यायपालिका इस मुद्दे को गंभीरता से ले रही है। विशेष रूप से महिला कैदियों और उनके साथ रहने वाले बच्चों की स्थिति पर ध्यान देना एक सकारात्मक पहल है, क्योंकि यह वर्ग अक्सर नीति निर्माण में उपेक्षित रह जाता है।

साथियों बात अगर हम मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्याएंः अदृश्य संकट इसको समझने की करें तो जेलों में मानसिक स्वास्थ्य एक बड़ा लेकिन अनदेखा मुद्दा है। भीड़भाड़, पारिवारिक दूरी, सामाजिक कलंक और अनिश्चित भविष्य कैदियों को मानसिक रूप से कमजोर बना देता है। यही कारण है कि जेलों में आत्महत्या के मामले लगातार बढ़ रहे हैं।ग्लोबल प्रिजन ट्रेंड्स 2025 रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया भर में जेलों के भीतर आत्महत्या और हिंसा के मामलों में वृद्धि हुई है। यह केवल एक देश की समस्या नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर जेल सुधार की आवश्यकता को दर्शाता है। साथियों बात अगर हम संचार और मानवीय संपर्कः एक नई पहल इसको समझने की करें तो, कैदियों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए संचार के साधनों को बढ़ाना आवश्यक है। इसी दिशा में भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय द्वारा एक प्रस्ताव लाया गया है, जिसमें कैदियों को अपने परिवारजनों से मुफ्त वीडियो और ऑडियो कॉल के माध्यम से संवाद करने की अनुमति देने की बात कही गई है।यह पहल कैदियों को मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखने और उनके सामाजिक संबंधों को बनाए रखने में मदद कर सकती है। आधुनिक तकनीक का उपयोग जेल सुधार के लिए एक प्रभावी माध्यम बन सकता है। साथियों बात अगर हम सुधार की दिशा में आवश्यक कदम को समझने की करें तो जेल सुधार के लिए बहु आयामी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। सबसे पहले, न्यायिक प्रक्रिया को तेज करना होगा ताकि विचाराधीन कैदियों की संख्या कम हो सके। इसके लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट, डिजिटल सुनवाई और वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र को बढ़ावा देना होगा।दूसरा, जेलों की क्षमता बढ़ाने और नए सुधार गृहों का निर्माण करना आवश्यक है। तीसरा, स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करना होगा,डॉक्टरों की भर्ती, नियमित स्वास्थ्य जांच और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करना होगा।चौथा कैदियों के लिए कौशल विकास और शिक्षा कार्यक्रम शुरू करने होंगे ताकि वे समाज में पुनः स्थापित हो सकें।पांचवां, जेल प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी, जिसमें स्वतंत्र निगरानी तंत्र की स्थापना महत्वपूर्ण होगी। साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्यः एक साझा चुनौती को समझने की करें तो जेलों की बदहाल स्थिति केवल भारत तक सीमित नहीं है। अमेरिका,ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और फिलीपींस जैसे देशों में भी जेलों में भीड़भाड़, हिंसा और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी जैसी समस्याएं मौजूद हैं।

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, चैत्र शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमे तिथि, दसवी, शनिवासरे, पुण्य नक्षत्रे, शुभ योगे, गर करणे, कर्क की चंद्रमा, मित्र योग, तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगी|

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य बुद्धिमान, चपल, चतुर, बैंक कर्मचारी, कैशियर, लिपिक, लेखापाल तथा मैनेजर एवं कमीशन एजेंट दलाल तथा कम्प्यूटर इंजीनियर, कम्प्यूटर ऑपरेटर तथा नई उपलब्धि वाला, उत्तम व्यापारी, उद्योगपति होगा।

मेष राशि :- कुटुम्ब की समस्याओं में समय बीते, धन व्यर्थ, व्यय हो, चिन्ता बनी रहेगी।

वृष राशि :- मानसिक बैचेनी क्लेश व आशांति के योग बनेंगे तथा कार्य का भार बढ़ेगा।

मिथुन राशि :- वृथा भ्रमण से धन हानि, आरोप, क्लेश से बचे, स्थिति संदिग्ध रहेगी।

कर्क राशि :- परिश्रम से कुछ सफलता मिले, अर्थ व्यवस्था की अनुकूलता होगी।

सिंह राशि :- मनोबल उत्साहवर्ध हो, कार्यगति में सुधार होगा, कार्य आनंददायक हो।

कन्या राशि :- धन लाभ, आशानुकूल सफलता से हर्ष, व्यक्तिगत मान प्रतिष्ठा।

तुला राशि :- इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे तथा सामाजिक कार्यों में प्रतिष्ठा बढ़ेगी, ध्यान दें।

वृश्चिक राशि :- भाग्य का सितारा प्रबल हो, कार्यगति में सुधार, बिगड़े कार्य अवश्य बनेंगे।

धनु राशि :- कुटुम्ब में धन का व्यय, मानसिक व्यग्रता, स्वभाव में बेचैनी अवश्य बनेगी।

मकर राशि :- चिन्ताएं दूर हो, सफलता के साधन अवश्य जुटाये, कार्य अवश्य ही बनेंगे।

कुंभ राशि :- स्त्रीवर्ग से हर्ष उल्लास, कार्यगति में अनुकूलता तथा चिन्ताएं कम होगी।

मीन राशि :- अधिकारियों से तनाव स्थिगित रखे, मित्रों से विवाद तथा धोखा बनेगा।

सान्या मल्होत्रा की फिल्म सुंदर पूनम की शूटिंग शुरु

बॉलीवुड में इन दिनों ऐसी फिल्मों का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है, जिनका कंटेंट दमदार हो। दर्शक अब सिर्फ मनोरंजन ही नहीं, बल्कि ऐसी कहानियां भी देखना चाहते हैं जो उन्हें भावनात्मक रूप से जोड़ सकें। इसी कड़ी में सान्या मल्होत्रा की आने वाली रोमांटिक थ्रिलर फिल्म सुंदर पूनम की चर्चा जोरों पर है। एक्ट्रेस ने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसे लेकर फैंस में काफी उत्साह देखा जा रहा है। सान्या मल्होत्रा ने इस खास मौके की झलक अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की है। उन्होंने फिल्म की शुरुआत करने से पहले मुहूर्त पूजा की और इसकी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में फिल्म का क्लैपबोर्ड नजर आ रहा है। इसके अलावा, वह को-स्टार्स के साथ कुछ कैंडिड मोमेंट्स वाले फोटो क्लिक करवाती दिख रही हैं। वहीं एक वीडियो में सान्या आरती करती हुई नजर आ रही है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने एक छोटा सा कैप्शन लिखा- सुंदर पूनम फिल्म की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है। इस फिल्म का निर्देशन पुलकित कर रहे हैं। वहीं फिल्म में सान्या के साथ आदित्य रावल भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। यह प्रोजेक्ट प्राइम वीडियो के 2026 के स्लेट का हिस्सा है।

हाल ही में फिल्म मेकर्स ने सुंदर पूनम का फर्स्ट लुक वीडियो जारी किया था, जिसमें सान्या मल्होत्रा दुल्हन बनी नजर आई। वीडियो में देखा जा सकता है कि सान्या के किरदार पूनम का फोन लगातार रिंग हो रहा है, जिसमें सुंदर और राजू नाम के नंबर से फोन आ रहे हैं। आखिर में दुल्हन बनी सान्या मुस्कुराती है और इसके बाद एक खबर की आवाज सुनाई देती है कि एक शादीशुदा जोड़ा कश्मीर में गायब हो गया।

फिल्म की कहानी के बारे में बात करें तो सुंदर पूनम में लव स्टोरी के साथ-साथ सस्पेंस और क्राइम का तड़का भी देखने को मिलेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की कहानी एक वास्तविक घटना से प्रेरित है। कहा जा रहा है कि यह 2025 में सामने आए एक चर्चित हनीमून मर्डर केस पर आधारित हो सकती है, जिसमें शादी के तुरंत बाद एक कारोबारी की हत्या कर दी गई थी।

इस फिल्म में एक नया शादीशुदा जोड़ा कश्मीर हनीमून पर जाता है। इस दौरान उनके अचानक लापता होने की खबर सामने आती है। इसके साथ ही दुल्हन पूनम से जुड़ा हैरान करने वाला सच भी सामने आता है। फिल्म की कहानी दर्शकों को चौंका देगी।

लॉफिंग ज़ोन

राहुल क्लास में बैठकर अखरोट खा रहा था। टीचर गुस्सा होते हुए बोलीं- अभी मैथ बनाने का समय है तो तुम अखरोट खा रहे हो ?

राहुल- मैथ बनाना है इसीलिए तो अखरोट खा रहा हूं मैम।

टीचर- मतलब ?

राहुल- आप कहती हैं थोड़ा दिमाग लगाकर मैथ बनाओ, अंग्रेजी वाली मैम कहती हैं तेरे पास दिमाग है ही नहीं और विज्ञान वाली मैम कहती हैं कि अखरोट खाने से दिमाग बढ़ता है। इसलिए मैं मैथ बनाने के पहले अखरोट खा रहा हूं।

□ □ □

बच्चा- पापा जल्दी ठंडा पानी लेकर मम्मा के पास चलो।

पापा- क्यों ?

बच्चा- मम्मा कह रही हैं कि पहले तेरे बाप के और अब तेरे लक्षण देख-देख कर मेरे देह में आग लग जाती है।

□ □ □

बच्चा- पापा जल्दी ठंडा पानी लेकर मम्मा के पास चलो।

पापा- क्यों ?

बच्चा- मम्मा कह रही हैं कि पहले तेरे बाप के और अब तेरे लक्षण देख-देख कर मेरे देह में आग लग जाती है।

□ □ □

आज का इतिहास 28 मार्च

1507 फ्रांस के लुई 12 वें के आगे जेनोआ 'इटली' ने हथियार डाल दिये.

1801 फ्रांस और नेपल्स के बीच शांति संधि हुई.

1854 ब्रिटेन ने रूस के खिलाफ जंग का ऐलान किया.

1898 जर्मनी ने अपनी नौसेना का व्यापक विस्तार शुरू किया.

1938 जापान ने नानकिंग में कठपुतली सरकार का गठन किया.

1939 स्पेनी ग्रहयुद्ध में मैड्रिक ने जनरल फ्रांसिस्को फ्रैको के आगे हथियार डाल दिये.

1941 नेताजी सुभाषचंद्र बोस बर्लिन पहुंचे.

1945 द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मनी ने वी-2 राकेट से ब्रिटेन पर हमला किया.

1945 अमेरिका ने सेबू,फिलीपींस पर हमला किया.

1947 ब्रिटेन ने साइप्रस छोड़कर कहीं भी जाने की शर्त पर आर्कबिशप मकारियोस को रिहा किया.

1974 इथोपिया में देशभर में असंतोष के कारण सरकार भी निष्प्रभाव हो गई.

1986 होंडुराम के साथ युद्ध में निकारगुवा ने बड़ी संख्या में सैनिक भेजे.

1997 दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला की भारत यात्रा.

1997 बंगाल की प्रख्यात लेखिका महाश्वेता देवी को ज्ञानपीठ पुरस्कार.

2000 धारावाहिक मोस्ट वांटेड के निर्माता सुहेब इलियासी को पुलिस ने उनकी पत्नी की दहेज हत्या के आरोप पर गरिफ्तार किया.

2005 उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में जहरीली शराब से 13 लोग मरे.

2007 विश्व के सबसे लंबे व्यक्ति चीन के बाओ चिशुन (7 फीट 9 इंच) का विवाह जिया शुजान नामक युवती से हुआ.

फिल्म 'द टेरर रिपोर्ट' लेकर आ रहे निर्देशक विष्णु वर्धन

बालाजी टेलीफिल्म्स और एलिप्सिस एंटरटेनमेंट ने एक बड़ी राजनीतिक थ्रिलर फिल्म 'द टेरर रिपोर्ट' बनाने के लिए हाथ मिलाया है। फिल्म का निर्देशन 'शेरशाह' फेम विष्णु वर्धन करेंगे। यह फिल्म वास्तविक घटनाओं पर आधारित होगी और भारत पर हुए आतंकी हमलों के साथ ही देश की ओर से दिए गए कड़े जवाबी हमलों को भी बड़े दिखाएगी। 'द साबरमती रिपोर्ट' की अगली कड़ी के रूप में यह फिल्म सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत की लंबी लड़ाई को विस्तार से पेश करेगी। मेकर्स के अनुसार, फिल्म में जांच की पेचीदगियां, खुफिया अभियान और हालिया सुरक्षा संबंधी घटनाओं को गहराई से दिखाया जाएगा। इस अनोखे सहयोग में बालाजी और एलिप्सिस की रचनात्मक ताकत और विष्णु वर्धन की शानदार निर्देशन शैली एक साथ नजर आएगी। निर्माताओं में एकता कपूर, शोभा कपूर, तनुज गर्ग और अतुल कसबेकर शामिल हैं। फिल्ममेकर्स का मानना है कि यह प्रोजेक्ट न सिर्फ मनोरंजन करेगा, बल्कि देश की सुरक्षा और आतंकवाद विरोधी अभियानों के बारे में दर्शकों को जागरूक भी करेगा।

विष्णु वर्धन ने पहले 'शेरशाह' जैसी फिल्म से राष्ट्रीय स्तर पर सराहना बटोरी है। अब 'द टेरर रिपोर्ट' के जरिए वे एक बार फिर वास्तविक घटनाओं पर आधारित शक्तिशाली कहानी पेश करने जा रहे हैं। फिल्म की शूटिंग और रिलीज डेट की जानकारी जल्द ही जारी किए जाने की उम्मीद है। वहीं, विक्रांत मैसी, राशी खन्ना और रिद्धि डोगरा स्टारर द साबरमती रिपोर्ट साल 2024 में रिलीज हुई थी। यह फिल्म विवादास्पद रही और रिलीज के बाद कई राज्यों में टैक्स-फ्री घोषित की गई।

बहादुर योद्धा की कहानी पर बनी हैं फिल्म सुंदरावली'

साल 20226 में बॉलीवुड की कई बड़ी फिल्मों की रिलीज को लेकर उत्साह बना हुआ है। ऐसी ही एक फिल्म 'स्वयंभू' चर्चा में है। यह फिल्म एक बहादुर योद्धा की कहानी को दर्शाती है, जिसने अपनी वीरता से इतिहास की दिशा बदल दी। फिल्म में अभिनेता निखिल सिद्धार्थ और अभिनेत्री नाभा नतेश अहम भूमिका निभा रही हैं, जिनका किरदार कहानी में भावनात्मक गहराई जोड़ता है। नाभा नतेश ने एक इंटरव्यू में अपने किरदार 'सुंदरावली' के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि सुंदरावली एक क्लासिकल डांसर है, जो उसी गांव में पली-बढ़ी है जहां निखिल का किरदार रहता है। वह नायक के व्यक्तित्व को गहराई से समझती है और उसके जीवन के हर उतार-चढ़ाव से परिचित है। नाभा के मुताबिक, उनका किरदार सिर्फ एक साथी नहीं, बल्कि नायक की ताकत का आधार है। उन्होंने बताया कि सुंदरावली उस भावना का प्रतीक है, जो अक्सर पर्दे के पीछे रहकर किसी की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब नायक कठिन परिस्थितियों से गुजरता है, तब सुंदरावली ही उसे संभालती है और दोबारा खड़े होकर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने का आत्मविश्वास देती है। यही मोड़ कहानी को नई दिशा देता है और नायक

के संघर्ष को निर्णायक रूप में बदल देता है। फिल्म 'स्वयंभू' का निर्माण भुवन और श्रीकर ने पिक्सेल स्टूडियो के बैनर तले किया है, जबकि इसे टैगोर मधु ने प्रस्तुत किया है। इस प्रोजेक्ट को लेकर दर्शकों में पहले से ही काफी उत्सुकता देखी जा रही है। फिल्म के लिए निखिल सिद्धार्थ ने वियतनाम में विशेष मार्शल आर्ट्स ट्रेनिंग ली है। उन्होंने तलवारबाजी में भी विशेष महारत हासिल की है और वे दोनों हाथों से तलवार चलाने में सक्षम हो गए हैं। फिल्म के अन्य कलाकारों को भी एक्शन दृश्यों के लिए प्रशिक्षित किया गया है। इसके लिए वियतनाम से एक्सपर्ट्स को बुलाया गया, ताकि स्टंट और क्लाइमेक्स सीक्वेंस को यथार्थ के करीब पेश किया जा सके।

दैनिक पंचांग

28 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

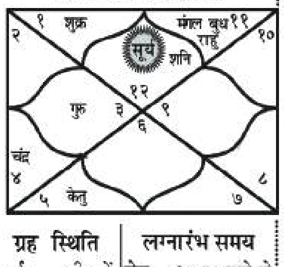

शनिवार 2026 वर्ष का 87 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि दशमी 08.46 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुष्य 14.50 बजे को समाप्त।
योग सुकर्मा 20.06 बजे को समाप्त।
करण गर 08.46 बजे तदनन्तर वणिज 20.14 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 8.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 02° 54'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872662
जूलियन दिन 2461127.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल
तारीख 08

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.52 बजे से
चंद्र	कर्क में	वृष	08.32 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	10.30 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.43 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.59 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	17.11 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.22 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	21.37 ब.से.
केतु	सिंह में	धनु	23.53 बजे से
राहुकाल	9.00 से 10.30 बजे तक	मकर	01.58 बजे से
		कुंभ	03.44 बजे से
		मीन	05.17 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म फॉरेस्ट रेंजर के लिए मार्शल आर्ट्स सीख रही कृष्णा गौतम

अपनी आने वाली फिल्म फॉरेस्ट रेंजर के लिए एक्ट्रेस कृष्णा गौतम जोरदार तैयारी में जुटी हुई हैं। यह फिल्म फिलहाल प्री-प्रोडक्शन चरण में है। अपने किरदार को पूरी तरह वास्तविक और प्रभावशाली बनाने के लिए अभिनेत्री इन दिनों कड़ी ट्रेनिंग ले रही हैं और खास तौर पर मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) सीख रही हैं। जानकारी के अनुसार, कृष्णा गौतम अपने एक्शन अवतार को विश्वसनीय बनाने के लिए लंबे समय तक ट्रेनिंग सेशन्स में हिस्सा ले रही हैं। इन सत्रों में वह अपनी ताकत, फुर्ती और कॉम्बैट तकनीकों को बेहतर बनाने पर खास ध्यान दे रही हैं। इस कठोर अभ्यास से साफ झलकता है कि वह अपने किरदार को पर्दे पर पूरी मजबूती और वास्तविकता के साथ प्रस्तुत करना चाहती हैं। अभिनेत्री अपनी एमएमए ट्रेनिंग की झलकियां समय-समय पर सोशल मीडिया पर भी साझा कर रही हैं।

इन वीडियोज और तस्वीरों के जरिए उनके प्रशंसकों को यह देखने का मौका मिल रहा है कि किसी एक्शन आधारित किरदार को निभाने के लिए कलाकारों को कितनी मेहनत और तैयारी करनी पड़ती है। उनके ट्रेनिंग सेशन्स में हाई-इंटेंसिटी वर्कआउट, फाइटिंग मूव्स और स्टैमिना बढ़ाने वाले अभ्यास शामिल हैं। कृष्णा गौतम को अपने किरदारों के साथ नए-नए प्रयोग करने के लिए जाना जाता है। इसी कड़ी में 'फॉरेस्ट रेंजर' उनके करियर का एक अलग और चुनौतीपूर्ण प्रोजेक्ट माना जा रहा है। इस फिल्म के जरिए वह पहली बार पूरी तरह एक्शन जॉनर को एक्सप्लोर करती नजर आएंगी।

फिल्म में तेज रफ्तार एक्शन और रोमांचक घटनाओं की भरमार होने की उम्मीद है, जिसके लिए अभिनेत्री का नया ट्रांसफॉर्मेशन पहले ही दर्शकों और फिल्म इंडस्ट्री के लोगों के बीच उत्सुकता पैदा कर चुका है। फिल्म के निर्माताओं की योजना इसे वर्ष 2027 में रिलीज करने की है। हालांकि अभी फिल्म से जुड़ी कई अन्य जानकारियां सामने आना बाकी हैं, लेकिन प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा अभी से तेज हो गई है। दर्शक भी कृष्णा गौतम को इस नए और दमदार अवतार में बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित नजर आ रहे हैं।

फिल्म धुरंधर 2 से बेहद प्रभावित हुई प्रिटी जिंटा

बॉलीवुड की फिल्म धुरंधरः द रिवेंज रिलीज हो गई है। फिल्म से जुड़े कई वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिनमें 'नोटबंदी' जैसे घटनाक्रम और अंडरवर्ल्ड डॉन दाउड इब्राहिम से प्रेरित किरदार की झलक दिखाई दे रही है। रणवीर सिंह और संजय दत्त स्टारर फिल्म देखने के बाद अभिनेत्री प्रिटी जिंटा ने इसकी जमकर तारीफ की है। वह अपने दोस्त अर्जुन रामपाल, जो फिल्म में मेजर इकबाल का किरदार निभा रहे हैं, के साथ प्री-प्रीव्यू में शामिल हुईं। फिल्म को लेकर उनका उत्साह साफ नजर आया और उन्होंने कहा कि 'धुरंधर' नाम जितना दमदार है, फिल्म उससे भी ज्यादा प्रभावशाली है। प्रीति जिंटा ने खास तौर पर रणवीर सिंह के अभिनय की सराहना की और उन्हें फिल्म की 'जान' बताया। उन्होंने कहा कि फिल्म में जिस तरह बदले की कहानी को दिखाया गया है, वह दर्शकों को बांधकर रखने वाला है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने अनुभव साझा करते हुए लिखा कि फिल्म का निर्देशन, अभिनय, संगीत, संपादन, कहानी और कास्टिंग—हर पहलू शानदार है। उनके मुताबिक फिल्म देखने के बाद उनकी मां ने भी इसे दोबारा थिएटर में देखने की इच्छा जताई। फिल्म के निर्देशक आदित्य धर की भी उन्होंने खुलकर तारीफ की और दर्शकों को बेहतरीन सिनेमाई अनुभव देने के लिए धन्यवाद कहा। रणवीर सिंह के बारे में उन्होंने लिखा कि उनका प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली है, जिसमें गहराई, ईमानदारी और शानदार रेंज देखने को मिलती है।

प्रीति के अनुसार रणवीर ने अपने किरदार को बारीकी से समझकर उसे पर्दे पर पूरी ताकत के साथ उतारा है। प्रीति जिंटा ने फिल्म के अन्य कलाकारों की भी सराहना की। आर. माधवन और अर्जुन रामपाल के अभिनय को भी उन्होंने बेहतरीन बताया। उनके मुताबिक फिल्म में इमोशन, साजिश और हिम्मत का जबरदस्त मिश्रण देखने को मिलता है, जो दर्शकों को अंत तक बांधे रखता है। फिल्म के प्री-प्रीव्यू के बाद सोशल मीडिया पर इसके कई क्लिप्स वायरल हो रहे हैं। इनमें रणवीर सिंह के एक खास सीन को लेकर काफी चर्चा है, जिसमें उनका दमदार अवतार देखने को मिल रहा है।

संक्षिप्त खबरें

भारत ने डब्ल्यूटीओ से विवाद निपटान प्रणाली को सक्रिय करने का आह्वान किया

मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 29 मार्च को समाप्त होगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। कैमरून के याओन्डे में विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी14) के पहले दिन वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सदस्य देशों से विवाद निपटान प्रणाली को पूरी तरह से सक्रिय करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा अपीलीय निकाय में नियुक्तियों में बाधा डालने के कारण यह प्रणाली 2009 से ठीक से काम नहीं कर रही है। मंत्री ने इसे स्वचालित और बाध्यकारी बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। गोयल ने कहा कि 1998 से इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन पर सीमा शुल्क नहीं लगाने की डब्ल्यूटीओ सहमति को लेकर सावधानीपूर्वक पुनर्विचार जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसके दायरे और संभावित राजस्व प्रभावों को ध्यान में रखते हुए ही स्थगन को आगे बढ़ाया जाना चाहिए। मंत्री ने जोर दिया कि डब्ल्यूटीओ सुधार पारदर्शी, समावेशी और सदस्य-संचालित प्रक्रिया के माध्यम से होने चाहिए। उन्हें विकास, समानता और गैर-भेदभाव जैसे मूलभूत सिद्धांतों के पालन पर विशेष ध्यान रखना चाहिए। गोयल ने कहा कि खाद्य सुरक्षा के लिए सार्वजनिक भंडारण, विशेष सुरक्षा उपाय और कपास पर स्थायी समाधान लंबित मुद्दे हैं और इन्हें प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाना चाहिए। उन्होंने मछली पकड़ने के लिए व्यापक सब्सिडी समझौते* पर चर्चा की आवश्यकता पर बल दिया, जो गरीब मछुआरों की आजीविका सुरक्षित रखे और संसाधनों के संतुलित उपयोग को सुनिश्चित करे। गोयल ने कहा कि डब्ल्यूटीओ को वैश्विक व्यापार का केंद्र बनाए रखना जरूरी है। सुधारों का लक्ष्य जवाबदेही बढ़ाना, विकास और समावेश को बढ़ावा देना, और गरीब व कमजोर देशों के हितों की रक्षा करना होना चाहिए। चार दिवसीय मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 29 मार्च को समाप्त होगा।

ओला इलेक्ट्रिक ने लॉन्च किया एस1 एक्स स्कूटर, कीमत 49,999 रुपए से

नई दिल्ली (ईएमएस)। ओला इलेक्ट्रिक ने भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों के तेजी से अपनाने को बढ़ावा देने के लिए 'एंड आईसीई एज' अभियान शुरू किया है। इस पहल के तहत कंपनी अपने एस1 एक्स (2 किलोवाट-घंटा) और रोडस्टर एक्स (2.5 किलोवाट-घंटा) मॉडल की शुरुआती कीमत केवल 49,999 रुपये रख रही है। इसके अलावा पूरे उत्पाद समूह पर 50,000 रुपये तक के लाभ भी मिलेंगे, जो 31 मार्च, 2026 तक मान्य होंगे। ओला इलेक्ट्रिक ने ग्राहकों के लिए सेवा और भरोसे के कई उपाय किए हैं। अब सभी एस1 स्कूटर और रोडस्टर मोटरसाइकिल पर 8 साल की विस्तारित वारंटी दी जाएगी। इसके साथ ही तय समय के भीतर सेवा, खरीद वापसी गारंटी और यदि सेवा में देरी होती है तो फ्री टैक्सी सुविधा भी उपलब्ध होगी। कंपनी का कहना है कि यह पहल ग्राहकों को लंबी अवधि तक सुविधा और भरोसा देती है। ओला इलेक्ट्रिक के एक अधिकारी के अनुसार कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव ने ऊर्जा सुरक्षा के महत्व को फिर से उजागर किया है। उन्होंने कहा कि देश को वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की ओर तेजी से बढ़ना होगा। 'एंड आईसीई एज' अभियान का उद्देश्य ग्राहकों को किफायती कीमत, भरोसेमंद सेवा और भविष्य में आसान बदलाव के साथ इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

दिल्ली हवाई अड्डा में विदेशी एयरलाइनों को अस्थायी अतिरिक्त स्लॉट आवंटित

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डीआईएएल) ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में व्यवधान के बीच कुछ विदेशी एयरलाइनों को अस्थायी अतिरिक्त स्लॉट आवंटित किए हैं। यह कदम यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करने और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के संचालन में होने वाले व्यवधान को कम करने के उद्देश्य से उठाया गया है। सूत्रों के अनुसार ये अतिरिक्त स्लॉट अप्रैल और मई के महीने के लिए हैं। इन एयरलाइनों में केएलएम और एयर कनाडा शामिल हैं। डायल का यह कदम एयरलाइनों को अधिक उड़ानें संचालित करने और यात्रियों को बेहतर विकल्प देने में मदद करेगा। इससे यह सुनिश्चित होगा कि हवाई यात्रा में किसी भी तरह की व्यवधान का असर कम से कम महसूस हो। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईजीआईए) देश का सबसे बड़ा और व्यस्ततम हवाई अड्डा है। यह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में कार्य करता है। डायल द्वारा अतिरिक्त स्लॉट आवंटन यह दर्शाता है कि हवाई अड्डा विदेशी एयरलाइनों को समर्थन देने और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की निरंतरता बनाए रखने के लिए सक्रिय कदम उठा रहा है।

होर्मुज स्ट्रेट खुला लेकिन समुद्री बीमा प्रीमियम महंगा, शिपिंग लागत और जोखिम बढ़े

नई दिल्ली (ईएमएस)। ईरान ने कहा है कि गैर-आक्रामक जहाज होर्मुज स्ट्रेट से गुजर सकते हैं यदि वे ईरानी अधिकारियों के साथ समन्वय करें। हालांकि यह कदम कुछ राहत देने वाला प्रतीत हो सकता है, बीमा विशेषज्ञों का मानना है कि क्षेत्रीय अनिश्चितता और हालिया तनावों के कारण समुद्री युद्ध बीमा प्रीमियम अभी भी ऊंचे रहेंगे। एक समुद्री विशेषज्ञ ने कहा कि हाल की घोषणाओं से प्रीमियम में कोई तत्काल कमी नहीं आएगी। स्थिति अस्थिर बनी हुई है और किसी भी नए हमले या तनाव से प्रीमियम फिर बढ़ सकते हैं। वर्तमान में युद्ध बीमा पर लगभग 0.5 प्रतिशत और समुद्री पतवार बीमा पर 5–7.5 प्रतिशत अतिरिक्त प्रीमियम लगाया जा रहा है। होर्मुज स्ट्रेट के माध्यम से दुनिया के लगभग एक-पांचवां तेल और एलएनजी शिपमेंट गुजरते हैं। हाल के हमलों और राजनीतिक तनाव ने कई पुनर्बीमाकर्ताओं को इस मार्ग को उच्च जोखिम क्षेत्र घोषित करने और बीमा दरें बढ़ाने के लिए मजबूर किया है। कई शिपिंग कंपनियों ने इस मार्ग से आवागमन भी रोक दिया है। लाल सागर और काला सागर के साथ यह क्षेत्र भी मौजूदा तनाव के कारण उच्च जोखिम वाला माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि केवल ईरान की घोषणा से समुद्री युद्ध बीमा दरों में कमी संभव नहीं। स्थायी शांति और स्पष्ट राजनीतिक समाधान के बिना प्रीमियम ऊंचे बने रहेंगे। बीमा कंपनियों की नजर सतर्क रहेगी और समय के साथ स्थिरता दिखाई देने तक उच्च प्रीमियम जारी रहेंगे।

मिडिल ईस्ट तनाव का असर, रुपया टूटा 94 प्रति डॉलर के पार पहुंचा

महंगे कच्चे तेल और बढ़ती डॉलर मांग ने भारतीय मुद्रा पर बढ़ाया दबाव

मुंबई (ईएमएस)। मिडिल ईस्ट में जारी भू-राजनीतिक तनाव अब वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहरा असर डाल रहा है, और भारत भी इससे अछूता नहीं है। शुक्रवार को भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। दिन के कारोबार के दौरान रुपया 94.1575 प्रति डॉलर तक गिर गया, जो इससे पहले के 93.98 के रिकॉर्ड स्तर से भी नीचे है। पिछले कुछ हफ्तों में रुपया करीब 3.5 फीसदी तक कमजोर हो चुका है। इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह कच्चे तेल की कीमतों में तेजी है। मिडिल ईस्ट में संघर्ष के कारण तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंका बनी हुई है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई हैं। भारत, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इस स्थिति से सीधे प्रभावित हो रहा है। तेल महंगा होने पर भारत को अधिक डॉलर खर्च करने पड़ते हैं, जिससे डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपया कमजोर होता है। इसका असर सिर्फ मुद्रा तक सीमित नहीं है। वैश्विक शेयर बाजारों में गिरावट और बॉन्ड यील्ड में तेजी से निवेशकों की चिंता बढ़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ती महंगाई को नियंत्रित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक को ब्याज दरें बढ़ानी पड़ सकती हैं। वहीं, कुछ विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि यदि हालात नहीं सुधरे तो रुपया 98 प्रति डॉलर तक भी जा सकता है। यह संकट भारत की अर्थव्यवस्था के लिए नई चुनौतियां खड़ी कर रहा है, जिसका असर आम लोगों की जेब पर भी साफ दिखाई दे सकता है।

अल्ट्राटेक और जेपीएस विवाद खत्म अडानी समूह को मिली राहत

10 साल से चले आ रहे पुराने विवाद का हुआ अंत

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिग्गज कारोबारी गौतम अडानी के हाथों में जेपी एसोसिएट्स (जेपीएएल) आने के बाद 10 साल से चले आ रहे विवाद का अंत हो गया है। अल्ट्राटेक सीमेंट और जेपीएस के बीच उत्तर प्रदेश की डल्ला सुपर यूनिट और संबंधित खानों को लेकर विवाद का समाधान आउट ऑफ कोर्ट सेटलमेंट के जरिए हुआ। इस फैसले से तीनों पक्षों को लाभ हुआ है। विवाद 2016 में शुरू हुआ, जब अल्ट्राटेक ने यूपी की डल्ला सुपर यूनिट और उसकी खानों को खरीदने के लिए जेपीएस से सौदा किया। डील के तहत यूपी, हिमाचल, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश में स्थित 6 प्लांट और 5 ग्राइंड यूनिट बेची गई। कुल डील की वैल्यू 16,189 करोड़ रुपये थी। अल्ट्राटेक ने डल्ला सुपर यूनिट और खानों के लिए जेपीएस को 1 लाख तरजीही शेयर जारी किए, जिनकी कुल कीमत 1,000 करोड़ रुपये थी। ये शेयर एसक्रो अकाउंट में रखे गए और कुछ शर्तें पूरी होने पर ही रिडीम हो सकते थे। विवाद का कारण रिडेम्पशन में देरी और अप्रूवल पेंडिंग शर्त थी। अल्ट्राटेक ने बताया कि 26 मार्च, 2026 को मध्यस्थता और अंतिम निर्णय के बाद डल्ला सुपर यूनिट और खानों में सभी अधिकार अल्ट्राटेक को मिल गए। इससे जुड़े सभी दावे, आय और जिम्मेदारियां समाप्त हो गई हैं। अब 1,000 करोड़ रुपये के शेयर रिडीम किए गए और एसक्रो अकाउंट के जरिए सीधे कर्जदाताओं को पैसा मिलेगा। जेपीएस की खरीद के लिए अडानी समूह ने 14,535 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी, जिसे एनसीएलटी ने मंजूरी दी। विवाद सुलझने के बाद अडानी समूह पर 1,000 करोड़ रुपये का कैश आउटफ्लो कम हुआ। हालांकि, अल्ट्राटेक की बढ़ी ताकत अब सीमेंट बाजार में अडानी के लिए चुनौती भी बनेगी। अल्ट्राटेक को विवाद के समाधान से डल्ला सुपर यूनिट और खानों पर पूर्ण अधिकार मिला। इससे कंपनी का उत्पादन बढ़ेगा और बाजार हिस्सेदारी मजबूत होगी। वहीं, अडानी समूह अपने मौजूदा प्लांट और अधिग्रहण के माध्यम से उत्पादन बढ़ाने की योजना पर काम कर रहा है।

पेट्रोल पर तीन व डीजल पर 10 रुपए घटी एक्साइज ड्यूटी, तेल कंपनियों को फायदा

आम उपभोक्ताओं को तुरंत राहत मिलने की संभावना नहीं, कच्चे तेल की कीमतों पर निर्भर रहेगा आगे का असर

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल और एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) पर टैक्स और निर्यात नियमों में बड़ा बदलाव करते हुए एक्साइज ड्यूटी में भारी कटौती की है। हालांकि इस फैसले से आम उपभोक्ताओं को तुरंत राहत मिलने की संभावना नहीं है, क्योंकि पेट्रोल-डीजल के रिटेल दामों में फिलहाल कोई कमी नहीं की गई है। सरकार का यह कदम ऊर्जा क्षेत्र में टैक्स ढांचे को सरल और तार्किक बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी में बड़ा बदलाव किया है। पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी को 13 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 3 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है, जबकि डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर की ड्यूटी को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार ये नए नियम तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं। हालांकि इस कटौती के बावजूद आम लोगों को पेट्रोल-डीजल के दामों में किसी तरह की राहत नहीं मिलेगी। इसकी मुख्य वजह यह है कि तेल विपणन कंपनियां इस कटौती से होने वाले लाभ का उपयोग अपने नुकसान की भरपाई करने में करेंगी। पिछले समय में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल के कारण इन कंपनियों को नुकसान उठाना पड़ा था। ऐसे में अब लागत कम होने से उनके मुनाफे और कैश फ्लो में सुधार होगा। सरकार ने केंद्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 2017 में भी संशोधन किया है। इसके तहत पेट्रोल, हाई-स्पीड डीजल (एचएसडी) और एटीएफ पर नियम 18 और 19 के प्रावधान लागू नहीं होंगे। हालांकि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों को पड़ोसी देशों नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और श्रीलंका को ईंधन निर्यात करने पर पहले की तरह छूट मिलती रहेगी। निर्यात के मोर्चे पर भी सरकार ने अहम बदलाव किए हैं। हाई-स्पीड डीजल के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क 18.5 रुपये प्रति लीटर तय किया गया है, जबकि पेट्रोल के निर्यात पर इस शुल्क को शून्य रखा गया है। इससे पेट्रोल निर्यात को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा निर्यात और विदेशी एयरलाइंस को ईंधन आपूर्ति के मामलों में बुनियादी उत्पाद शुल्क और कृषि उपकर को हटाने का फैसला किया गया है। एविएशन सेक्टर के लिए भी राहत की घोषणा की गई है। एटीएफ पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क को बढ़ाकर 50 रुपये प्रति लीटर किया गया था, लेकिन एक अलग अधिसूचना के जरिए प्रभावी दर को घटाकर 29.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। साथ ही, आयातित एटीएफ पर अतिरिक्त सीमा शुल्क को भी हटा दिया गया है, जिससे एयरलाइंस की लागत कम हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार के इन फैसलों से ऊर्जा क्षेत्र में टैक्स ढांचे में स्पष्टता आएगी और निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। हालांकि, इसका अंतिम असर अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों और बाजार की स्थिति पर निर्भर करेगा। फिलहाल, यह कदम तेल कंपनियों के लिए राहत भरा साबित होगा, जबकि आम जनता को सस्ते ईंधन के लिए अभी इंतजार करना पड़ सकता है।

300 की रफ्तार वाली सुपरबाइक्स कावासाकी की 6 धाकड़ मशीनें

नई दिल्ली (ईएमएस)। दुनियाभर में अपनी तेज रफ्तार और दमदार परफॉर्मेंस के लिए कावासाकी की 'निंजा' सीरीज जानी जाती है। कंपनी के कई मॉडल्स अब यहां उपलब्ध हैं, जो स्पीड और टेक्नोलॉजी का शानदार मेल पेश करते हैं। इस लिस्ट में सबसे आगे कावासाकी निंजा एच2 एसएक्स एसई है, जिसे कंपनी की सबसे पावरफुल बाइक माना जाता है। इसमें 998सीसी का सुपरचार्ज्ड इंजन दिया गया है, जो करीब 330 किमी/घंटा की टॉप स्पीड हासिल कर सकता है। एडैप्टिव क्रूज कंट्रोल और रडार जैसे फीचर्स इसे हाई-टेक बनाते हैं। वहीं कावासाकी निंजा झेडएक्स-10आर रेसिंग ट्रैक की पसंदीदा बाइक है। इसका 998सीसी इंजन करीब 197बीएचपी की पावर देता है और इसकी टॉप स्पीड लगभग 299 किमी/घंटा है। इसकी कीमत करीब 20.79 लाख रुपये है। कावासाकी झेड एच2 एसई एक नेकेड सुपरबाइक है, जिसमें 200बीएचपी की ताकत मिलती है।

बिना फेयरिंग के बावजूद यह बाइक करीब 290 किमी/घंटा की स्पीड पकड़ सकती है। मिडल-वेट सेगमेंट में कावासाकी निंजा झेडएक्स-6आर को खास माना जाता है। 636 सीसी इंजन के साथ यह बाइक 260 किमी/घंटा से ज्यादा की रफ्तार पकड़ती है और बेहतरीन कंट्रोल देती है। इसके अलावा कावासाकी निंजा 1100एसएक्स उन राइडर्स के लिए है, जो स्पीड के साथ आराम भी चाहते हैं। यह बाइक करीब 250 किमी/घंटा तक की रफ्तार देती है और लंबी दूरी के सफर के लिए उपयुक्त है।

शेयर बाजार में उथल-पुथल के बीच राइट्स इश्यू ने क्यूआईपी को पीछे छोड़ा

राइट्स इश्यू की संख्या कई दशक के उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। वित्त वर्ष 2025-26 में शेयर बाजार में अस्थिरता के चलते कंपनियों ने पूंजी जुटाने के तरीके बदल दिए। इस साल राइट्स इश्यू की संख्या दोगुनी से भी ज्यादा बढ़कर 51 हो गई, जो वित्त वर्ष 1997 के बाद सबसे अधिक है। कंपनियों ने इन निर्गमों से लगभग 44,290 करोड़ रुपए जुटाए। प्रमुख राइट्स इश्यू में अदाणी एंटरप्राइजेज ने 24,930 करोड़ रुपए और महिंद्रा ऐंड महिंद्रा फाइनैंशियल सर्विसेज ने 3,000 करोड़ रुपए जुटाए। इसके विपरीत क्यूआईपी निर्गम में तेज गिरावट आई। वित्त वर्ष 2026 में 29 फर्मों ने क्यूआईपी के माध्यम से 62,954 करोड़ रुपए जुटाए, जबकि पिछले साल 85 फर्मों ने 1.31 लाख करोड़ रुपए जुटाए थे। गिरावट के पीछे बाजार में अस्थिरता और निवेशकों की कम रुचि प्रमुख कारण मानी जा रही है। निवेश बैंकरों का कहना है कि अमेरिकी शुल्क, वैश्विक तनाव और तेल की बढ़ी कीमतों के कारण निवेशकों की दिलचस्पी कम हो गई। इक्विरस कैपिटल के भावेश ए शाह के अनुसार, क्यूआईपी बाहरी निवेशकों पर निर्भर करता है, जो बाजार के उतार-चढ़ाव के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। वहीं राइट्स इश्यू में मौजूदा शेयरधारकों से पूंजी जुटाई जाती है, जिससे अस्थिर बाजार में यह अधिक व्यवहारिक बन जाता है। सेबी ने राइट्स इश्यू की प्रक्रिया को सरल बनाया है। अब बोर्ड की मंजूरी के बाद निर्गम 23 कार्यदिवस में लाया जा सकता है, मसौदा पत्र जमा करने की जरूरत नहीं और मर्चेंट बैंकर नियुक्त करने की बाध्यता भी समाप्त कर दी गई है। राइट्स इश्यू आम तौर पर शेयरधारकों को रियायती दर पर शेयर उपलब्ध कराता है, जिससे निवेशकों को लाभ होता है।

सोने-चांदी की कीमतों में उछाल एमसएक्स पर सोना 1,40,780 के पार

सोने 1200 रुपये महंगा, चांदी 4300 रुपए चढ़ी

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने और चांदी की कीमतों में शुक्रवार को मजबूती देखने को मिली है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसएक्स) पर सोना करीब 1,200 रुपए की बढ़त के साथ 1,40,780 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। वहीं चांदी भी 4,300 रुपए चढ़कर 2,24,120 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी दोनों कीमती धातुओं में तेजी दर्ज की गई है, जहां सोना 1.26 फीसदी बढ़कर 4432.50 डॉलर प्रति औंस और चांदी 2 फीसदी से अधिक बढ़कर करीब 69.36 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रही है। देश के प्रमुख शहरों में भी सोने के दाम ऊंचे बने हुए हैं। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,44,690 रुपए और 22 कैरेट 1,32,640 रुपए प्रति 10 ग्राम बिक रहा है। मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में 24 कैरेट सोने का भाव 1,44,540 रुपए और 22 कैरेट 1,32,490 रुपए के आसपास है। सराफा बाजार में चांदी का भाव लगभग 2,49,900 रुपए प्रति किलो दर्ज किया गया। विशेषज्ञों के अनुसार, हालिया तेजी के पीछे कई कारण हैं। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम होने से बाजार में असमंजस बना हुआ है। ऊंची ब्याज दरें सोने में निवेश को कम आकर्षक बनाती हैं, क्योंकि इसमें ब्याज नहीं मिलता। इसके अलावा मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव ने भी सुरक्षित निवेश के रूप में सोने-चांदी की मांग बढ़ाई है। साथ ही विदेशी निवेशकों की बिकवाली से रुपया कमजोर हुआ है, जिससे आयात महंगा हो गया और कीमतों पर असर पड़ा। आने वाले दिनों में वैश्विक संकेतों के आधार पर इनकी कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है।

गोल्डमैन सैक्स ने निफ्टी-50 का टारगेट घटाकर 25,300 किया

भारत की कंपनियों की कमाई के अनुमान भी घटाए

नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिकी इन्वेस्टमेंट बैंक और फाइनेंशियल सर्विसेस कंपनी गोल्डमैन सैक्स ने भारत के शेयर बाजार पर अपनी राय बदल दी है। कंपनी ने भारत को पहले ओवरवेट से बदलकर मार्केटवेट कर दिया है। निफ्टी 50 का 12 महीने का टारगेट 29,500 से घटाकर 25,300 कर दिया गया है। इस बदलाव का मुख्य कारण पश्चिम एशिया में चल रहा इजराइल-ईरान संघर्ष और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तेल की सप्लाई पर असर है। इसके चलते तेल और गैस की कीमतों में वृद्धि की आशंका बढ़ गई है, जो भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए महंगी साबित होगी। गोल्डमैन सैक्स ने भारत की कंपनियों की कमाई के अनुमान भी घटाए हैं। 2026 के लिए अर्निंग्स ग्रोथ 16 फीसदी से घटकर 8 फीसदी रह गई है, जबकि 2027 के लिए यह 14 फीसदी से घटकर 13 फीसदी रह गया है। इसके अलावा भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 5.9 फीसदी किया गया है। महंगाई में 70 बेसिस पॉइंट का इजाफा और करंट अकाउंट डेफिसिट 2 फीसदी जीडीपी तक बढ़ने का अंदेशा है। रुपये पर दबाव और संभावित 50 बेसिस पॉइंट की दर वृद्धि भी बाजार पर असर डाल सकती है। सितंबर 2024 के बाद से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय शेयरों से 42 बिलियन डॉलर निकाले हैं। कमाई में कटौती और एआई से जुड़े जोखिम के कारण, गोल्डमैन का मानना है कि विदेशी निवेशक जल्दी वापस नहीं आएंगे। कंपनी ने कुछ सेक्टर्स को पॉजिटिव माना है जैसे बैंक, स्टेपल्स, टेलीकॉम, डिफेंस और एनर्जी। घरेलू साइक्लिकल सेक्टर्स जैसे ड्यूरेबल्स, ऑटो और एनबीएफसीएस को मार्केटवेट किया गया है, जबकि ओएमसी को अंडरवेट कर दिया गया है। गोल्डमैन सैक्स का यह डाउनग्रेड बाजार को सतर्क करने का संकेत है। बढ़ते तेल दाम, महंगाई और कमजोर विदेशी निवेश प्रवाह से निकट अवधि में बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ सकते हैं। निवेशकों को अपनी रिसर्च और विशेषज्ञ सलाह के आधार पर ही निर्णय लेना चाहिए।

एनसीआर में तीन गुना महंगी हो गई प्रॉपर्टी, सिर्फ तीन साल में बढ़े भाव

वर्ष 2020 से 2025 के बीच फ्लैट की कीमतें लगभग तीन गुना, प्लॉट की औसतन डेढ़ गुना वृद्धि

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में रियल एस्टेट की डिमांड हमेशा उच्च रही है, लेकिन यमुना एक्सप्रेसवे के पास नोएडा और ग्रेटर नोएडा क्षेत्र विशेष रूप से निवेशकों के लिए आकर्षक बन गया है। एक रियल एस्टेट कंसल्टेंसी कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2020 से 2025 के बीच फ्लैट की कीमतें लगभग तीन गुना बढ़ी हैं, जबकि प्लॉट की कीमतों में औसतन डेढ़ गुना वृद्धि हुई है। कुछ चुनिंदा इलाकों में यह वृद्धि 5 गुना तक पहुंच गई, जो निवेशकों की बढ़ती रुचि और बुनियादी ढांचे के विकास को दर्शाती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह तेजी मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश के जेवर में बन रहे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से जुड़े बुनियादी ढांचा विकास के कारण है। कंपनी के अनुसार वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान बाजार में स्थिरता आने की उम्मीद है, जिसमें फ्लैट की मांग में बढ़त और प्लॉट की कीमतों में सीमित वृद्धि देखने को मिल सकती है। पिछले वर्ष इस क्षेत्र में फ्लैट की औसत कीमत लगभग 9,600 रुपये प्रति वर्ग फुट और प्लॉट की कीमत लगभग 2,500 रुपये प्रति वर्ग फुट थी। रिपोर्ट के अनुसार अगले दो वर्षों में यह बढ़कर फ्लैट के लिए 11,800 रुपये प्रति वर्ग फुट और प्लॉट के लिए 3,200 रुपये प्रति वर्ग फुट तक पहुंच सकती है। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि आगामी दो साल में कीमतों में वृद्धि लगभग 22 प्रतिशत के आसपास रहेगी। विशेषज्ञों के अनुसार, फ्लैट या प्लॉट में निवेश करने का यह समय उपयुक्त है। लंबी अवधि में रिटर्न की संभावना देखते हुए, निवेशकों के लिए यह अवसर सुनहरा कहा जा सकता है।

संक्षिप्त खबरें

तेहरान में पाकिस्तानी दूतावास के पास हमले से बौखलाया पाकिस्तान,

कहा-हम कतर नहीं हैं, तगड़ा जवाब देंगे

इस्लामाबाद(ईएमएस)। इजरायल ने ईरान की राजधानी तेहरान में गुरुवार रात करीब 8 बजे बड़े हमले किए। यह हमला पाकिस्तानी दूतावास और राजदूत के आवास के बेहद करीब हुआ जिससे पूरा इलाका हिल उठा। इस हमले को लेकर पाकिस्तान बौखला गया है और उसने इजरायल को कड़ी चेतावनी दी है। पाकिस्तान ने इजरायल को धमकाते हुए कहा है कि वो कतर नहीं है जो चुपचाप हमले सह लेगा। शुरुआती जानकारी के मुताबिक दूतावास परिसर सीधे तौर पर निशाना नहीं बनाया गया और पाकिस्तान के सभी राजनयिक और उनके स्टाफ सुरक्षित हैं। दूतावास की खिड़कियों के कांच भी सलामत हैं लेकिन आसपास की इमारतें हमलों की गंभीर तरीके से हिल गईं। इस हमले के बाद पाकिस्तानी सरकार से जुड़े पाकिस्तान स्ट्रैटेजिक फोरम ने कड़ी टिप्पणी की है और इजरायल को धमकी दी है। बयान में कहा गया कि इजरायल को याद रखना चाहिए, पाकिस्तान कतर नहीं है। अगर दुनिया में कहीं भी हमारे डिप्लोमैट्स को नुकसान पहुंचा, तो हम ऐसा हमला करेंगे कि याद रखोगे। ताजा हवाई हमलों में ईरान के कई हिस्सों को निशाना बनाया गया, जिनमें डिप्लोमैटिक आवासों के आसपास के इलाके भी शामिल हैं। ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच जारी युद्ध अब चौथे हफ्ते में प्रवेश कर चुका है। इस बीच इजरायल और अमेरिका ईरान के तेहरान, काशान और आबादान जैसे कई शहरों में बार-बार हमले कर रहे हैं जिससे जंग और तेज होती जा रही है। पाकिस्तान के दूतावास के पास हुए हमलों ने संकट में एक नया भू-राजनीतिक तनाव जोड़ दिया है, खासकर तब जब पाकिस्तान ईरान और अमेरिका के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है।

इज़रायल में हिज़्बुल्लाह ने करीब 100 रॉकेट दागे, इलाके में तनाव

तेलअवीव,(ईएमएस)। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच उत्तरी इज़रायल में हिज़्बुल्लाह ने करीब 100 रॉकेट दागे, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। नहरिया और अन्य उत्तरी शहरों में सायरन बजने लगे और लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागे। इज़रायली सेना ने दक्षिणी लेबनान में कार्रवाई करते हुए हिज़्बुल्लाह के ठिकानों पर हमला किया और लड़ाई के दौरान कई रॉकेट वहां भी छोड़े गए। इस संघर्ष में इज़रायली सेना को भी नुकसान हुआ, एक टैंक पर एंटी-टैंक मिसाइल से हमला किया गया जिसमें एक सैनिक की मौत और दो घायल हो गए। नहरिया में रॉकेट हमले में एक आम नागरिक की मौत और 14 लोग घायल हुए। युद्ध की शुरुआत 28 फरवरी 2026 को हुई थी, जब अमेरिका और इज़रायल ने ईरान के कई ठिकानों पर हमला किया। इस हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई समेत कई नेता मारे गए। इसके बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें इज़रायल, कई खाड़ी देश और अमेरिकी सैन्य ठिकाने निशाने पर आए। इस संघर्ष का असर वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर भी दिख रहा है। तेल और गैस से जुड़े कई ठिकानों पर हमले के कारण सप्लाई प्रभावित हुई है और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के बंद होने से समुद्री परिवहन पर बड़ा असर पड़ा है। यह मार्ग दुनिया का करीब 20 प्रतिशत तेल और गैस ले जाता है, जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजार में दबाव बढ़ गया है। स्थिति काफी तनावपूर्ण है, दोनों पक्ष लगातार हमले कर रहे हैं और नागरिकों में डर का माहौल है। उत्तरी इज़रायल और लेबनान की सीमा पर लड़ाई जारी है, जबकि वैश्विक स्तर पर ऊर्जा और आर्थिक प्रभाव महसूस किए जा रहे हैं। इस युद्ध की बढ़ती तीव्रता से मिडिल ईस्ट की सुरक्षा स्थिति और दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति पर असर गहराता जा रहा है।

ईरानी सुरक्षा एजेंसियों ने 15 लोगों को पकड़ा, सैन्य जानकारी दुश्मनों को पहुंचाने का आरोप

तेहरान,(ईएमएस)। ईरानी सुरक्षा एजेंसियों ने इस्फाहान प्रांत में कम से कम 15 लोगों को गिरफ्तार किया है। उन पर आरोप है कि वह संवेदनशील सैन्य जानकारी दुश्मनों को पहुंचा रहे थे। गिरफ्तार किए गए लोगों पर आरोप है कि उन्होंने सैन्य ठिकानों की लोकेशन, हमलों से हुए नुकसान की तस्वीरें और अन्य संवेदनशील जानकारी विदेशी मीडिया को शेयर की। ईरानी अधिकारी इसे देश की सुरक्षा के खिलाफ गंभीर अपराध माना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस्फाहान ईरान का एक अहम औद्योगिक और सैन्य केंद्र है। यहां कई अहम सैन्य अड्डे, मिसाइल फैक्टरियां और परमाणु सुविधाएं भी हैं। ऐसे में इस इलाके से सैन्य जानकारी लीक होने को ईरान बहुत गंभीरता से ले रहा है। ईरानी सुरक्षा बलों का कहना है कि ये लोग सोशल मीडिया, व्हाट्सएप और दूसरे प्लेटफॉर्म्स के जरिए जानकारी बाहर भेज रहे थे। कुछ लोगों पर आरोप है कि उन्होंने हमलों के बाद हुए नुकसान की तस्वीरें और वीडियो विदेशी मीडिया को उपलब्ध कराए, जिससे ईरान की स्थिति कमजोर दिखाई दे। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) ने कहा है कि आने वाले कुछ घंटों में वे संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन और सीरिया के दमिश्क में उन होटलों पर हमला करेंगे, जहां अमेरिकी सैनिक और अधिकारी ठहरे हुए हैं। आईआरजीसी ने साफ चेतावनी दी है कि अमेरिकी सैनिक अपनी सैन्य बेस छोड़कर नागरिक होटलों में छिप रहे हैं और इन्हें अब वैध सैन्य टारगेट माना जाएगा। दमिश्क में कई फाइव स्टार होटलों को अमेरिकी और इजराइली सलाहकारों के ठिकाने बताया गया है। आईआरजीसी का कहना है कि अमेरिकी सैनिक होटलों में छिपकर स्थानीय नागरिकों को मानव ढाल बना रहे हैं, इसलिए अगर होटल मालिक अमेरिकी सैनिकों को आश्रय देते रहे तो इन होटलों को भी निशाना बनाया जाएगा।

ईरान ने पाक झंडे लगे 10 तेल टैंकरों को गुजरने दिया, यह हमें उनका गिफ्ट है : ट्रंप

वाशिंगन,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया था कि ईरान ने 10 तेल टैंकरों को गुजरने दिया, यह उनकी तरफ से गिफ्ट है। इन टैंकरों पर पाकिस्तान का झंडा लगा था और ईरान इससे भरोसा जीतना चाहता था। उन्होंने कहा कि ईरान ने भरोसा दिखाने के लिए 8 बड़े तेल टैंकरों को गुजरने दिया और बाद में 2 और भेजे। वहीं ट्रम्प ने कहा कि ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमले 10 दिन के लिए टाल दिए हैं। नई डेडलाइन अब 6 अप्रैल तय की गई है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान के एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर फिलहाल कार्रवाई नहीं करेगा। उन्होंने बताया कि यह फैसला इसलिए लिया गया ताकि दोनों देशों के बीच चल रही बातचीत को आगे बढ़ने का मौका मिल सके। इससे पहले भी ट्रम्प ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले की योजना को टाल चुके हैं, जिसे अब फिर से आगे बढ़ाया है। इसी बीच खबरें हैं कि अमेरिका, ईरान के खार्ग द्वीप पर जमीनी हमला कर सकता है। इसके जवाब में ईरान ने बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट को बंद करने की चेतावनी दी है। बता दें बाब-अल-मंदेब रेड सी का एंट्री प्वाइंट है। यह रेड सी को अरब सागर से जोड़ता है। स्वेज नहर तक जाने वाले जहाज इसी रास्ते से गुजरते हैं। दुनिया के करीब 12 फीसदी तेल की सप्लाई यहां से होकर गुजरती है। यह दुनिया का चौथा सबसे बड़ा शिपिंग रूट है। बाब-अल-मंदेब अफ्रीकी देश जिबूती में मौजूद अमेरिकी मिलिट्री बेस इस स्ट्रेट से सिर्फ 30 किमी दूर है। अगर बाब-अल-मंदेब में भी रुकावट आती है, तो मिडिल ईस्ट में चल रहा संघर्ष और बढ़ सकता है।

ट्रंप खेल रहे डबल गेम, एक तरह हमले नहीं करने की बात तो दूसरी तरफ भेज रहे सैनिक

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। ईरान को लेकर ट्रम्प का दोहरा रुख सामने आया है। एक ओर अमेरिका मिडिल ईस्ट में करीब 10,000 एक्स्ट्रा सैनिक भेजने पर विचार कर रहा है, जिससे ट्रम्प के पास सैन्य विकल्प बढ़ सकें। एक रिपोर्ट के मुताबिक रक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस फोर्स में पैदल सेना और बख्तरबंद गाड़ियां शामिल हैं। यह एक्स्ट्रा सैनिक मिडिल ईस्ट में पहले से मौजूद 5,000 मरीन और 2,000 पैराट्रूपर्स के साथ जोड़े जाएंगे। ये पैराट्रूपर्स 82वीं एयरबोर्न डिवीजन से हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प ने कहा है कि वह ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर 10 दिन तक हमला नहीं करेंगे। उन्होंने गुरुवार को ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर बताया कि यह फैसला ईरान के अनुरोध पर लिया गया है और नई डेडलाइन 6 अप्रैल तय की गई है। ट्रम्प ने दावा किया है कि ईरान ने 10 तेल टैंकरों को गुजरने देकर गिफ्ट दिया। उन्होंने कहा कि इन टैंकरों पर पाकिस्तान का झंडा था और ईरान इससे भरोसा जीतना चाहता था। उन्होंने कहा कि ईरान ने भरोसा दिखाने के लिए 8 बड़े तेल टैंकरों को गुजरने दिया और बाद में 2 और भेजे।

आस्ट्रेलिया में भी ईंधन संकट पीएम अल्बनीज ने बुलाई मीटिंग

कैनबरा(ईएमएस)। मध्य पूर्व में ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने दुनिया भर में ऊर्जा सुरक्षा को लेकर खतरे की घंटी बजा दी है। इस भू-राजनीतिक अस्थिरता का सीधा असर अब ऑस्ट्रेलिया की ईंधन आपूर्ति पर पड़ता दिख रहा है। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने मौजूदा स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि हालांकि देश में ईंधन की आपूर्ति फिलहाल अल्पकालिक रूप से स्थिर दिख रही है, लेकिन आने वाले महीनों में चुनौतियां और अधिक बढ़ सकती हैं। कैनबरा स्थित संसद भवन में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एक मजबूत योजना तैयार करने पर दिन-रात काम कर रही है।

ऑस्ट्रेलिया अपनी जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर अंतरराष्ट्रीय बाजार पर निर्भर है, ऐसे में सरकार मलेशिया और अन्य आसियान देशों के साथ अपने सकारात्मक संबंधों का लाभ उठाने की कोशिश कर रही है ताकि आपूर्ति श्रृंखला बनी रहे। प्रधानमंत्री ने तेल संकट की गंभीरता को देखते हुए आगामी सोमवार को एक नेशनल कैबिनेट की विशेष बैठक भी बुलाई है, जिसमें राज्यों के साथ मिलकर भविष्य की रणनीति तय की जाएगी। जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा मंत्री क्रिस बोवेन ने स्थिति का आकलन करते हुए कहा कि देश में पेट्रोल और डीजल की मांग में अचानक भारी वृद्धि हुई है, जिससे क्षेत्रीय ऑस्ट्रेलिया में ईंधन की कमी महसूस की जा रही है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, देश भर के लगभग 470 सर्विस स्टेशनों पर कम से कम एक प्रकार का ईंधन पूरी तरह खत्म हो चुका है। संकट की गहराई का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि ऑस्ट्रेलिया में वर्तमान में केवल दो घरेलू रिफाइनरियां ही संचालित हो रही हैं। देश अपनी जरूरत का 80 प्रतिशत से अधिक पेट्रोल, डीजल और जेट ईंधन आयात करता है, जिसका अधिकांश हिस्सा एशियाई देशों से आता है। विशेषज्ञों का कहना है कि एशियाई रिफाइनरियां कच्चे तेल के लिए मुख्य रूप से मध्य पूर्व पर निर्भर हैं, जहां से तेल स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते भेजा जाता है। यदि इस समुद्री मार्ग पर तनाव के कारण यातायात बाधित होता है, तो वैश्विक तेल बाजार के साथ-साथ ऑस्ट्रेलियाई अर्थव्यवस्था पर भी इसका विनाशकारी प्रभाव पड़ सकता है। विपक्ष ने भी सरकार पर दबाव बढ़ाते हुए सुझाव दिया है कि जनता को राहत देने के लिए ईंधन एक्साइज ड्यूटी को अगले तीन महीनों के लिए आधा किया जाना चाहिए। फिलहाल, पूरी दुनिया की नजरें मध्य पूर्व के घटनाक्रमों पर टिकी हैं, क्योंकि वहां होने वाली मामूली हलचल भी ऑस्ट्रेलिया के पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लगा सकती है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने संभावित हमलों की समयसीमा 10 दिनों के लिए बढ़ाई, बातचीत का दौर जारी

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता सैन्य तनाव अपने 28वें दिन में प्रवेश कर गया है, लेकिन इस बीच एक बड़ी कूटनीतिक हलचल देखने को मिली है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर होने वाले संभावित हमलों को फिलहाल 10 दिनों के लिए टालने का बड़ा फैसला लिया है। यह निर्णय ऐसे नाजुक समय में आया है जब दोनों देशों के बीच पर्दे के पीछे बातचीत जारी है और युद्ध का खतरा लगातार बना हुआ है। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर इस फैसले का आधिकारिक ऐलान करते हुए बताया कि ईरान सरकार के विशेष अनुरोध पर यह रियायत दी गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब ईरान के ऊर्जा संयंत्रों पर हमले की समयसीमा बढ़ाकर 6 अप्रैल 2026 की रात 8 बजे तक कर दी गई है। इससे पहले यह डेडलाइन शुक्रवार को समाप्त होने वाली थी, जिससे क्षेत्र में भारी तबाही की आशंका जताई जा रही थी। ट्रंप ने अपने बयान में कहा कि ईरान के साथ बातचीत सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है, हालांकि उन्होंने यह चेतावनी भी दी कि यदि ईरान तय शर्तों को पूरा करने में विफल रहता है, तो अमेरिका उसके पावर प्लांट्स को निशाना बनाने से पीछे नहीं हटेगा। एक साक्षात्कार के दौरान ट्रंप ने खुलासा किया कि ईरान ने शुरुआत में केवल 7 दिनों की मोहलत मांगी थी, लेकिन उन्होंने उदारता दिखाते हुए इसे 10 दिन कर दिया। उनके अनुसार, ईरानी पक्ष इस फैसले से काफी राहत महसूस कर रहा है। गौरतलब है कि इससे पहले ट्रंप ने ईरान को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज खोलने के लिए महज 48 घंटे का कड़ा अल्टीमेटम दिया था, जिसे बाद में बढ़ाकर 5 दिन किया गया और अब अंतिम रूप से 10 दिनों की नई समयसीमा तय की गई है। इस बीच, ट्रंप का एक और दावा चर्चा में है जिसमें उन्होंने सीआईए के हवाले से ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के संबंध में कुछ निजी जानकारियां होने की बात कही है, हालांकि इसके कोई ठोस सबूत पेश नहीं किए गए हैं। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि हमले की तारीख बार-बार बढ़ाना सीधे सैन्य टकराव के बजाय ट्रंप की दबाव की रणनीति का हिस्सा है, ताकि ईरान को बातचीत के जरिए अपनी शर्तों पर लाया जा सके।

हमें कतर मत समझना, बहुत बुरा मारेंगे पाकिस्तान ने इजरायल को धमकाया

इस्लामाबाद(ईएमएस)। मध्य पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच जारी भीषण युद्ध के बीच अब पाकिस्तान और इजरायल के बीच भी तनाव चरम पर पहुंच गया है। तेहरान में पाकिस्तानी दूतावास के निकट हुए इजरायली हमलों के बाद पाकिस्तान सरकार से जुड़े एक रणनीतिक फोरम ने इजरायल को सीधे शब्दों में चेतावनी दी है। पाकिस्तान स्ट्रैटेजिक फोरम ने स्पष्ट लहजे में कहा कि इजरायल को यह याद रखना चाहिए कि पाकिस्तान कतर नहीं है। फोरम ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि यदि दुनिया में कहीं भी पाकिस्तानी राजनयिकों को किसी भी तरह का नुकसान पहुंचाया गया, तो इसका अंजाम बहुत बुरा होगा और पाकिस्तान इसका मुंहतोड़ जवाब देगा। यह विवाद तब शुरू हुआ जब इजरायली रक्षा बलों ने शुक्रवार को पुष्टि की कि उन्होंने मध्य तेहरान में ईरानी शासन के आतंकी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाते हुए बड़े पैमाने पर सिलसिलेवार हमले किए हैं। इन हमलों के दौरान पाकिस्तानी दूतावास के पास की कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। हालांकि, सूत्रों के अनुसार दूतावास परिसर और वहां तैनात स्टाफ सुरक्षित है, लेकिन हमलों की तीव्रता ने इस्लामाबाद को सुरक्षा को लेकर चौकन्ना कर दिया है। इसी बीच, ईरान ने भी पलटवार करते हुए ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4 की 83वीं लहर शुरू कर दी है, जिसमें हाइफा जैसे रणनीतिक इजरायली ठिकानों पर ड्रोन हमले किए गए हैं। एक तरफ जहां पाकिस्तान सैन्य लहजे में चेतावनी दे रहा है, वहीं दूसरी ओर वह पर्दे के पीछे अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ की भूमिका भी निभा रहा है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इसहाक डार ने पुष्टि की है कि उनका देश अमेरिका और ईरान के बीच संदेशों के आदान-प्रदान का जरिया बना हुआ है। उन्होंने बताया कि अमेरिका ने शांति स्थापना के लिए एक 15-सूत्रीय प्रस्ताव साझा किया है, जिस पर फिलहाल ईरान विचार कर रहा है।

ईरान से युद्ध खत्म करके ही चीन यात्रा पर जाएंगे ट्रंप

व्हाइट हाउस की जारी तारीखों पर कयास लगने लगे

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब मई में चीन जा सकते हैं। दरअसल उन्हें पहले मार्च के आखिर में चीन जाना था, लेकिन ईरान के साथ संघर्ष के कारण दौरा स्थगित करना पड़ा। इस पर चीन ने चुप्पी साध रखी है, जिससे सवाल उठ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस ने नई तारीखों का ऐलान कर दिया है और बताया है कि डोनाल्ड ट्रंप अब 14 और 15 मई को चीन का दौरा करेंगे। हालांकि ट्रंप के दौरे की तारीखों का ऐलान होने के बाद भी चीन ने चुप्पी साध रखी है। हकीकत तो यही है कि चीन को इस दौरे से कुछ ज्यादा उम्मीद नहीं है। वहीं, ट्रंप लगातार चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की तारीफों के पुल बांध रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप की... चीन में राष्ट्रपति शी के साथ लंबे समय से प्रतीक्षित बैठक अब 14 और 15 मई को बीजिंग में होगी। एक सोशल मीडिया पोस्ट में ट्रंप ने शी को चीन का अत्यंत सम्मानित राष्ट्रपति बताया और कहा कि दोनों पक्षों के प्रतिनिधि इस ऐतिहासिक दौरे की तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि मैं राष्ट्रपति शी के साथ समय बिताने के लिए बहुत उत्सुक हूं, मुझे यकीन है कि यह एक बहुत ही अहम घटना होगी। प्रेस सचिव ने कहा कि ट्रंप अपनी पत्नी और प्रथम महिला मेलानिया के साथ मिलकर, शी और मैडम पेंग लियुआन की वाशिंगटन, डीसी में एक जवाबी यात्रा की मेजबानी करेंगे, जिसकी तारीख इस साल बाद घोषित की जाएगी। जब उनसे पूछा गया कि क्या शी-ट्रंप शिखर सम्मेलन ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल युद्ध के समाप्त होने पर निर्भर करता है, तो लेविट ने कहा कि ट्रंप और शी ने तारीखें बदलने पर चर्चा की थी। उन्होंने कहा कि चीनी नेता यह समझते थे कि राष्ट्रपति के लिए इन सैन्य अभियानों के दौरान अमेरिका में रहना बहुत अहम है। ट्रंप ने शी के साथ फोन पर बातचीत की घोषणाएं की हैं जिन्हें बीजिंग ने कभी स्वीकार नहीं किया, और चीन ने अभी तक नई तारीखों की पुष्टि नहीं की है। वाशिंगटन स्थित चीन के दूतावास ने कहा कि उनके पास ट्रंप की यात्रा को लेकर कोई जानकारी नहीं है। फरवरी में, व्हाइट हाउस ने घोषणा की थी कि शी-ट्रंप शिखर सम्मेलन 31 मार्च से 2 अप्रैल के बीच तय है, लेकिन बीजिंग ने कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की। इसके बाद व्हाइट हाउस ने कहा कि बैठक टाल दी गई क्योंकि ईरान युद्ध को प्राथमिकता दी गई, जबकि बीजिंग ने कहा कि दोनों पक्ष अभी भी इस यात्रा पर चर्चा कर रहे हैं।

यूएन में विदेश मंत्री की दो टूक, कहा

होर्मुज में दुश्मन के जहाजों को रोकने का कानूनी अधिकार

तेहरान,(ईएमएस)। पश्चिम एशिया में जारी भारी तनाव के बीच ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच छिड़ा संघर्ष अब दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण समुद्री लाइफलाइन, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज (होर्मुज जलडमरूमध्य) पर आकर टिक गया है। ईरान द्वारा इस मार्ग की घेराबंदी किए जाने से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। इस बीच ईरान ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के मंच पर हुंकार भरते हुए स्पष्ट कर दिया है कि वह अपने दुश्मन देशों के जहाजों को रोकने का कानूनी अधिकार रखता है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से चर्चा के दौरान कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि तेहरान उन सभी जहाजों को रोकने का अधिकार रखता है जो उसके दुश्मनों या उनके सहयोगियों से जुड़े हैं। ईरानी मीडिया के अनुसार, अराक्ची ने इसे देश की सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़ा कानूनी हक बताया है। ईरान के इस कदम से अमेरिका और इजरायल की मुश्किलें बढ़ गई हैं, क्योंकि वे चाहकर भी इस मार्ग को ईरान के नियंत्रण से मुक्त नहीं करा पा रहे हैं। इस पूरे तनाव की जड़ बीती 28 फरवरी को ईरान पर हुआ भीषण हमला है। बताया जा रहा है कि अमेरिका और इजरायल द्वारा संयुक्त रूप से किए गए मिसाइल हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मृत्यु हो गई थी, जिससे ईरान का शीर्ष नेतृत्व पूरी तरह ध्वस्त हो गया। इस बड़े नुकसान के बाद ईरान ने पीछे हटने के बजाय कड़ा प्रतिरोध करने का फैसला किया और दुनिया की 20-25 प्रतिशत तेल एवं गैस आपूर्ति करने वाले होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया।

वर्तमान में स्थिति यह है कि होर्मुज के आसपास तेल और गैस से लदे जहाजों की कतारें लगी हैं। डर के कारण कोई भी जहाज इस क्षेत्र को पार करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है, क्योंकि ईरान लगातार संदिग्ध जहाजों को निशाना बना रहा है। इससे पश्चिम एशिया की अर्थव्यवस्था ठप होती नजर आ रही है और दुनिया भर में हाहाकार मचा हुआ है। वैश्विक तनाव के बीच ईरान ने एक कूटनीतिक संतुलन बनाने की कोशिश की है। विदेश मंत्री अराक्ची ने घोषणा की है कि ईरान ने अपने पांच मित्र देशों के लिए होर्मुज के दरवाजे खुले रखे हैं। इन देशों में भारत, चीन, रूस, इराक और पाकिस्तान शामिल हैं। भारत के लिए यह एक बड़ी राहत की खबर है। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय जहाज अब सुरक्षा के बीच होर्मुज को पार करने लगे हैं। कई जहाज तेल और गैस लेकर भारतीय तटों पर पहुँच चुके हैं, जबकि कई अभी रास्ते में हैं। हालांकि, अमेरिका, इजरायल और उनके सहयोगी देशों के लिए यह मार्ग अब भी पूरी तरह बंद है, जिससे आने वाले दिनों में वैश्विक ऊर्जा संकट और गहराने की आशंका है।

मिडिल ईस्ट की जंगः इजराइल की सेना पस्त

पश्चिम एशिया में 10,000 अतिरिक्त सैनिक भेजने की तैयारी में ट्रंप, अमेरिका से जमीनी लड़ाई की तैयारी में जुटा ईरान, सेना में युवाओं की भर्ती हुई तेज

जंग के लिए 10 लाख ईरानी सैनिक तैयार

आईडीएफ चीफ एयाल जमीर की चेतावनी से फैली सनसनी, लड़ाइयां लड़कर बुरी तरह थक चुकी है इजरायल की सेना

तेहरान / तेलअवीव/ वाशिंगटन (ईएमएस)। मिडिल ईस्ट में अमेरिका, इजराइल और इरान की जंग ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है, जहां इजराइल की सेना पस्त नजर आ रही है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तीसरी बार युद्ध विराम आगे बढ़ाया है। इस बीच खबर है कि अमेरिका पश्चिम एशिया में 10,000 अतिरिक्त सैनिक भेजने की तैयारी कर रहा हैं। वहीं ईरान ने 10 लाख से ज्यादा ग्राउंड सैनिक जुटाने का दावा किया है। ईरानी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका जमीनी हमला कर सकता है। इसके चलते युवाओं में सेना में भर्ती की होड़ बढ़ गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, हाल के दिनों में बड़ी संख्या में युवा बसीज, रिवोल्यूशनरी गार्ड और सेना में शामिल होने के लिए आवेदन कर रहे हैं। एक साथ कई मोर्चों पर जंग लड़ रही इजरायल की सेना (आईडीएफ)

एक बड़े संकट से जूझ रही है और इसका हल न निकाला गया तो जल्द ही ढह सकती है। इजरायली सेना के चीफ लेफ्टिनेंट जनरल एयाल जमीर ने इसी सप्ताह बुधवार को हुई सुरक्षा कैबिनेट में मैनपावर की कमी को लेकर चेतावनी दी। कैबिनेट की बैठक के दौरान जमीर ने कहा कि आईडीएफ के अपने ही अंदर ढहने से पहले मैं 10 रेड फ्लैग उठा रहा हूं।

900 दिनों से जंग लड़ रही आईडीएफ

इजरायली सेना 900 दिनों से ज्यादा समय से लगातार सैन्य अभियानों में उलझी हुई है। हाल ही में ईरान और लेबनान के खिलाफ युद्ध के चलते कई मोर्चे खुल गए हैं, जिससे मैनपावर की भारी कमी ने चिंता बढ़ा दी है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार सैनिकों की संख्या नहीं बढ़ाती है, तो कुछ जगहों पर बड़े सुरक्षा गैप रह जाएंगे। इजरायल को सिर्फ अभी नहीं, बल्कि शांति के समय में भी गाजा, लेबनान, सीरिया और वेस्ट बैंक की सीमाओं पर ज्यादा सैनिकों की जरूरत होगी। इजरायली सेना में हरेदी (अतिरूढ़िवादी यहूदियों) भर्ती को बढ़ाने के लिए अभी तक कोई कानून नहीं बनाया गया है, जिससे देश में हजारों लोग अनिवार्य सेना से छूट पा रहे हैं। इसकी मुख्य वजह हरेदी समुदाय को दी गई छूट से जुड़ा राजनीतिक दबाव है। रिजर्व सैनिकों पर एक ही समय में कई सक्रिय मोर्चों पर इतना ज्यादा दबाव पड़ रहा है कि वे टूट सकते हैं।

आईपीएल 2026 का आगाज आज से, ओपनिंग सेरेमनी नहीं होगी

पहले मैच में आरसीबी और एसआरएच होंगें आमने-सामने

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का बहुप्रतीक्षित आगाज शनिवार, 28 मार्च से होने जा रहा है। इस सीजन का पहला मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा। यह मुकाबला बेंगलुरु के प्रतिष्ठित एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित होगा, जहां फैंस को एक रोमांचक शुरुआत की उम्मीद है।हालांकि इस बार आईपीएल के उद्घाटन समारोह में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। आमतौर पर टूर्नामेंट की शुरुआत भव्य ओपनिंग सेरेमनी के साथ होती है, जिसमें कई बड़े सितारे शामिल होते हैं, लेकिन इस बार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ओपनिंग सेरेमनी आयोजित नहीं करने का फैसला किया है। इसके पीछे एक संवेदनशील कारण बताया जा रहा है। पिछले सीजन में आरसीबी की जीत के बाद आयोजित विक्ट्री परेड के दौरान भगदड़ मच गई थी, जिसमें कई फैंस की जान चली गई थी। इसी दुखद घटना को ध्यान में रखते हुए बीसीसीआई ने इस बार सादगी के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत करने का निर्णय लिया है, ताकि दिवंगत प्रशंसकों को श्रद्धांजलि दी जा सके।

मैच के समय की बात करें तो आरसीबी और एसआरएच के बीच यह मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे से शुरू होगा। वहीं, टॉस के लिए दोनों टीमों के कप्तान शाम 7 बजे मैदान पर उतरेंगे। इस हाई-वोल्टेज मुकाबले को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि यह सीजन की शुरुआत का मैच है।

प्रसारण की बात करें तो इस मुकाबले का सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर विभिन्न भाषाओं में किया जाएगा, जिससे देशभर के दर्शक अपनी पसंदीदा भाषा में मैच का आनंद ले सकेंगे। वहीं, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इस मैच की लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार ऐप और वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा, दर्शक लाइव स्कोर और अपडेट्स के लिए विभिन्न क्रिकेट वेबसाइट्स और ऐप्स का सहारा ले सकते हैं।आईपीएल 2026 का यह पहला मुकाबला न सिर्फ टूर्नामेंट की दिशा तय करेगा, बल्कि दोनों टीमों के इरादों का भी संकेत देगा। जहां आरसीबी अपनी खिताबी लय को बरकरार रखना चाहेगी, वहीं सनराइजर्स हैदराबाद जीत के साथ नई शुरुआत करने के इरादे से मैदान में उतरेगी। ऐसे में यह मुकाबला फैंस के लिए रोमांच से भरपूर होने की पूरी उम्मीद है।

स्क्वॉड

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरुः रजत पाटीदार (कप्तान), टिम डेविड, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, फिलिप साल्ट, जितेश शर्मा, जैकब बेथेल, क्रुणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, जोश हेजलवुड, रसिख सलाम डार, भुवनेश्वर कुमार, सुयश शर्मा, स्वप्निल सिंह, यश दयाल, नुवान तुषारा, वेंकटेश अय्यर, जैकब डफी, मंगेश यादव, जॉर्डन कॉक्स, विहान मल्होत्रा, कनिष्क चौहान, अभिनंदन। सिंह, विक्की ओस्तवाल, सात्विक देसवाल।

सनराइजर्स हैदराबादः ट्रैविस हेड, ईशान किशन, हेनरिक क्लासेन, स्मरण रविचंद्रन, अभिषेक शर्मा, हर्ष दुबे, कामिंडु मेंडिस, नितीश कुमार रेड्डी, पैट कमिंस (कप्तान), ईशान मलिंगा, जयदेव उनादकट, हर्षल पटेल, सलिल अरोड़ा, प्रफुल्ल हिंगे, लियाम लिविंगस्टोन, शिवम मावी, जैक एडवर्ड्स, ब्रायडन कार्स, साकिब हुसैन, जीशान अंसारी, अनिकेत वर्मा, अमित कुमार, क्रेन्स फुलेट्रा।

आईपीएल 2026: पंजाब किंग्स मजबूत दावेदार लेकिन मिडिल ऑर्डर बना चिंता का विषय

नई दिल्ली (ईएमएस)। पंजाब किंग्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में एक बार फिर खिताब जीतने के इरादे से मैदान में उतरने को तैयार है। पिछले सीजन फाइनल तक का सफर तय करने वाली टीम इस बार भी कागज पर बेहद संतुलित और मजबूत नजर आ रही है। कप्तान श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में टीम अपने पहले आईपीएल खिताब के सूखे को खत्म करना चाहेगी। बल्लेबाजी की बात करें तो पंजाब की सलामी जोड़ी प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह पिछले सीजन शानदार लय में नजर आई थी। प्रभसिमरन ने 547 रन बनाए थे, जबकि प्रियांश ने 475 रन जोड़कर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई थी। नंबर तीन पर कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी अहम भूमिका निभाई थी और इस बार भी उनसे बड़े प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।टीम का बैटिंग ऑर्डर इस सीजन और मजबूत हुआ है। मार्कस स्टोइनिस अपनी ऑलराउंड क्षमता से टीम के लिए अहम साबित हो सकते हैं। वहीं शशांक सिंह और नेहल वढेरा जैसे युवा खिलाड़ियों से भी टीम को काफी उम्मीदें हैं। इसके अलावा विष्णु विनोद, मुशीर खान और सूर्यांश शेडगे के रूप में टीम के पास कई भारतीय युवा विकल्प मौजूद हैं, जो जरूरत के अनुसार उपयोगी साबित हो सकते हैं। गेंदबाजी विभाग में भी पंजाब किंग्स संतुलित नजर आ रही है। तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी मार्को जानसेन और अर्शदीप सिंह के कंधों पर होगी। हालांकि शुरुआती मैचों में लॉकी फर्ग्यूसन की कमी खल सकती है। तीसरे तेज गेंदबाज के रूप में वैशाक विजयकुमार या यश ठाकुर को मौका मिल सकता है। साथ ही जेवियर बार्टलेट और बेन ड्वार्शुइस की मौजूदगी से टीम का पेस अटैक और मजबूत हुआ है। स्पिन विभाग की अगुवाई युजवेंद्र चहल करेंगे, जिनका पिछला सीजन शानदार रहा था। टीम की सबसे बड़ी कमजोरी मिडिल ऑर्डर को माना जा रहा है। फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ इसी विभाग का खराब प्रदर्शन टीम को भारी पड़ा था। स्टोइनिस, वढेरा और शशांक सिंह जैसे बल्लेबाजों में निरंतरता की कमी चिंता का विषय बनी हुई है। इसके अलावा इस बार जोश इंग्लिस टीम का हिस्सा नहीं हैं, जिससे मिडिल ऑर्डर की चुनौती और बढ़ गई है। ऐसे में अगर पंजाब किंग्स को खिताब जीतना है, तो उसे इस कमजोरी को जल्द दूर करना होगा।

पंजाब किंग्स का पूरा स्क्वॉड : श्रेयस अय्यर (कप्तान), नेहाल वढेरा, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, हरप्रीत बरार, मार्को जानसेन, अजमतुल्लाह उमरजई, प्रियांश आर्या, मुशीर खान, सूर्यांश शेडगे, मिचेल ओवेन, विष्णु विनोद, हरनूर पन्नू, पायला अविनाश, प्रभसिमरन सिंह, कूपर कैनोली, बेन द्वारशुइस, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, वैशाक विजयकुमार, यश ठाकुर, जेवियर बार्टलेट, प्रवीण दुबे, विशाल निषाद, लॉकी फर्ग्यूसन।

ओलंपिक में ट्रांसजेंडर महिलाओं की एंट्री पर रोक, आईओसी ने बदली नीति

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी (आईओसी) ने ट्रांसजेंडर एथलीटों को लेकर एक बड़ा और अहम फैसला लिया है। नई नीति के तहत 2028 में होने वाले लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 और भविष्य के सभी ओलंपिक खेलों में ट्रांसजेंडर महिलाएं महिला कैटेगरी के इवेंट्स में हिस्सा नहीं ले सकेंगी। इस निर्णय का उद्देश्य महिलाओं के खेलों में निष्पक्षता और सुरक्षा सुनिश्चित करना बताया गया है। आईओसी की नई गाइडलाइन के अनुसार, अब केवल बायोलॉजिकल महिलाओं, यानी जन्म से महिला खिलाड़ियों को ही महिला वर्ग में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। इसके लिए खिलाड़ियों को जीन टेस्ट से गुजरना होगा, जिसमें थूक, ब्लड सैंपल या गाल के जरिए सैंपल लिया जा सकता है। हालांकि, जो एथलीट जन्म के समय महिला थे और बाद में खुद को ट्रांसजेंडर के रूप में पहचानते हैं, उन्हें महिला स्पर्धाओं में भाग लेने की छूट दी गई है।आईओसी की अध्यक्ष क्रिस्टी कोवेंट्री ने इस फैसले को विज्ञान और चिकित्सा सलाह पर आधारित बताया है। उन्होंने कहा कि ओलंपिक जैसे उच्चस्तरीय प्रतियोगिताओं में जीत और हार के बीच बहुत कम अंतर होता है, ऐसे में प्रतिस्पर्धा का निष्पक्ष होना बेहद जरूरी है। उनके मुताबिक, बायोलॉजिकल पुरुषों का महिला वर्ग में मुकाबला करना न केवल अनुचित है, बल्कि कुछ खेलों में सुरक्षा के लिहाज से भी जोखिम भरा हो सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हर एथलीट के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाएगा और इस प्रक्रिया के तहत खिलाड़ियों को अपने करियर में केवल एक बार स्क्रीनिंग करवानी होगी। आईओसी का यह कदम सभी खेलों के लिए एक समान नियम लागू करने की दिशा में उठाया गया है, ताकि अलग-अलग खेल संघों द्वारा अलग-अलग मानदंड तय करने की स्थिति समाप्त हो सके।गौरतलब है कि इससे पहले आईओसी ट्रांसजेंडर महिलाओं को टेस्टोस्टेरोन स्तर के आधार पर प्रतिस्पर्धा में भाग लेने की अनुमति देता था या यह निर्णय संबंधित खेल संघों पर छोड़ दिया जाता था। हालांकि अब आईओसी एक समान और स्पष्ट नीति लागू करना चाहता है। इस बीच, कई अंतरराष्ट्रीय खेल संगठनों ने पहले ही ट्रांसजेंडर एथलीटों की भागीदारी पर प्रतिबंध लगा दिया है।

आईपीएल 2026: आकाश चोपड़ा की भविष्यवाणी, ऑरेंज कैप की रेस में जायसवाल-गिल आगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 19वें सीजन के आगाज के साथ ही एक बार फिर बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी। इस सीजन में जहां युवा खिलाड़ियों से बड़े प्रदर्शन की उम्मीद है, वहीं अनुभवी खिलाड़ियों पर भी अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने का दबाव रहेगा। टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने ऑरेंज कैप और पर्पल कैप के संभावित दावेदारों को लेकर अपनी भविष्यवाणी साझा की है। आकाश चोपड़ा ने अपने विश्लेषण में ऑरेंज कैप के लिए भारतीय बल्लेबाजों पर भरोसा जताया है। उन्होंने यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल को इस सीजन सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों में सबसे आगे माना है। दोनों बल्लेबाज पहले भी शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं और ऑरेंज कैप जीतने का अनुभव रखते हैं। चोपड़ा का मानना है कि टी20 क्रिकेट में आमतौर पर सलामी बल्लेबाजों को ज्यादा मौके मिलते हैं, इसलिए इन दोनों खिलाड़ियों की दावेदारी मजबूत है। उन्होंने खास तौर पर यशस्वी जायसवाल को लेकर कहा कि यह उनके लिए 'ब्रेकआउट सीजन' साबित हो सकता है। पिछले कुछ समय में जायसवाल ने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, वह उन्हें इस रेस में सबसे आगे खड़ा करता है। चोपड़ा ने यह भी कहा कि शुभमन गिल रन बनाने की भूख के साथ मैदान पर उतरेंगे, जिससे उनके बड़े स्कोर बनाने की संभावना और बढ़ जाती है।

इसके अलावा विराट कोहली और केएल राहुल को भी ऑरेंज कैप के दावेदारों में शामिल किया गया है। कोहली पहले ही दो बार यह खिताब जीत चुके हैं और उनका अनुभव उन्हें इस दौड़ में मजबूत बनाता है। वहीं चोपड़ा का मानना है कि अगर दिल्ली कैपिटल्स अच्छा प्रदर्शन करती है, तो केएल राहुल भी इस रेस में आगे निकल सकते हैं। आकाश चोपड़ा के अनुसार, ऑरेंज कैप जीतने के लिए किसी बल्लेबाज को कम से कम 600 से 650 रन बनाने होंगे। उन्होंने जायसवाल के हालिया आंकड़ों का जिक्र करते हुए बताया कि वह लगातार रन बना रहे हैं और उनका स्ट्राइक रेट भी शानदार है। यही वजह है कि उनसे इस सीजन में बड़े प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। आईपीएल 2026 का पहला मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच बेंगलुरु में खेला जाएगा। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या आकाश चोपड़ा की भविष्यवाणियां सही साबित होती हैं या कोई नया खिलाड़ी इस रेस में सबको चौंका देता है।

आईपीएल 2026: दिल्ली कैपिटल्स की नई शुरुआत, अभिषेक पोरेल की प्यारी हरकत ने जीता दिल

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में दिल्ली कैपिटल्स की टीम नए जोश और मजबूत इरादों के साथ मैदान में उतरने को तैयार है। पिछले सीजन में टीम ने शानदार शुरुआत तो की थी, लेकिन बाद में लय खोने के कारण खिताब की दौड़ से बाहर हो गई थी। ऐसे में इस बार टीम का लक्ष्य साफ है पहली बार ट्रॉफी जीतना। इसके लिए खिलाड़ी जमकर अभ्यास कर रहे हैं और अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।कड़ी मेहनत के बीच खिलाड़ी हल्के-फुल्के पलों का भी आनंद ले रहे हैं। हाल ही में टीम के एक प्रैक्टिस सेशन के दौरान ऐसा ही एक दिलचस्प और भावुक दृश्य देखने को मिला, जिसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। अभ्यास के दौरान अचानक एक कुत्ता मैदान पर आ गया और पिच तक पहुंच गया। इस स्थिति में युवा खिलाड़ी अभिषेक पोरेल ने तुरंत आगे बढ़कर जिम्मेदारी दिखाई। उन्होंने कुत्ते को प्यार से अपनी गोद में उठाया और उसे सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया।अभिषेक की इस संवेदनशील और प्यारी हरकत ने टीम के अन्य खिलाड़ियों के चेहरे पर मुस्कान ला दी। मैदान पर मौजूद सभी लोग इस दृश्य को देखकर खुश नजर आए। यही नहीं, पोरेल का यह 'डॉग लव' सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। इस घटना ने यह भी दिखाया कि खिलाड़ी मैदान के बाहर भी अपनी मानवीय संवेदनाओं को नहीं भूलते। आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स का पहला मुकाबला 1 अप्रैल को लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ खेला जाएगा। यह मैच लखनऊ में आयोजित होगा, जिसके लिए टीम अभी से तैयारियों में जुटी हुई है। फिलहाल दिल्ली की टीम अपने घरेलू मैदान अरुण जेटली स्टेडियम में अभ्यास कर रही है, जहां खिलाड़ी अपनी रणनीतियों को धार दे रहे हैं। इस बार दिल्ली कैपिटल्स का स्क्वॉड संतुलित और मजबूत नजर आ रहा है, जिसमें अनुभव और युवा जोश का बेहतरीन मिश्रण देखने को मिल रहा है। टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि खिलाड़ी इस बार अपनी पिछली गलतियों से सबक लेकर बेहतर प्रदर्शन करेंगे। आईपीएल में दिल्ली का सफर अब तक उतार-चढ़ाव भरा रहा है, जहां टीम कई बार खिताब के करीब पहुंचकर चूक गई। लेकिन इस सीजन में टीम इतिहास रचने के इरादे से मैदान में उतरेगी। दिल्ली कैपिटल्स का स्क्वाड- केएल राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पाथुम निसांका, साहिल पारख, पृथ्वी शॉ, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, अक्षर पटेल, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विप्रज निगम, अजय मंडल, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, आकिब डार, नीतीश राणा, मिचेल स्टार्क, टी. नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा, लुंगी एनगिडी, काइल जैमीसन और कुलदीप यादव।

आईपीएल के पहले ही मैच में रिकार्ड बना सकते हैं भुवनेश्वर

मुम्बई (ईएमएस)। आईपीएल के 19 सत्र के पहले ही मैच में रॉयल चैलेंजस बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार एक नया रिकार्ड बना सकते हैं। भुवनेश्वर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले पहले मैच में दो विकेट लेने के साथ ही इस लीग में 200 विकेट लेने वाले पहले तेज गेंदबाज बन जाएंगे। अभी तक इस लीग में स्पिनर यजुवेन्द्र चहल के नाम ही 200 विकेट हैं पर कोई भी तेज गेंदबाज यहां तक नहीं पहुंचा है। भुवनेश्वर ने अब तक 190 आईपीएल मैचों में 198 विकेट लिए हैं, उनका औसत 27.33 रहा है। इस दौरान उन्होंने 2 बार 5 विकेट और 2 बार 4 विकेट भी लिए हैं1 आईपीएल में वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में दूसरे नंबर पर हैं। वहीं तेज गेंदबाजों की बात करें तो जसप्रीत बुमराह सूची में दूसरे नंबर पर हैं, उनके नाम 183 विकेट हैं। वहीं वेस्टइंडीज के डवेन ब्रावो के नाम भी इतने ही विकेट हैं। आरसीबी ने इस सत्र में भुवनेश्वर को 10.75 करोड़ रुपये में खरीदा था। पिछले सत्र में उन्होंने 14 पारियों में 17 विकेट लिए थे। भुवनेश्वर कुमार का पावरप्ले में रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्होंने आईपएल में अपने 79 विकेट पावरप्ले में लिए हैं, जो किसी भी गेंदबाज द्वारा सबसे ज्यादा हैं। इस दौरान उनकी इकॉनमी 6.46 रही है।

15 के हुए वैभव सूर्यवंशी, धमाकेदार प्रदर्शन से सुर्खियों में

एक ओवर ने बदली करीम जनत की किस्मत

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे वैभव सूर्यवंशी 27 मार्च को 15 साल के हो गए हैं और इसके साथ ही उनके लिए सीनियर क्रिकेट में आगे बढ़ने का रास्ता और साफ हो गया है। बिहार के समस्तीपुर जिले से ताल्लुक रखने वाले वैभव ने बेहद कम उम्र में ही अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा लिया था। उन्होंने महज 12 साल की उम्र में रणजी ट्रॉफी में डेब्यू कर सबको चौंका दिया था और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के दम पर तेजी से पहचान बनाई। उनकी काबिलियत को देखते हुए आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें अपनी टीम में शामिल किया। अपने पहले ही आईपीएल सीजन में वैभव ने धमाकेदार प्रदर्शन कर सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। खास तौर पर गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए मैच में उन्होंने सिर्फ 35 गेंदों में शतक जड़कर क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया और 'वंडर बॉय' के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर ली। हालांकि इसी सीजन का एक और पहलू भी काफी चर्चा में रहा, जिसमें उनके प्रदर्शन ने एक अन्य खिलाड़ी के करियर पर गहरा असर डाला। गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2025 में अफगानिस्तान के ऑलराउंडर करीम जनत को 75 लाख रुपये के बेस प्राइस पर खरीदा था। राजस्थान के खिलाफ मैच में उन्हें डेब्यू का मौका मिला, लेकिन यह मैच उनके लिए बेहद मुश्किल साबित हुआ। उस मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी के सामने गेंदबाजी करते हुए करीम जनत पूरी तरह दबाव में नजर आए। वैभव ने उनके एक ही ओवर में 3 छक्के और 3 चौके लगाते हुए कुल 30 रन बटोर लिए। इस ओवर के बाद टीम के कप्तान शुभमन गिल ने करीम को फिर गेंदबाजी का मौका नहीं दिया। इतना ही नहीं, पूरे सीजन में वह प्लेइंग इलेवन से बाहर ही रहे और बाद में आईपीएल 2026 के लिए उन्हें टीम से रिलीज भी कर दिया गया।हालांकि आईपीएल में यह अनुभव उनके लिए निराशाजनक रहा, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर करीम जनत अफगानिस्तान टीम के लिए अहम खिलाड़ी बने हुए हैं। उन्होंने अब तक 2 टेस्ट, 3 वनडे और 75 टी20 मुकाबले खेले हैं। टेस्ट और वनडे में भले ही उन्हें सफलता नहीं मिली हो, लेकिन टी20 फॉर्मेट में उनके नाम 42 विकेट दर्ज हैं, जो उनकी उपयोगिता को साबित करता है।

एस्टाडियो गुआडालाजारा, गुआडालाजारा, मेक्सिको में फीफा विश्व कप सॉकर फ़ुटबॉल - इंटर-कॉन्फ़ेडरेशन प्लेऑफ़ सेमी-फ़ाइनल न्यू कैलेडोनिया बनाम जमैका मैच में न्यू कैलेडोनिया के डिडिएर सिमाने, जमैका के बेली-टाई कैडामार्टेरी के साथ एक्शन में।

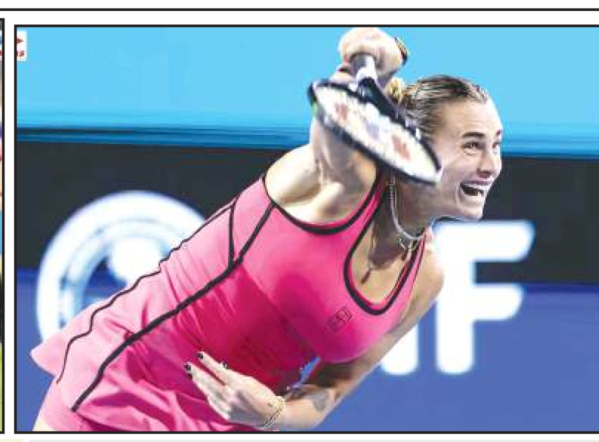

अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित मियामी गार्डन्स, हार्ड रॉक स्टेडियम में आयोजित मियामी ओपन के महिला एकल सेमी-फ़ाइनल में कज़ाकिस्तान की एलेना रयबाकिना के ख़िलाफ़ सर्विस करती बेलारूस की आर्यना सबालेंका।

पीएसएल 2026 में नया नियम लागू, अब टॉस के बाद चुनी जाएगी अंतिम प्लेइंग इलेवन

नई दिल्ली (ईएमएस)। पाकिस्तान सुपर लीग 2026 का आगाज एक नए और दिलचस्प नियम के साथ हुआ है, जिसने क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में लाहौर कलंदर्स और हैदराबाद किंग्समेन आमने-सामने आए, लेकिन मैच से पहले लागू किए गए इस नियम ने सबसे ज्यादा चर्चा बटोरी।दरअसल, अब पीएसएल में कप्तानों को टॉस के समय दो अलग-अलग टीम शीट ले जाने की अनुमति दी गई है। टॉस के बाद कप्तान इन दोनों में से किसी एक प्लेइंग इलेवन का चयन कर सकते हैं। इस नियम का मुख्य उद्देश्य ओस (ड्यू) के प्रभाव को संतुलित करना है, जो आमतौर पर दूसरी पारी में मैच की दिशा बदल देती है। क्रिकेट की अन्य टी20 लीगों में टॉस से पहले ही दोनों टीमें अपनी प्लेइंग इलेवन तय कर लेती हैं और एक-दूसरे के साथ साझा करती हैं। हालांकि, पीएसएल के इस नए नियम के तहत टीमों को अधिक रणनीतिक लचीलापन मिलेगा। यह नियम 'नॉमिनेशन एंड रिप्लेस्मेंट ऑफ प्लेयर' के अंतर्गत शामिल किया गया है, जिससे टीमें मैच की परिस्थितियों के अनुसार बेहतर संयोजन चुन सकें। नए प्रावधान के मुताबिक, टॉस से पहले हर कप्तान दो अलग-अलग संभावित टीम संयोजन लिखित रूप में मैच रेफरी को सौंप सकता है। प्रत्येक टीम शीट में 11 खिलाड़ी और अधिकतम चार सब्स्टीट्यूट फील्डर शामिल हो सकते हैं। टॉस के बाद कप्तान अपनी पसंद की अंतिम टीम शीट पर हस्ताक्षर करेगा। एक बार टीम तय हो जाने के बाद मैच शुरू होने से पहले उसमें बदलाव करने के लिए विरोधी कप्तान की सहमति आवश्यक होगी। यह नियम उस समय लागू होते देखा गया जब लाहौर कलंदर्स के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी और हैदराबाद किंग्समेन के कप्तान मार्नस लाबुशेन टॉस के लिए दो-दो टीम शीट लेकर मैदान पर पहुंचे। उपमहाद्वीप में ओस लंबे समय से कप्तानों के लिए बड़ी चुनौती रही है। नमी के कारण स्पिन गेंदबाजों के लिए गेंद को पकड़ना मुश्किल हो जाता है, जबकि तेज गेंदबाजों की स्लो गेंदें भी कम प्रभावी हो जाती हैं। साथ ही आउटफील्ड तेज हो जाती है, जिससे बल्लेबाजों को रन बनाने में आसानी होती है। ऐसे में पीएसएल का यह नया नियम मैच को और अधिक संतुलित और रोमांचक बनाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

एशियाई खेलों में पदक जीतना रहेगा लक्ष्य : मीराबाई चानू

रायपुर (ईएमएस)। भारत की ओलंपिक पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने कहा है कि वह राष्ट्रमण्डल खेलों में 48 किलोग्राम वर्ग में ही उतरेंगी पर उसके बाद उन्हें इसे एशियाई खेलों के लिए बदलना होगा। चानू के अनुसार वह आज तक एशियाई खेलों में पदक नहीं जीत पायी हैं , इसलिए उनका लक्ष्य इस बार पदक जीतना रहेगा। इस खिलाड़ी के अनुसार बड़े अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए वजन वर्गों में जरुरत के अनुसार बदलाव करना होता है। गौरतलब है कि चानू वह एक दशक से भी अधिक समय से भारत की ओर से विश्व स्तर पर भरोत्तोलन में पदक जीतती रही हैं। इसमें टोक्यो ओलंपिक्स के रजत पदक के साथ ही, तीन विश्व चैंपियनशिप पदक शामिल रहे हैं पर वह अभी तक एशियाई खेलों में पदक नहीं जीत पायी हैं।

अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित मियामी गार्डन्स, हार्ड रॉक स्टेडियम में आयोजित मियामी ओपन के महिला एकल सेमी-फ़ाइनल में, चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा के ख़िलाफ़ एक पॉइंट जीतने के बाद, अपनी प्रतिक्रिया देती अमेरिका की कोको गॉफ़

आईपीएल में ट्रॉफी का इंतजार: दिल्ली और पंजाब के फैंस की बढ़ती बेचैनी

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग में जब मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स जैसी टीमें बार-बार खिताब जीतती नजर आती हैं, तो बाकी टीमों के फैंस के लिए यह नजारा कहीं न कहीं निराशाजनक बन जाता है। दोनों फ्रेंचाइजी अब तक पांच-पांच बार ट्रॉफी अपने नाम कर चुकी हैं, जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स तीन बार चैंपियन बन चुकी है। लंबे समय तक रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के पास ट्रॉफी न होने से कुछ संतुलन जरूर बना हुआ था, लेकिन पिछले सीजन में आरसीबी के खिताब जीतने के बाद दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के समर्थकों की बेचैनी और बढ़ गई है। खासतौर पर पंजाब के फैंस के लिए यह और भी निराशाजनक रहा, क्योंकि उनकी टीम फाइनल तक पहुंचकर भी खिताब से चूक गई।दिल्ली कैपिटल्स की कहानी भी कम दिलचस्प नहीं रही है। आईपीएल के शुरुआती सीजन में यह टीम सबसे मजबूत मानी जाती थी और मैदान पर उसने अपनी ताकत भी साबित की। हालांकि 2008 और 2009 के सेमीफाइनल में हार ने उनके अभियान को रोक दिया। टीम के साथ वीरेंद्र सहवाग, गौतम गंभीर, एबी डिविलियर्स, डेविड वॉर्नर और ऋषभ पंत जैसे दिग्गज खिलाड़ी जुड़े रहे, लेकिन इसके बावजूद टीम खिताब तक नहीं पहुंच सकी। 2011 के बाद प्लेऑफ फॉर्मेट लागू होने पर भी दिल्ली का प्रदर्शन लंबे समय तक उतार-चढ़ाव भरा रहा।साल 2018 में टीम ने दिल्ली डेयरडेविल्स से अपना नाम बदलकर दिल्ली कैपिटल्स किया और इसके बाद प्रदर्शन में सुधार दिखा। लगातार तीन साल प्लेऑफ में जगह बनाई, जिसमें 2020 का फाइनल भी शामिल रहा, लेकिन ट्रॉफी अब भी दूर रही। दूसरी ओर पंजाब किंग्स ने भी 2014 (तब किंग्स इलेवन पंजाब) और 2025 में फाइनल खेला, लेकिन दोनों बार किस्मत ने साथ नहीं दिया। 2014 में रिद्धिमान साहा के शानदार शतक के बावजूद टीम हार गई, जबकि 2025 में करीबी मुकाबले में सिर्फ छह रन से खिताब गंवा बैठी। पंजाब के साथ भी बड़े नाम जुड़े रहे हैं, जैसे युवराज सिंह, क्रिस गेल, केएल राहुल और ग्लेन मैक्सवेल, लेकिन इसके बावजूद ट्रॉफी उनकी झोली में नहीं आई।आईपीएल 2026 में अब स्थिति यह है कि 10 टीमों में से सिर्फ दिल्ली कैपिटल्स, पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स ही ऐसी टीमें हैं, जिन्होंने अब तक खिताब नहीं जीता है। लखनऊ अपेक्षाकृत नई टीम है और उसके पास इंतजार का समय है, लेकिन दिल्ली और पंजाब के लिए अब यह इंतजार लंबा होता जा रहा है और फैंस को हर सीजन नई उम्मीद के साथ फिर से शुरुआत करनी पड़ रही है।

विराट कोहली की ऐतिहासिक पारी ने ऑस्ट्रेलिया से छीनी थी जीत

2016 टी20 वर्ल्ड कप

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाज विराट कोहली ने अपने करियर में कई यादगार पारियां खेली हैं, लेकिन 27 मार्च 2016 को आईसीसी टी20 विश्वकप 2016 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई उनकी नाबाद पारी आज भी क्रिकेट इतिहास की सबसे शानदार पारियों में गिनी जाती है। उस मुकाबले में कोहली ने 51 गेंदों में 82 रन बनाकर अकेले दम पर भारत को जीत दिलाई थी।

इस अहम मुकाबले में भारत को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए हर हाल में जीत दर्ज करनी थी। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 161 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा था। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय क्रिकेट टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने शुरुआती ओवरों में ही विकेट गंवा दिया। कोहली तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए और शुरुआत में परिस्थितियों के अनुसार संभलकर खेले। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा। 14 ओवर के बाद भारत का स्कोर 94 रन पर 4 विकेट था और टीम को आखिरी 6 ओवरों में 67 रन की दरकार थी। उस समय मैच पूरी तरह ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में झुकता नजर आ रहा था।हालांकि, यहीं से कोहली ने अपना असली रंग दिखाया। 30 गेंदों में 35 रन बनाकर खेल रहे कोहली ने अचानक गियर बदला और आक्रामक बल्लेबाजी शुरू कर दी। उन्होंने अगले 21 गेंदों में 47 रन ठोक डाले, जिसमें 7 चौके और 1 छक्का शामिल था। उनकी इस तूफानी बल्लेबाजी ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की रणनीति को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया।कोहली के साथ उस समय दूसरे छोर पर भी महत्वपूर्ण साझेदारी देखने को मिली, लेकिन पूरी पारी का केंद्र बिंदु उनका अकेले दम पर मैच पलटना रहा। उनकी इस शानदार पारी की बदौलत भारत ने 5 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया और सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। यह पारी सिर्फ एक जीत नहीं थी, बल्कि दबाव में खेली गई एक मास्टरक्लास थी, जिसने कोहली को 'चेज मास्टर' की पहचान और मजबूत कर दी। आज भी क्रिकेट फैंस इस पारी को याद करते हैं, जब एक खिलाड़ी ने अपने दम पर असंभव लग रही जीत को संभव बना दिया।

रामनवमी पर विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने गड़शीमला काली मंदिर में टेका माथा

झारखंड की समृद्धि की कामना

जामताड़ा । रामनवमी के पावन अवसर पर शुक्रवार को झारखंड विधानसभा के माननीय अध्यक्ष सह नाला विधायक रवींद्रनाथ महतो ने कुंडहित प्रखंड अंतर्गत गड़शीमला स्थित काली मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर माथा टेका। इस दौरान उन्होंने मां भगवती से झारखंड राज्य के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। पूजा के बाद उन्होंने क्षेत्रवासियों को रामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व हमें मर्यादा, सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रही और पूरा वातावरण भक्ति एवं आस्था से सराबोर दिखा । मौके पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, पार्टी कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। रामनवमी के अवसर पर प्रखंड के विभिन्न मंदिरों में पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया, जिससे पूरा इलाका भक्तिमय माहौल में डूबा नजर आया।

रामनवमी पर जामताड़ा में दिखी एकता की मिसाल

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी और डीसी रवि आनंद ने अखाड़ा खेलकर किया शुभारंभ

शिरोमणि

जामताड़ा ।पावन पर्व रामनवमी के अवसर पर जामताड़ा जिले में भक्ति, उत्साह और सामाजिक एकता का अद्भुत संगम देखने को मिला। शिव मंदिर प्रांगण में आयोजित भव्य कार्यक्रम के दौरान झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने पारंपरिक अखाड़ा खेलकर इस पवित्र पर्व की विधिवत शुरुआत की। इस मौके पर जामताड़ा के उपायुक्त (डीसी) रवि आनंद ने भी अखाड़ा में भाग लेकर लोगों को रामनवमी की शुभकामनाएं दीं और उत्सव का शुभारंभ किया। भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव को लेकर पूरे जिले में श्रद्धा और उल्लास का माहौल बना रहा। मंदिरों और अखाड़ों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित हुए, जहां भक्ति गीतों, झांकियों और पारंपरिक खेलों के माध्यम से रामनवमी का उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि रामनवमी केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि यह सामाजिक एकता, प्रेम और भाईचारे का प्रतीक है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे इस त्योहार को शांति, सौहार्द और सामाजिक समरसता के साथ मनाएं, ताकि समाज में आपसी भाईचारे की मिसाल कायम हो सके। कार्यक्रम के दौरान जिला प्रशासन की पूरी टीम सक्रिय रूप से मौजूद रही और सुरक्षा व व्यवस्था का जिम्मा संभाला। साथ ही कांग्रेस, झारखंड मुक्ति मोर्चा और भारतीय जनता पार्टी के कई सम्मानित नेता भी कार्यक्रम में शामिल हुए। विभिन्न राजनीतिक दलों की एक साथ उपस्थिति ने समाज में एकता और सामूहिक भावना का सशक्त संदेश दिया। जामताड़ा में रामनवमी का यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा, बल्कि यह सामाजिक समरसता और भाईचारे की मिसाल के रूप में भी उभरकर सामने आया।

शुभांशु का डबल धमाका, सोल क्रिकेट एकेडमी ए ने जीता वीणा मेमोरियल खिताब

दुमका:दुमका में खेले गए वीणा मेमोरियल ए डिवीजन क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में सोल क्रिकेट एकेडमी ए ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जूनियर कैंप को 44 रनों से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। ए टीम क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए इस मुकाबले में खिलाड़ियों का उत्साह और दर्शकों का जोश देखने लायक था।टॉस जीतकर सोल क्रिकेट एकेडमी ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 296 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से शुभांशु वर्मा ने 96 रनों की बेहतरीन पारी खेली, जबकि रिंकू ने 52 रन जोड़े। जूनियर कैंप की ओर से सुमित कुमार सिंह ने 3 विकेट और सौरभ ने 2 विकेट लिए।जवाब में जूनियर कैंप की टीम ने संघर्ष किया, लेकिन 33 ओवर में 252 रन पर सिमट गई। अंकुश राउत ने 71 रन बनाकर टीम को संभालने की कोशिश की, वहीं संजय सुरीन (41) और विक्की कुमार (39) ने भी सहयोग दिया। सोल टीम की ओर से शुभांशु वर्मा ने 5 विकेट लेकर मैच का रुख पलट दिया।शुभांशु वर्मा के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच, बेस्ट बॉलर और टूर्नामेंट का बेस्ट खिलाड़ी घोषित किया गया। वहीं अंकुश राउत को बेस्ट बल्लेबाज का पुरस्कार मिला।पुरस्कार वितरण समारोह में विजेता टीम को 15,000 रुपये और उपविजेता टीम को 10,000 रुपये के साथ ट्रॉफी प्रदान की गई। सभी खिलाड़ियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर संघ के पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों को खेल भावना और अनुशासन बनाए रखने की सलाह दी। सचिव शावर्ण मनोज कुणाल ने स्पष्ट कहा कि दुमका क्रिकेट में अनुशासनहीन खिलाड़ियों के लिए कोई जगह नहीं होगी।कार्यक्रम में संघ के अध्यक्ष भास्कर अजीत सिंह, डॉ. तुषार ज्योति, विवेक नंदन सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मैच देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक मैदान में मौजूद थे।

जय श्रीराम के नारों से गूंजा जामताड़ा, राम पताकाओं से सजा जिला

आस्था और उल्लास के साथ मनी रामनवमी

जामताड़ा / बिंदापाथर। रामनवमी के पावन अवसर पर जामताड़ा जिला पूरी तरह भगवामय नजर आया। जिला मुख्यालय सहित नाला, कुंडहित, फतेहपुर, नारायणपुर, करमाटांड़, बिंदापाथर समेत आसपास के प्रखंडों के गांवों में यह पर्व श्रद्धा, उत्साह और भक्ति के साथ मनाया गया। हर ओर राम पताकाएं लहराती दिखीं और "जय श्रीराम" के नारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो उठा। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भगवान श्रीराम और रामभक्त हनुमान की पूजा-अर्चना के साथ सुंदरकांड पाठ और हनुमान स्तोत्र का आयोजन किया गया। जामताड़ा मुख्य बाजार स्थित स्टेट बैंक पास के हनुमान मंदिर, फतेहपुर बस स्टैंड के बजरंगबली मंदिर, बिंदापाथर एवं खैरा गांव के चौक पर बजरंग बली मंदिरों में विशेष पूजा और अखाड़ा कार्यक्रम आयोजित हुए। तांबाजोड़, दीघरीया,धासनिया, धुलता, पालाजोड़ी बस्ती, चापुड़िया, मोहनावांक, मंझलाडीह समेत विभिन्न गांवों में अखाड़ा समितियों द्वारा आकर्षक झांकियां और पारंपरिक प्रदर्शन किए गए, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग उमड़े। पूरे जिले में प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। उपायुक्त रवि आनंद और पुलिस कप्तान राज कुमार मेहता के नेतृत्व में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। सभी थाना प्रभारियों, पुलिस बल और अखाड़ा समितियों के समन्वय से पर्व शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। फतेहपुर में थाना प्रभारी अमर सिंह तापे तथा बिंदापाथर के खैरा गांव में थाना प्रभारी विकास कुमार यादव के नेतृत्व में अखाड़ा कार्यक्रम आयोजित किए गए।

रामनवमी की पौराणिक कथा और महत्व

रामनवमी का पर्व भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान राम का जन्म त्रेतायुग में अयोध्या के राजा दशरथ के यहां हुआ था। उनकी माता का नाम कौशल्या था। कथा के अनुसार, राजा दशरथ को संतान प्राप्ति नहीं हो रही थी, तब उन्होंने ऋषि वशिष्ठ के कहने पर पुत्रकामेष्टि यज्ञ कराया। यज्ञ के फलस्वरूप भगवान विष्णु ने राम के रूप में अवतार लिया, ताकि धरती को राक्षसों के अत्याचार से मुक्त कराया जा सके। भगवान राम ने अपने जीवन में सत्य, मर्यादा और धर्म का पालन करते हुए आदर्श पुत्र, आदर्श राजा और आदर्श पति का उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने रावण का वध कर धर्म की स्थापना की, जिसके कारण उन्हें "मर्यादा पुरुषोत्तम" कहा जाता है। रामनवमी का पर्व न केवल आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह हमें सत्य, कर्तव्य और नैतिक मूल्यों पर चलने की प्रेरणा भी देता है। आस्था, अनुशासन और भाईचारे का संदेश जामताड़ा में रामनवमी का पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह सामाजिक एकता, भाईचारे और अनुशासन का भी प्रतीक बना। प्रशासन और आमजन के सहयोग से पूरा पर्व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ, जो जिले के लिए एक सकारात्मक संदेश लेकर आया।

तेज रफ्तार ट्रक ने उजाड़ा परिवार जामताड़ा में 19 वर्षीय साहिल की मौत, मां-बेहद घायल

जामताड़ा । जामताड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत दुलाडीह गांव के पास गुरुवार शाम हुए भीषण सड़क हादसे ने एक हंसते-खेलते परिवार की खुशियां छीन लीं। तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आने से 19 वर्षीय साहिल अंसारी की मौत हो गई, जबकि उसकी मां सलमा खातून और तीन वर्षीय छोटा भाई बिलाल गंभीर रूप से घायल हैं और जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं। जानकारी के अनुसार, मिहिजाम थाना क्षेत्र के बागजोरी निवासी सलमा खातून अपने दोनों बेटों साहिल और बिलाल के साथ श्यामपुर स्थित रिश्तेदार के घर जा रही थीं। इसी दौरान दुलाडीह के समीप एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी । टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों सड़क पर गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े। स्थानीय लोगों की मदद से सभी को तत्काल सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनकी हालत नाजुक देखते हुए दुर्गापुर रेफर कर दिया गया। दुर्गापुर स्थित विवेकानंद अस्पताल में इलाज के दौरान साहिल ने दम तोड़ दिया। परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़ साहिल की मौत से बागजोरी गांव में मातम पसरा हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार, वह अपने परिवार का इकलौता कमाने वाला सदस्य था। तीन साल पहले ही एक हादसे में उसके पिता आबाद अंसारी की भी मौत हो चुकी थी। ऐसे में पूरे परिवार की जिम्मेदारी साहिल के कंधों पर थी। अब उसकी असमय मौत से परिवार पूरी तरह बेसहारा हो गया है और उनके सामने जीविकोपार्जन का संकट खड़ा हो गया है। मुआवजे की मांग को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश शुक्रवार को आक्रोशित ग्रामीण साहिल के शव के साथ जामताड़ा थाना पहुंचे और प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। ग्रामीणों की मांग है कि पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए, आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो और दुलाडीह रोड पर लगातार हो रहे हादसों को रोकने के लिए स्पीड ब्रेकर व बेहतर ट्रैफिक व्यवस्था की जाए। फिलहाल ग्रामीणों और पुलिस के वरीय अधिकारियों के बीच वार्ता जारी है। प्रशासन के सामने एक ओर कानून-व्यवस्था बनाए रखने की चुनौती है, वहीं दूसरी ओर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की जिम्मेदारी भी।

बरटांड़ में बड़ी चोरी, मोबाइल और दवा दुकान से लाखों का सामान और रुपये गायब

धनबाद(ईएमएस)।धनबाद के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत बरटांड़ इलाके में एक बार फिर चोरी की बड़ी घटना सामने आई है, जिससे स्थानीय व्यापारियों में दहशत का माहौल बन गया है। चोरों ने इस बार एक मोबाइल दुकान और उसके बगल में स्थित दवा दुकान को निशाना बनाया और लाखों रुपये के सामान पर हाथ साफ कर दिया है।घटना की जानकारी तब हुई जब शुक्रवार दोपहर दुकान संचालक अपनी-अपनी दुकानें खोलने पहुंचे। मोबाइल दुकान के संचालक और बरटांड़ चैंबर अध्यक्ष रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि गुरुवार को दुकान बंद थी। शुक्रवार को जब वे दुकान पहुंचे तो अंदर का नजारा देखकर दंग रह गए। दुकान का सारा सामान बिखरा पड़ा था और करीब 9 लाख रुपये के मोबाइल फोन, एक्सेसरीज़ और नकदी गायब थे।रंजीत सिंह ने यह भी बताया कि चोरों ने बड़ी चालाकी से दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे का केबल काट दिया, जिससे कोई फुटेज रिकॉर्ड नहीं हो सका। इससे साफ है कि चोर पूरी तैयारी के साथ आए थे।वहीं बगल की दवा दुकान के संचालक उत्तम कुमार तिवारी ने बताया कि उनकी दुकान में भी चोरी हुई है। चोर पीछे की दीवार तोड़कर अंदर घुसे और करीब 10 से 15 हजार रुपये के सामान और नकदी लेकर फरार हो गए।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। सदर थाना प्रभारी भी घटनास्थल पर पहुंचे, लेकिन उन्होंने मीडिया से कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से इलाके के व्यापारियों में डर और नाराजगी दोनों देखने को मिल रही है। व्यापारियों ने प्रशासन से सुरक्षा बढ़ाने और जल्द से जल्द अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

रामनवमी पर जिला प्रशासन की कार्रवाईः नाबालिग का विवाह रुकवाया, परिवार को दी गई समझाइश

रायगढ़ (ईएमएस)। रामनवमी के पावन अवसर पर रायगढ़ जिला प्रशासन और पुलिस विभाग की सतर्कता से एक नाबालिग बालिका का विवाह होने से रोक दिया गया। प्रशासन को सूचना मिली थी कि शहरी क्षेत्र में 16 वर्षीय बालिका का विवाह कराया जा रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस विभाग और चाइल्ड हेल्पलाइन की संयुक्त टीम ने बिना देर किए मौके पर दबिश दी। उस समय विवाह की तैयारियां पूरी हो चुकी थीं और बारात के प्रस्थान की तैयारी चल रही थी। टीम ने तत्काल हस्तक्षेप करते हुए विवाह की प्रक्रिया को रुकवाया और परिजनों से बालिका की आयु संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा।दस्तावेजों के सत्यापन में जो तथ्य सामने आए, उन्होंने सभी को चौंका दिया। बालिका की आयु मात्र 16 वर्ष 05 माह 13 दिन पाई गई, जो कि विधि द्वारा निर्धारित न्यूनतम वैवाहिक आयु 18 वर्ष से काफी कम है। इसके बाद प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से विवाह रुकवा दिया और स्पष्ट कर दिया कि बाल विवाह कानूनन अपराध है। यह पूरी कार्रवाई कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देशों के तहत की गई, जिन्होंने बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के खिलाफ सख्त रुख अपनाने के निर्देश पहले से ही दे रखे हैं। मौके पर उपस्थित अधिकारियों ने बालिका के परिजनों को बाल विवाह के दुष्परिणामों और कानूनी प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी।प्रशासनिक टीम ने परिजनों से एक लिखित घोषणा पत्र भी भरवाया, जिसमें उन्होंने यह शपथ ली कि बालिका के 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने से पहले उसका विवाह नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही सामुदायिक भवन के संचालक को भी मौके पर तलब किया गया और सख्त हिदायत दी गई कि भविष्य में किसी भी वैवाहिक कार्यक्रम के लिए भवन किराए पर देने से पहले वर-वधु के आयु प्रमाण पत्रों का अनिवार्य रूप से सत्यापन सुनिश्चित करें। कार्रवाई में जिला बाल संरक्षण अधिकारी, विधिक सह-परिवीक्षा अधिकारी, सेक्टर पर्यवेक्षक, चाइल्ड हेल्पलाइन के परियोजना समन्वयक, पुलिस विभाग के आरक्षक तथा संबंधित वार्ड के पार्षद की सक्रिय भूमिका रही। सभी के समन्वय से यह संभव हो सका कि एक नाबालिग बालिका को समय से पहले विवाह के बंधन में बंधने से बचा लिया गया। जिला प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया है कि बाल विवाह न केवल एक सामाजिक बुराई है, बल्कि यह एक दंडनीय अपराध भी है। प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि कहीं भी बाल विवाह जैसी गतिविधि की जानकारी मिले, तो तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 या नजदीकी प्रशासनिक कार्यालय को सूचित करें, ताकि समय रहते ऐसी कुरीतियों पर रोक लगाई जा सके।

महापौर संजीव सिंह ने इंटरनेशनल बैडमिंटन कोर्ट का उद्घाटन किया

धनबाद। आज धनबाद के महापौर संजीव सिंह ने 99जी स्पोर्ट्स के इंटरनेशनल बैडमिंटन कोर्ट का उद्घाटन किया। वही इस मौके पर 99 ग्रुप के संचालक श्याम पांडे ने महापौर को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। मेयर संजीव सिंह ने कहा कि धनबाद में इस तरह के स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर का विकसित होना सकारात्मक संकेत है। इससे शहर के बच्चों और युवाओं को खेल के क्षेत्र में बेहतर अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे केंद्र खिलाड़ियों को प्रशिक्षण और आगे बढ़ने का मंच प्रदान करेंगे, जिससे वे अपने प्रतिभा को निखार सकेंगे। वहीं संचालक श्याम पांडे ने बताया कि धनबाद में बैडमिंटन कोर्ट की संख्या सीमित है, ऐसे में इस नए कोर्ट के शुरू होने से खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए बेहतर सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि यहां बच्चे और युवा नियमित अभ्यास कर खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं और जिले का नाम रोशन कर सकते हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि इस स्पोर्ट्स सेंटर में मात्र 999 रुपये प्रति माह के शुल्क पर बैडमिंटन का अभ्यास किया जा सकेगा।

28वीं सब-जूनियर सेपक टकरा चैंपियनशिप संपन्न राज्यपाल ने खिलाड़ियों का बढ़ाया हौसला

रांची(ईएमएस)।राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शुक्रवार को ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव इनडोर स्टेडियम, मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, होटवार में आयोजित 28वें सब-जूनियर राष्ट्रीय सेपक टकरा चैंपियनशिप 2026 के समापन समारोह में खिलाड़ियों को बधाई दी।इस अवसर पर उन्होंने कहा कि खेल केवल जीत-हार तक सीमित नहीं होते, बल्कि यह अनुशासन, संघर्ष, टीम भावना और आत्मविश्वास का भी पाठ सिखाते हैं।उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ी न केवल अपने राज्यों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, बल्कि देश के उज्ज्वल भविष्य के प्रतीक भी हैं।राज्यपाल ने कहा कि सेपक टकरा खेल को देश में नई पहचान मिल रही है और झारखंड इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ऐसे आयोजन खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता और भाईचारे को भी मजबूत करते हैं।उन्होंने आगे कहा कि खेलो इंडिया जैसे अभियानों के माध्यम से देश में खेलों को नई दिशा और ऊर्जा मिली है, जिससे युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने के व्यापक अवसर मिल रहे हैं।राज्यपाल ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि जीत और हार जीवन का हिस्सा हैं, लेकिन समर्पण, अनुशासन और निरंतर प्रयास ही सफलता की असली कुंजी हैं।उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी और अन्य प्रतिभागियों को आगे बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम के अंत में राज्यपाल ने आयोजन समिति, प्रशिक्षकों एवं सभी सहयोगियों को सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

रामनवमी के अवसर पर जामताड़ा बस स्टैंड में वर्षों से बंद पियाऊ फिर चालू, यात्रियों को राहत

गर्मी को लेकर जन हित मे लिया गया यह निर्णस्य :आशा गुप्ता नगर पंचायत अध्यक्ष

प्याऊ स्थल पर ठंडा पानी के लिए मशीन लगाई जाएगी : सोमा खंडेत कार्यपालक दंडाधिकारी

जामताड़ा । रामनवमी के शुभ अवसर पर शुक्रवार को जामताड़ा शहर के बस स्टैंड स्थित वर्षों से बंद पड़ा पियाऊ (पानी टंकी) का पुनः शुभारंभ कर दिया गया। इस पहल से बस स्टैंड पर आने-जाने वाले यात्रियों और स्थानीय लोगों को बड़ी राहत मिली है। पियाऊ का उद्घाटन नगर पंचायत अध्यक्ष आशा गुप्ता, उपाध्यक्ष प्रतिनिधि सुनील बाउरी तथा अन्य वार्ड पार्षदों की उपस्थिति में किया गया। लंबे समय से बंद इस सुविधा के पुनः शुरू होने से खासकर गर्मी के मौसम में लोगों को पीने के पानी की समस्या से निजात मिलेगी। गौरतलब है कि इस समस्या को लेकर पूर्व में खबर भी प्रकाशित की गई थी, जिसके बाद प्रशासन ने संज्ञान लेते हुए पियाऊ को फिर से चालू कराया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष आशा गुप्ता ने कहा कि बढ़ती गर्मी को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि चुनाव के बाद से ही नगरवासियों द्वारा पियाऊ चालू करने की लगातार मांग की जा रही थी। बस स्टैंड जैसे व्यस्त स्थान पर स्वच्छ पेयजल की सुविधा अत्यंत आवश्यक है, जिसे अब बहाल कर दिया गया है। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि नगर के सभी वार्डों में पानी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी और खराब पड़े नलों को प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त कराया जाएगा। वहीं नगर पंचायत के कार्यपालक दंडाधिकारी सोमा खंडेत ने बताया कि पियाऊ के पुनः संचालन के साथ ही आने वाले दिनों में यहां ठंडा पानी उपलब्ध कराने के लिए मशीन भी लगाई जाएगी। उन्होंने कहा कि जलापूर्ति से संबंधित समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए नगर पंचायत पूरी तरह प्रतिबद्ध है और सभी वार्ड पार्षदों से प्राप्त शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। समाजसेवी तरुण गुप्ता ने कहा कि बस स्टैंड पर हर वर्ग के लोग आते हैं और पियाऊ बंद रहने के कारण लोगों को पानी के लिए परेशानी उठानी पड़ती थी। अब इसके शुरू होने से यात्रियों को काफी सुविधा मिलेगी। इस मौके पर वार्ड पार्षद अशोक कुमार साव, दीनबंधु सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं नगर पंचायत कर्मी उपस्थित रहे।

नोआमुंडी के जंगलों में लगी आग पर समय रहते काबू, बड़ी घटना टली,ग्रामीणों से जागरूक रहने की अपील

पश्चिमी सिंहभूम (ईएमएस)।नोआमुंडी क्षेत्र के पचाई साईं स्थित पूर्ति स्टोर से लेकर बायलर मुर्गी फार्म के निकट जंगलों में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब किसी अराजक तत्व द्वारा जंगल में आग लगा दी गई। इस आग की वजह से कई छोटे-छोटे जंगली पौधे जलकर राख हो गए और आसपास के क्षेत्र में खतरे की स्थिति उत्पन्न हो गई।स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत सूचना संबंधित विभागों को दी गई। समय रहते नोआमुंडी फॉरेस्ट ऑफिस और स्थानीय थाने को खबर पहुंचाई गई। इसके बाद नोआमुंडी थाने की सब-इंस्पेक्टर पूर्णिमा कुमारी ने तत्परता दिखाते हुए टाटा स्टील के फायर ब्रिगेड को सूचित किया।सूचना मिलते ही टाटा स्टील की फायर ब्रिगेड टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों के सहयोग से आग पर काबू पा लिया गया। समय पर कार्रवाई होने के कारण एक बड़ी दुर्घटना टल गई। इस दौरान वन विभाग की टीम भी लगातार मौके पर मौजूद रही और आग को आगे फैलने से रोकने में सक्रिय रूप से जुटी रही, जिससे स्थिति को नियंत्रित करने में काफी मदद मिली। गौरतलब है कि आग लगने वाले स्थान के पास ही रिलायंस और संधू पेट्रोल पंप स्थित हैं। यदि समय रहते आग पर नियंत्रण नहीं पाया जाता, तो स्थिति बेहद भयावह हो सकता था।घटना के बाद वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे जंगलों में बेवजह आग न लगाएं और यदि कहीं आग लगती दिखे तो तुरंत इसकी सूचना वन विभाग या प्रशासन को दें।

कल्याण भवन एचआरडी, बीसीसीएल में निदेशक मानव संसाधन की अध्यक्षता में विशेष संवादात्मक सत्र का आयोजन

महाप्रबंधक एचआरडी अनूप कुमार रॉय को उनके उत्कृष्ट सेवाकाल के लिए किया गया सम्मानित

धनबाद । कल्याण भवन (एचआरडी) बीसीसीएल में आज निदेशक (मानव संसाधन) श्री मुरली कृष्ण रमैया की अध्यक्षता में एक विशेष संवादात्मक एवं प्रेरणादायक सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें मानव संसाधन निदेशालय के नियंत्रणाधीन कोयला भवन मुख्यालय के सभी महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष एवं क्षेत्रीय प्रबंधक (मानव संसाधन) उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री कुमार मनोज, महाप्रबंधक (प्रशासन) श्री अर्पण घोष, महाप्रबंधक (सिक्यूरिटी) श्री हफीजुल कुरैशी, विभागाध्यक्ष (सीएसआर) श्री सुरेन्द्र भूषण सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत निदेशक (मानव संसाधन) के स्वागत एवं सम्मान के साथ हुई, जिसके उपरांत संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में निदेशक (मा.सं.) ने उपस्थित सभी अधिकारियों एवं प्रतिभागियों के साथ संवाद स्थापित करते हुए मानव संसाधन प्रबंधन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया।

अपने संबोधन में श्री मुरली कृष्ण रमैया ने संगठनात्मक विकास में मानव संसाधन की केंद्रीय भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्था की वास्तविक शक्ति उसके मानव संसाधन में निहित होती है और प्रभावी प्रबंधन के माध्यम से ही कोई भी संगठन सतत प्रगति के मार्ग पर अग्रसर होता है। उन्होंने आधुनिक प्रबंधन के महत्वपूर्ण तत्वों जैसे क्षमताएं, दुर्बलता, अवसर एवं चुनौतियाँ (एसडब्ल्यूओटी) विश्लेषण पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि यह न केवल किसी भी व्यक्ति के स्व-आकलन में सहायक है, बल्कि संस्थानिक लक्ष्यों को भी हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने टीम वर्क, पारदर्शिता, नवाचार एवं सकारात्मक कार्य-संस्कृति को संगठन की सफलता के प्रमुख आधार स्तंभ बताते हुए सभी अधिकारियों को अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन प्रतिबद्धता एवं दक्षता के साथ करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के समापन सत्र में निदेशक (मानव संसाधन) श्री रमैया ने महाप्रबंधक (एचआरडी) श्री ए.के. रॉय का उनके दीर्घ, समर्पित एवं उल्लेखनीय सेवाकाल हेतु शॉल, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। श्री रॉय आगामी 31 मार्च को कंपनी से सेवानिवृत्त हो रहे हैं। अपने संबोधन में श्री रॉय ने बीसीसीएल में अपने सेवाकाल को अपने जीवन के सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवसरों में एक बताया। उन्होंने अपने सहयोगियों, वरिष्ठ अधिकारियों एवं अधीनस्थ कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अपने सभी सहयोगियों एवं कार्मिकों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम को सफल बनाने में एचआरडी के वरीय प्रबंधक (खनन) श्री राधेश्याम दुबे, प्रबंधक (मानव संसाधन) श्री सुमित कुमार, प्रबंधक (खनन) श्री दीपक कुमार तथा अन्य कर्मियों का विशेष योगदान रहा। मंच संचालन वरीय प्रबंधक (मानव संसाधन) सुश्री सफूरा रुबाब ने किया।

पहला कदम स्कूल में रामनवमी उत्सव भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न

धनबाद ।नारायणी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित जगजीवन नगर स्थित दिव्यांग बच्चों के विशेष स्कूल पहला कदम में दिनांक 27 मार्च शुक्रवार को रामनवमी का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। रामनवमी हिन्दू धर्म का एक प्रमुख त्योहार है, जिसे भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है कि इसी दिन मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जन्म हुआ था। यह पर्व हमें सत्य, धर्म, कर्तव्य और आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा देता है।इस पावन अवसर पर स्कूल के बच्चों ने भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान के रूप में सुसज्जित होकर मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। बच्चों की भावपूर्ण अभिनय और आकर्षक वेशभूषा ने उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया। उनकी प्रस्तुतियों को देखकर पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया और दर्शक भाव विभोर हो उठे। कार्यक्रम के दौरान बच्चों एवं शिक्षकों ने मिलकर भगवान श्रीराम की आरती की और प्रसाद वितरण किया गया। पूरे स्कूल परिसर में श्रद्धा, उल्लास और सकारात्मक ऊर्जा का वातावरण बना रहा।स्कूल की सचिव श्रीमती अनीता अग्रवाल ने बताया कि इस प्रकार के धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन बच्चों को भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि इससे बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है और वे समाज की मुख्यधारा से जुड़ने के लिए प्रेरित होते हैं। इस अवसर पर स्कूल के सुपरवाइजर कौशल अग्रवाल भी उपस्थित रहे।पहला कदम परिवार के सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने मिलकर इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

फ्रॉम इक्वेशन्स टू लाइफ, आईआईटी ,आईएसएम धनबाद में गणित और हेल्थ का हुआ दमदार संगम

धनबाद, थ्योरी और रियल लाइफ के मजबूत कनेक्शन को सामने लाते हुए आई आई टी ,आईएसएम धनबाद ने दो दिवसीय वर्कशॉप की शुरुआत की । जिसमें गणित को सीधे मानव स्वास्थ्य से जोड़ा जा रहा है। गणित एवं कंप्यूटिंग विभाग द्वारा आयोजित यह वर्कशॉप "फ्रॉम इक्वेशन्स टू लाइफ, मैथमेटिकल इनसाइट्स इंटू ह्यूमन हेल्थ" 27 मार्च से शुरू हुई, जो गणित, बायोलॉजी और हेल्थकेयर के इंटरडिसिप्लिनरी तालमेल को समझने का मंच दे रही है। वर्कशॉप का उद्घाटन विभाग के सेमिनार हॉल में आई आई टी , आई एस एम के निदेशक प्रो० सुकुमार मिश्रा ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। इस मौके पर विभागाध्यक्ष प्रो, एस. पी. तिवारी और संयोजक प्रो. आर. के. उपाध्याय भी मौजूद रहे। अपने संबोधन में प्रो० मिश्रा ने कहा कि आज के समय में हेल्थ सेक्टर की जटिल समस्याओं को हल करने में गणित की भूमिका तेजी से बढ़ रही है और इस तरह के इंटरडिसिप्लिनरी प्रयास समय की जरूरत हैं। वहीं प्रो, उपाध्याय ने बताया कि गणितीय समीकरण हमारे रोजमर्रा के जीवन, खासकर मानव स्वास्थ्य को समझने में अहम भूमिका निभाते हैं। प्रो, तिवारी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और गणित के साथ उसके इंटीग्रेशन को हेल्थ रिसर्च के लिए गेम चेंजर बताया।

यह वर्कशॉप एएनआरएफ की साइंटिफिक सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (एसएसआर) पहल के तहत एनएएसआई झारखंड चैप्टर के सहयोग से आयोजित की जा रही है। इसमें झारखंड के चयनित शिक्षकों को शामिल किया गया है, ताकि उन्हें मैथमेटिकल बायोलॉजी के नए क्षेत्रों से परिचित कराया जा सके और एक्सपर्ट लेक्चर्स के जरिए उनकी समझ को और मजबूत किया जा सके। कार्यक्रम में देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञ शामिल हैं, जिनमें आईआईटी, कानपुर के प्रो. बी. वी. राठीश कुमार, आई आई टी , खड़गपुर के डॉ० शुभमय मंडल, विश्व भारती के डॉ, सुभाष खजांची, आई आई टी ,आई एस एम के डॉ० गजेन्द्र के. विश्वकर्मा और डॉ, उमाकांत त्रिपाठी शामिल हुए । लेक्चर्स में मेडिकल इमेजिंग, बायेसियन मॉडलिंग, पार्किंसन डिजीज और कार्डियक मोशन जैसे विषयों पर चर्चा की गई ।

वर्कशॉप के दौरान सिमुलेशन आधारित सेशंस, इंटरैक्टिव डिस्कशन और कैंपस विजिट भी कराई जाएगी। 28 मार्च को इसके समापन सत्र (विदाई) के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। 25 से अधिक प्रतिभागी ऑफलाइन और 60 से ज्यादा ऑनलाइन जुड़कर इस वर्कशॉप में भाग ले रहे हैं, जो इसके प्रति बढ़ती अकादमिक रुचि को दर्शाता है।

नशा मुक्ति जागरूकता के लिए आज लुबी सर्कुलर रोड में 'हैप्पी स्ट्रीट' का होगा आयोजन

उपायुक्त ने की वृहद नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा

उपायुक्त ने की जिलेवासियों से हिस्सा लेने की अपील

धनबाद। जिला प्रशासन द्वारा 28 मार्च 2026 को लुबी सर्कुलर रोड पर सुबह 6 बजे से नशा मुक्ति जागरूकता के लिए एक विशेष 'हैप्पी स्ट्रीट' जैसे वृहद कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी , आदित्य रंजन तथा वरीय पुलिस अधीक्षक , प्रभात कुमार ने आयोजित होने वाले वृहद नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए आज उपायुक्त आवासीय कार्यालय में सभी संबंधित पदाधिकारियों के साथ बैठक की। कार्यक्रम में पेंटिंग, झारखंड के पारंपरिक नृत्य, बैंड द्वारा लाइव संगीत, गायन, विभिन्न प्रकार के स्टॉल, योगा, राइफल शूटिंग, साइक्लिंग, स्केटिंग, नुक्कड़ नाटक, हेल्थ कैंप, रक्तदान शिविर, फूड स्टॉल सहित विविध प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि इस कार्यक्रम से लोगों को केवल जागरूक ही नहीं बल्कि उन्हें नैतिकता एवं कानून से जुड़े पहलुओं की भी जानकारी दी जाएगी। इससे समाज में नशा के विरुद्ध सकारात्मक बदलाव आएगा।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे के चंगुल से बचाना और समाज में "नशा मुक्त भारत" का संदेश फैलाना है। प्रशासन ने कोयलांचल के लोगों से इस मेगा इवेंट में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है।मुख्य कार्यक्रम और गतिविधियाँ, शारीरिक और खेल गतिविधियाँ ,योग स्टेज , यहाँ अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा योग और प्राणायाम का अभ्यास कराया जाएगा। स्केटिंग , स्केटिंग के शौकीनों के लिए एक समर्पित ट्रैक,साइकिलिंग , पर्यावरण के प्रति जागरूकता और फिटनेस के लिए साइकिल चलाना,राइफल , एकाग्रता बढ़ाने के लिए राइफल शूटिंग का अनुभव।

बास्केटबॉल डंक , बास्केटबॉल प्रेमियों के लिए 'डंक' मारने का रोमांचक चैलेंज।मनोरंजन और खेल बैंड स्टेज , यहाँ लाइव संगीत और बैंड की धुनों का आनंद लिया जा सकता है। ह्यूमन लूडो , एक विशाल लूडो बोर्ड जहाँ गोटियों की जगह लोग खुद चलते हैं। डार्ट , सटीक निशाना लगाने का खेल,कला और साहित्य ,ओपन क्विज़ , सभी के लिए खुली सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता। कविता और शायरी , भावनाओं को शब्दों में पिरोने वाले कवियों और शायरों का मंच,छात्रों के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता , स्कूली बच्चों के लिए अपनी कला दिखाने का अवसर,पेंट माई सिटी , शहर की सुंदरता को कैनवास पर उतारने की सामूहिक पहल,सिग्नेचर रोल,बोर्ड , संदेश लिखने या अपनी उपस्थिति दर्ज करने के लिए एक विशाल बोर्ड, स्किट , सामाजिक संदेशों या मनोरंजन पर आधारित छोटे नाटक। स्वास्थ्य और परामर्श ,परामर्शदाता , मानसिक स्वास्थ्य और करियर मार्गदर्शन के लिए विशेषज्ञों से सलाह,हेल्थ कियोस्क , बुनियादी स्वास्थ्य जांच (वीपी , शुगर आदि) के लिए एक छोटा स्टाल,नशा मुक्ति केंद्र, नशे की लत से छुटकारा पाने के लिए जानकारी और सहायता स्टाल, बैठक में वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, उप विकास आयुक्त , सन्नी राज, नगर आयुक्त , आशीष गंगवार, अनुमंडल पदाधिकारी , लोकेश बारंगे, जिला शिक्षा पदाधिकारी , अभिषेक झा, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती स्नेह कश्यप, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी , सुनिल कुमार सिंह, सिविल सर्जन डॉ० आलोक विश्वकर्मा, जिला खेल पदाधिकारी , उमेश लोहरा, फूड सेफ्टी ऑफिसर , राजा कुमार के अलावा अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

झरिया विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों में रामनवमी कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचीं विधायक रागिनी सिंह

झरिया, धनबाद,श्री श्री रामनवमी पूजा के पावन अवसर पर झरिया विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में झरिया की विधायक रागिनी सिंह बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुईं। इस दौरान वे लोको बाजार उपकार दल, सुदामडीह रिवर साइड बजरंग दल, श्री श्री वीर चौहान दल नूनूडीह तथा पाथरडीह दल द्वारा आयोजित रामनवमी कार्यक्रमों में पहुंचीं, जहां आयोजन समितियों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विधायक रागिनी सिंह ने उपस्थित श्रद्धालुजनों एवं क्षेत्रवासियों के साथ प्रभु श्रीराम का जयकारा लगाया तथा सभी को रामनवमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने भगवान श्रीराम से सभी क्षेत्रवासियों के सुख, शांति, समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की।

रामनवमी के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर भक्ति और उत्साह का विशेष माहौल देखने को मिला। बड़ी संख्या में श्रद्धालु कार्यक्रमों में शामिल हुए और जय श्रीराम के जयघोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय बना रहा।

इस अवसर पर विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि रामनवमी का पर्व हमारी आस्था, संस्कृति और परंपरा का प्रतीक है। ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में एकता, भाईचारा और सामाजिक समरसता को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने सभी आयोजन समितियों को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएँ दीं।

कांग्रेस नेत्री अनुपमा सिंह विभिन्न आखाड़ा द्वारा निकाली गई भव्य शोभायात्रा में शामिल हुई

धनबाद। रामनवमी के अवसर पर कांग्रेस नेत्री अनुपमा सिंह ने धनबाद लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न आखाड़ा द्वारा निकाली गई भव्य शोभायात्रा में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई, जहाँ आयोजन समिति के सदस्यों ने पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर कांग्रेस नेत्री अनुपमा सिंह ने अखाड़ा दल के सदस्यों का हौसला बढ़ाते हुए हर संभव सहयोग करने की बात कही और कहा कि रामनवमी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि हमारी आस्था, संस्कृति और एकता का प्रतीक है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे ऐसे धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लें तथा समाज में भाईचारे और सद्भाव का संदेश फैलाएँ।

धनबाद में रामनवमी की गूंज, विधायक राज सिन्हा ने हर अखाड़े में पहुंचकर भरी जोश की हुंकार

धनबाद , रामनवमी के अवसर पर धनबाद पूरी तरह राममय हो उठा, और इस भव्य आयोजन के केंद्र में रहे झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा, जिन्होंने शहर के कई अखाड़ा समितियों में पहुंचकर उत्सव की ऊर्जा को नई ऊंचाई दी।

सरायढेला बाईपास से लेकर बाबूडीह जिला स्कूल मैदान, कबाड़ी पट्टी अखाड़ा दल, पुलिस लाइन मयरापाड़ा अखाड़ा दल, हीरापुर हटिया और धनबाद स्टेशन तक , हर स्थान पर विधायक श्री सिन्हा की उपस्थिति ने माहौल को और अधिक जोशपूर्ण बना दिया।

विश्व हिंदू परिषद की ओर से धनबाद स्टेशन और बजरंग दल द्वारा केंदुआ में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होकर विधायक श्री सिन्हा ने न केवल मंच साझा किया, बल्कि स्वयं तलवार और दंड भांजकर युवाओं के उत्साह को दोगुना कर दिया।पाण्डरपाला पांडव दल अखाड़ा में समिति सदस्यों ने विधायक श्री सिन्हा को पगड़ी पहनाकर भव्य स्वागत किया, प्रताप दल पुराना बाजार, शिवपुरी भूली, गोपालीचक, पुटकी बाजार, बैंक मोड़ और बरमसिया जैसे क्षेत्रों में विधायक श्री सिन्हा का भव्य स्वागत किया गया। जगह-जगह उन्हें पगड़ी पहनाकर और तलवार भेंट कर सम्मानित किया गया, जो जनता के अपार स्नेह और समर्थन का प्रतीक है।

विधायक श्री सिन्हा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि रामनवमी केवल पर्व नहीं, यह हमारी आस्था, शक्ति और एकता का प्रदर्शन है। जो समाज अपने धर्म और संस्कृति के प्रति सजग रहता है, वही मजबूत और आत्मनिर्भर बनता है।

उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे भगवान श्रीराम के आदर्शों को जीवन में अपनाकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

धनबाद की सड़कों पर गूंजते जय श्रीराम के उद्घोष के बीच यह रामनवमी ऐतिहासिक और अभूतपूर्व रही।

इस अवसर पर नवल साव, प्रकाश मिश्रा, धर्मेंद्र सोनकर, मनोज सिंह भीमलाल प्रजापति, डा० गंगा प्रसाद, पंकज सिन्हा, शंकर पंडित, मनोज पंडित, हुल्लास दास, दिलीप पंडित, मनोहर महतो, विवेक कुमार सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे ।

श्री श्री प्रताप दल में अभिषेक सिंह को अंगवस्त्र पगड़ी व तलवार देकर किया सम्मानित

धनबाद, पुलिस लाइन, मायरा पाड़ा में श्री श्री प्रताप दल अखाड़ा समिति के समारोह में रामनवमी के दिन शुक्रवार को मुख्य अतिथि अभिषेक सिंह उर्फ गुड्डु सिंह शामिल हुए। सभी धनबाद वासियो एवं अखाड़ा दल के सदस्यों को रामनवमी की बधाई एवं शुभकामनाये दी। समिति के लोगो ने अभिषेक सिंह को अंगवस्त्र पगड़ी पहना कर और तलवार देकर उन्हें सम्मानित किया। अखाड़ा में दल के खिलाड़ियों ने लाठी, बाना तलवार व पारंपरिक शास्त्रों के साथ खेलों का उत्साहपूर्वक प्रदर्शन किया। मौके पर पर समिति के अध्यक्ष, बबन यादव समेत सभी सदस्य अखाड़े को सफल बनाने में उपस्थित थे ।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, के. जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद से मुद्रित एवं विनोद नगर, धनबाद (झारखण्ड)- 826001 से प्रकाशित आर. एन. आई. नं. - 58948/94, पो. रजि. -डी. एन. बी. /54 फोन नं. 0326-2310243, 9431507990 Fax N0. -0326-2310243 Email : koylanchal_dhn@rediffmail.com & koylanchal.hindi@gmail.com ▶समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।